हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, बुधवार 19 मार्च 2025

तैयारी से सफलता तक ALLEN रायपुर आपके साथ

ALLEN Results 2024 validated by
Official result validator
EY

JEE ADV. 2023 AIR 459
Viraj Lilhare
2-Year classroom student

JEE ADV. 2024 AIR 510
Keshav Kumar
2-Year classroom student

C.G. TOPPER
JEE ADV. 2024 AIR 86
Bhagyansh Sahu
2-Year classroom student

1st CITY TOPPER
JEE ADV. 2023 AIR 155
Akhilesh Agrawal
2-Year classroom student

JEE MAIN Session-1 2025
99.954%ile
Harshal Gupta
4-Year classroom student

ALL INDIA TOPPER
PwBD Category

JEE MAIN Session-1 2025
99.917%ile
Harsh Kumar
2-Year classroom student

JEE MAIN Session-1 2025
99.908%ile
Kinshuk Kedia
2-Year classroom student

NEET-UG 2024
Nilay Suchak
2-Year classroom student
706/720

NEET-UG 2024
Raghav Agrawal
2-Year classroom student
700/720

NEET-UG 2024
Kunal Ajwani
2-Year classroom student
695/720

25+ STUDENTS SCORED 99%ILE & ABOVE IN JEE MAIN (SESSION-1) 2025

ALLENites made history in 2024

IITs
4425
ALLENites out of 17692 seats in 2024

AIIMS (MBBS)
660
ALLENites out of 2207 seats in 2024

EVERY 4th SUCCESS STORY IS POWERED BY ALLEN

GMCs
10000+
ALLENites secured their seat in Govt. Medical Colleges (2024)

OLYMPIADS
150 out of 334
Selections in Indian National Olympiads (INO) 2025

25 AIR#1
JEE & Pre-Medical in last 15 years from classroom

Join the league of toppers

ADMISSIONS OPEN

NEET (UG) | JEE (Main+Adv.) | Olympiads
Class 8th to 12th & 12th Pass

CAREER GUIDANCE SESSION
BY EXPERT FROM ALLEN KOTA
Date : 23 March 2025
Reporting Time : 10:30 AM
Scan for registration
Venue: Shahid Smarak Bhawan, Jaistambh Chowk, Raipur

SIGN-UP FOR ASAT
GET UP TO 90% SCHOLARSHIP*
23 & 30 MARCH

*Subject to the scholarship rules and the T&Cs.

NURTURE COURSE
For students moving from class 10th to 11th
JEE (Main+Adv.) | NEET (UG): 03 & 23 April

ENTHUSIAST COURSE
For students moving from class 11th to 12th
JEE (Main+Adv.) | NEET (UG): 03 April

LEADER COURSE
For class 12th pass students
JEE (Main+Adv.): 24 April & 29 May
NEET (UG): 11 April & 22 May

PRE-NURTURE & CAREER FOUNDATION
For class 8th to 10th students
CLASS 8th to 10th: 27 March & 23 April

For 12th Appearing / Pass Students
CRASH COURSE
NEET (UG): 26 March

For more test dates & course start dates visit: allen.ac.in/raipur

ALLEN

ALLEN Raipur Center
89513 95440 allen.ac.in/raipur

ALLEN Kota Center
0744-3556677 allen.ac.in

Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment to prepare students for their target examinations. Studying in a coaching institute does not guarantee selection for the examination. Selection depends on preparation, admission seats in competitive exam and the number of applicants appearing. All the students mentioned are part of paid courses.

KALINGA UNIVERSITY
RAIPUR | INDIA

NAAC Accredited
NIRF 2024 Ranked: 101-150 | 50+ Acre Campus | 130+ Programs | 8000+ Students from 27+ Countries | 250+ Recruiters

INTRODUCING

NEW AGE PROGRAMS

Programs That Make You Future-ready

APPLY THROUGH OUR
ENTRANCE EXAMINATION
KALSEE

SCAN THE QR CODE

ADMISSIONS OPEN 2025-26!

BA & MA FILM MAKING
In collaboration with NIIRA EDUCOM

Become: Cinematographer | Film Producer | Scriptwriter | Production Manager | Visual Effects Specialist | Film Critic

B.TECH CS IN AI & ML
In collaboration with IBM Innovation Centre for Education

Become: AI Engineer | Machine Learning Developer | Data Scientist | Software Engineer (AI/ML) | Business Intelligence Analyst | Deep Learning Specialist

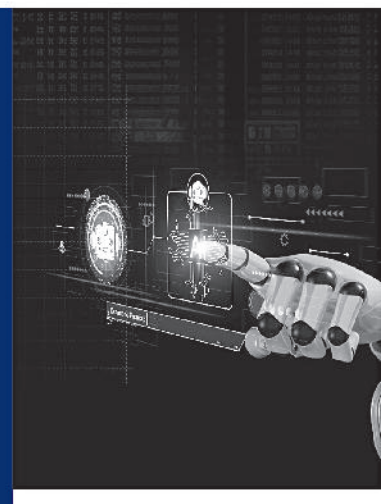

BCA IN AI & ML

Become: AI Developer | Machine Learning Specialist | AI Product Manager | NLP Engineer | Cloud Engineer (AI Focus) | Data Scientist

B.CS & M.CS IN AI & ML AND CYBERSECURITY

Become: Cybersecurity Analyst | Ethical Hacker | Network Security Engineer | Security Architect | AI Cybersecurity Specialist | Security Software Developer | Cryptography Expert | Incident Response Specialist

BBA (WITH FINTECH AS A SPECIALISATION)

Become: Fintech Analyst | Blockchain Developer | Cryptocurrency Specialist | Investment Banker | Digital Banking Specialist | Financial Planner | Business Development Manager (Fintech)

BBA (WITH AIRLINES & AIRPORT OPERATIONS MANAGEMENT AS A SPECIALISATION)

Become: Airline Operations Manager | Air Traffic Controller | Flight Operations Officer | Aviation Safety Manager | Airport Customer Service Representative | Flight Attendant

B.SC. & M.SC. IN FORENSIC SCIENCE

Become: Forensic Scientist | Crime Scene Investigator | Forensic Toxicologist | DNA Analyst | Forensic Biologist | Forensic Psychologist

WHY CHOOSE KALINGA UNIVERSITY?

- WELL DESIGNED CIF & LABS
- EXPERIENCED FACULTY
- STATE-OF-THE-ART FACILITIES
- CREATIVE ENVIRONMENT
- 100% CAREER OPPORTUNITIES
- STARTUPS OPPORTUNITIES
- HOSTEL & TRANSPORT FACILITIES ARE AVAILABLE ON A FIRST-COME, FIRST-SERVED BASIS

#Rajeuk9926308899

OTHER DEPARTMENTS

ARTS & HUMANITIES | COMMERCE | DESIGN | ENGINEERING | EDUCATION | INFORMATION TECHNOLOGY | LAW | MANAGEMENT | PHARMACY | RESEARCH | SCIENCE | YOGA | LIBRARY & INFORMATION SCIENCE

+91-9907252100 www.kalingauniversity.ac.in admissions@kalingauniversity.ac.in

Campus: Kalinga University, Kotni, Near Mantralaya, Naya Raipur – 492101 Chhattisgarh I **City Office**: 1st Floor, SLT Waterfront, Opp. Telibandha Talab, Raipur - 492001
Bhilai Office: 111, Khichariya Complex, Opp. Domino's Pizza, Near Hotel Grand Dhillon, Bhilai

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, बुधवार 19 मार्च 2025

स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन से होगी अंतरिक्ष यात्रियों की लैंडिंग | नौ महीने बाद पृथ्वी पर लौटने की प्रक्रिया का लाइव प्रसारण

सुनीता की सकुशल वापसी के लिए प्रार्थना कर रहे उनके गांव के लोग | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा पत्र, भारत आने का दिया न्योता

सितारों की दुनिया से धरती की ओर सुनीता

तड़के गृहप्रवेश!

मिशन-क्रू-10

- 18 मार्च को अंतरिक्ष से सफर शुरू
- 17 घंटे की यात्रा
- 19 मार्च की सुबह फ्लोरिडा तट पर वापसी

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स अपने क्रू मेंबर बूच विल्मोर, निक हेग और रूसी कॉस्मोनॉट अलेक्जेंडर गोर्बुनोव के साथ स्पेस से पृथ्वी पर लौट रही हैं। उनका धरती की तरफ सफर शुरू हो गया है। सुनीता नौ महीने का समय अंतरिक्ष में बिताने के बाद भारतीय समय के हिसाब से बुधवार तड़के धरती पर आएंगी। सुनीता विलियम्स और उनके साथियों की वापसी स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन क्राफ्ट से हो रही है। सुनीता विलियम्स और उनके साथियों को लेकर ▶▶|शेष पेज 5 पर

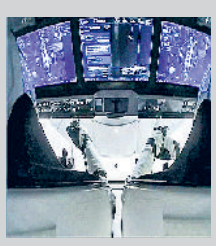

सुनीता विलियम्स ने बनाया रिकॉर्ड

सुनीता विलियम्स सबसे ज्यादा समय तक स्पेस वॉक या अंतरिक्ष में चहल कदमी करने वाली नासा की चौथी एस्ट्रोनॉट बन चुकी हैं। उनके नाम कुल 62 घंटे और 6 मिनट का रिकॉर्ड है। उन्होंने जनवरी में की गई 9वीं स्पेस वॉक के दौरान नया रिकॉर्ड स्थापित किया था।

नासा के स्पेस सेंटर में होगा मेडिकल चेकअप

सुनीता को लेकर आ रहे कैप्सूल की फ्लोरिडा में लैंडिंग के बाद सुनीता विलियम्स और क्रू को नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर, टेक्सास ले जाया जाएगा। यहां उनका मेडिकल चेकअप होगा। इसके बाद उन्हें पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुकूल होने में मदद करने के लिए रिकवरी प्रोटोकॉल का पालन कराया जाएगा। साथ ही उनसे मिशन की जरूरी जानकारी भी ली जाएगी।

धरती पर सुनीता-बुच को होगी ऐसी दिक्कतें

- धरती पर आने के बाद चलने में परेशानी होगी।
- अंतरिक्ष यात्रियों को बोन डेंसिटी लॉस भी हो जाता है
- विलियम्स और विल्मोर को विजन से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती है।
- वेटलेस टंग जैसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।
- अंतरिक्ष में नौ महीने बिताने से उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमज़ोर हो सकती है।
- कई तरह की हार्ट संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

खबर संक्षेप

निवेशकों को 8.67 लाख करोड़ का फायदा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में दो दिन की तेजी से निवेशकों की संपत्ति 8.67 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में कुल 1,472 अंक का उछाल आया। सेंसेक्स मंगलवार को 1,131.31 अंक या 1.53 प्रतिशत बढ़कर 75,301.26 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 1,215.81 अंक या 1.63 प्रतिशत बढ़कर 75,385.76 अंक पर पहुंच गया था।

बीएसएफ ने 2024 में पंजाब में जब्त किए 294 ड्रोन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में कहा कि बीएसएफ ने 2024 में पंजाब में 294 ड्रोन जब्त किए हैं। राय ने यह भी कहा कि इन ड्रोन से निपटने के लिए पंजाब सीमा पर ड्रोन रोधी प्रणाली लगाई गई है। विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर, सीमा सुरक्षा बल ने 2024 में पंजाब सीमा पर 294 ड्रोन जब्त किए हैं।

शोपियां में सुरक्षाबलों ने बरामद किया आईईडी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षाबलों ने आईईडी का पता लगाकर एक बड़ी घटना को टाल दिया। शोपियां जिले के हब्दीपोरा में गश्ती दल ने सड़क किनारे एक संदिग्ध वस्तु देखी, जो आईईडी निकली। विस्फोटक को निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेज दिया गया है। हाल के दिनों में यह दूसरी घटना है।

कंटेनर -मालगाड़ी की टक्कर, चालक गंभीर

अमेठी। अमेठी में लखनऊ-वाराणसी रेल खंड के रेलवे फाटक पर कंटेनर ट्रक और मालगाड़ी की टक्कर हो गई। इससे ट्रक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के कारण रेल खंड पर परिचालन बाधित हो गया है। घटना सोमवार रात करीब ढाई बजे जगदीशपुर थाना क्षेत्र में हुई जब रेलवे फाटक खुला था।

हरिभूमि में 5वीं की खबर छपने के बाद आठवीं के पर्चे के लिए कड़े निर्देश

नकल पर नकेल कसने का फरमान, केंद्रों में नो एंट्री, उड़नदस्तों को किया अलर्ट

पांचवी की केंद्रीयकृत परीक्षा में नकल का मामला सामने आने के बाद बिलासपुर से लेकर रायपुर तक में हड़कंप मचा रहा है। मामले मे हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद शिक्षा विभाग के ग्रुप में इस समाचार का खास तौर पर उल्लेख किया गया। साथ ही निर्देश जारी किया गया कि किसी प्रकार की ठील नहीं दी जानी है। इसके तत्काल बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने आठ उड़न दस्ता टीम बनाई है जिसमें 32 अधिकारी हैं। इन्हें सख्ती बरतने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही ब्लाक स्तर पर बीईओ और एबीईओ अलग से जांच कर रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

कलेक्टर अवनीश शरण ने भी जिला शिक्षा विभाग से मामले में रिपोर्ट मांगी है। माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से मामले में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई की बात कही गई है। इसका असर भी मंगलवार को आठवीं के पहले पेपर के दिन दिखा। किसी भी केन्द्र से नकल के मामले सामने नहीं आए। हालांकि इसके बाद भी क्लास रूम में बच्चों के बीच प्रश्नों और उत्तर को लेकर चर्चा जारी रही है। एक दूसरे को उत्तर भी बताया गया। करीब 15 साल बाद शुरू हुई पांचवी-आठवीं ▶▶|शेष पेज 5 पर

खबर का असर

अफसरो ने कहा- नकल न कराएं

- हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद शिक्षा विभाग के ग्रुप में इस समाचार का खास तौर पर उल्लेख
- ब्लाक स्तर पर बीईओ और एबीईओ अलग से जांच कर रहे है, शिक्षा विभाग ने कड़ाई बरतने के निर्देश दिए

चाक-डस्टर कमरे में ले जाने पर रोक

ध्यान रहे कि पहले दिन पांचवी के गणित पेपर में कहीं शिक्षक ही छात्र को नकल करते नजर आए तो कहीं बोर्ड पर उत्तर लिखकर शिक्षिकाएं छात्रों को गणित के सवाल हल करते नजर आई। यहां तक कि मस्तूरी ब्लाक के मानिकपुर ▶▶|शेष पेज 5 पर

बच्चों की उपस्थिति हो रही काफी कम

बोर्ड की तर्ज पर आयोजित इस परीक्षा में उपस्थिति भी काफी कम रह रही है। यही नहीं सरकारी स्कूलों के परीक्षार्थियों ने कई केंद्रों में जमींन में बैठकर परीक्षा दिलाई और उनके रोल नम्बर बगल में ही लिखे थे। तखतपुर विकासखण्ड में 180 मिडिल स्कूल कक्षा आठवीं की ▶▶|शेष पेज 5 पर

निर्देश जारी किया गया कि किसी प्रकार की ठील नहीं दी जानी है। आठ उड़न दस्ता टीम बनाई है जिसमें 32 अधिकारी हैं। इन्हें सख्ती बरतने के आदेश दिए गए हैं। ब्लाक स्तर पर बीईओ और एबीईओ अलग से जांच कर रहे हैं।

- अनिल तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी

बच्चों के मूल्यांकन के लिए यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बरदाश्त नहीं की जाएगी। शिक्षा विभाग से पूरी रिपोर्ट मांगी जा गई है। नकल करवाने वाले शिक्षकों पर मामला सही पाया गया तो कार्रवाई भी होगी।

- अवनीश शरण, कलेक्टर

विशेष न्यायालय ने सुनाया फैसला

आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व अधीक्षण अभियंता को पांच साल की कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में कोर्ट ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता मनोज सिंह ठाकुर को 5 वर्ष सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विशेष कोर्ट रायपुर में मंगलवार को इस प्रकरण की सुनवाई हुई। न्यायाधीश मधुसूदन चंद्राकर ने इस पूरे प्रकरण की सुनवाई के बाद मनोज सिंह को दोषी मानते हुए फैसला सुनाया है।

जुलाई 2015 में एंटी करप्शन ब्यूरो ने आरोपी के ठिकाने पर मारा था छापा: एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा विशेष न्यायालय रायपुर से विधिवत तलाशी ▶▶|शेष पेज 5 पर

मिली थी लाखों की अनुपातहीन संपत्ति

इस छापामार कार्रवाई के दौरान मनोज सिंह तथा उसके परिजनों के नाम पर 71 लाख 22 हजार 771 रुपए की अनुपातहीन संपत्ति का पता चला था। जांच में यह भी पता चला कि मनोज सिंह ने अपने सेवा कार्यकाल के दौरान यह सारी संपत्ति अर्जित की थी। कोर्ट ने सबूतों के आधार पर माना है कि आरोपी ने अपने लोक सेवक के पद का फायदा उठाकर गलत तरीके से अनुपातहीन संपत्ति बनाई है, जो भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। इन सबूतों के आधार पर कोर्ट ने अभियुक्त मनोज सिंह को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-13(1)ई, 13(2) के अपराध के ▶▶|शेष पेज 5 पर

विकास कार्यों और नक्सल उन्मूलन पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री साय ने पीएम मोदी को सौंपा बस्तर के विकास का रोडमैप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य के विकास संबंधी विस्तृत चर्चा की। बस्तर विकास के मास्टर प्लान के बारे में प्रधानमंत्री को पूरी जानकारी दी। इसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को बुनियादी ▶▶|शेष पेज 5 पर

30 को आएंगे प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के 30 मार्च को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ दौरे की रूपरेखा साझा की। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री राज्य में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस दौरे को लेकर की जा रही तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की और प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

दिहुली जनसंहार मामले में आया फैसला

24 दलितों की हत्या, 44 बरस बाद तीन को फांसी की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुरी

मैनपुरी जिले की एक विशेष अदालत ने 1981 के दिहुली जनसंहार मामले में तीन लोगों को मंगलवार को मौत की सजा सुनाई। सरकारी वकील रोहित शुक्ला ने बताया कि 18 नवंबर 1981 को हुई जनसंहार की इस घटना में छह महीने और दो साल की उम्र के दो बच्चों समेत 24 दलितों की डकैतों के एक गिरोह ने हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि विशेष न्यायाधीश इंदिरा सिंह ने इस मामले में कप्तान सिंह (60), रामपाल (60) और राम सेवक (70) को दोषी ठहराते हुए

उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने दोषियों पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। शुक्ला ने बताया कि 18 नवंबर 1981 की शाम को पुलिस की वर्दी पहने 17 डकैतों के एक गिरोह ने मैनपुरी के देहुली में 24 दलितों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुकदमे में धाराओं 302 , 307 और 396 के तहत 17 आरोपियों के नाम थे। चार दशकों से अधिक समय तक चले मुकदमे की प्रक्रिया के दौरान उनमें से 14 आरोपियों की मौत हो गई।

कई हत्यारोपियों की हो चुकी मौत

थाना जसराना क्षेत्र के गांव दिहुली में 18 नवंबर 1981 को सामूहिक नरसंहार हुआ था। मामले में विवेचना के बाद चार्जशीट दाखिल हुई तो कोर्ट में मामला विचाराधीन रहा। इस दौरान कई हत्यारोपियों की मौत हो चुकी है। एक को कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया है।

जेल में बेचैनी भरी रही तीनों की रात

दिहुली कांड के दोषी रामपाल, रामसेवक और कप्तान सिंह जिला कारागार मैनपुरी में सोमवार की रात को करवटें बदलते रहे। वह अपनी सजा के बारे में ही सोचते रहे। कप्तान सिंह सबसे अधिक बेचैन था। जिला कारागार के कर्मियों के अनुसार इन तीनों की नियमित निगरानी भी की जा रही थी। मंगलवार को तीनों समय से उठे और नित्य क्रिया के बाद कोर्ट जाने को तैयार हो गए। मगर, इनके चेहरों पर सजा पाए का अजीब सा खौफ साफ दिखाई दे रहा था। सोमवार शाम को खाना भी कम ही खाया था।

क्या है दिहुली नरसंहार

फिरोजाबाद से 30 किलोमीटर दूर जसराना कस्बे के गांव दिहुली में डकैत संतोष-राधे और उनके गिरोह के सदस्यों ने 24 दलितों की गोलियों से भून दिया था। 18 नवंबर 1981 शाम पांच बजे की बात है। ठंड अपनी दस्तक रहे थी, गांव के लोग अपने घर लौट गए थे। संतोष-राधे अपने साथी डकैतों हथियार लेकर दिहुली गांव पर हमला कर दिया। डकैतों ने औरतों-बच्चों किसी को नहीं बख्शा, जो मिला उसे मौत के घाट उतार दिया। चश्मदीदों के मुताबिक, संतोष गिरोह ने पूरे जाटव टोले को घेर रखा था, जो दिखाई देता उसको गोली मार देते थे। इस तरह 24 दलित समाज के लोगों को गोलियों से भून दिया था। गांव में डकैतों ने लूट-पाट की।

कितना गहरा और खतरनाक है समुद्र? जानिए क्यों पानी के भीतर जाने से डरते हैं वैज्ञानिक

लंदन। अंतरिक्ष के रहस्यों का पता लगाने वाले वैज्ञानिकों के लिए समुद्र अभी तक अछूता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि समुद्र की गहराई को मापना अंतरिक्ष में जाने से कहीं ज्यादा रहस्यों से भरा और खतरनाक है। हम आपको बताते हैं कि आखिर समुद्र की गहराई कितनी और क्यों खतरनाक है? अभी तक समुद्र की सबसे गहराई वाली जगह तीन लोग मिलकर सिर्फ तीन घंटे ही रह पाए हैं। समुद्र की इस गहराई को चैलेंजर डीप कहा जाता है।

कहां पर है समुद्र की सबसे अधिक गहराई?

एक रिपोर्ट के मुताबिक, समुद्र की औसत गहराई करीब 12 हजार फीट है। इसके सबसे गहरे भाग को चैलेंजर डीप कहा जाता है। यह स्थान प्रशांत महासागर के नीचे मारियाना ट्रेंच के दक्षिणी छोर पर मौजूद है। यह करीब 36 हजार फीट गहरा है। वैज्ञानिकों ने साल 1875 में पहली बार इसकी खोज की थी। तभी से इसके करीब जाने की कई कोशिशें हुईं, लेकिन सफलता नहीं मिलीं।

बरमूडा ट्रायंगल का रहस्य

अभी तरह बरमूडा ट्रायंगल का रहस्य से पूरी तरह से पर्दा नहीं उठ पाया है। यहां पर पानी के ऊपर से जाते हुए कई जहाज लापता हो चुके हैं। यहां पर पानी के जहाज भी कई गायब हो चुके हैं। बरमूडा ट्रायंगल अपने क्षेत्र में आनी वाली सभी चीजों को निगल जाता है। नॉर्थ अटलांटिक महासागर के इस त्रिभुजाकार हिस्से को अभी तक समझा नहीं जा सका है।

बेहद खतरनाक होते हैं समुद्री जानवर

समुद्र में तरह-तरह के जानवर भी हैं। यह डर अंतरिक्ष में भी नहीं है। खूबसूरत दिखने वाली जैलीफिश की कई प्रजातियां भी इतनी घातक होती हैं कि उनके छूने से सीधे नवर्स सिस्टम काम करना बंद कर देता है। नेशनल ओशन सर्विस के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियन बॉक्स जैलीफिश समुद्र में खोज गई अभी तक की सबसे खतरनाक जानवर हैं। पफरफिश भी है, जो मिनटों में 30 इंसानों की जान ले सकती है। इनके जहर की अभी तक कोई काट नहीं है।

रोचक खबरें

घायल लंगूर इलाज करवाने खुद पहुंचा दवा की दुकान

ढाका। एक दिल को छू लेने वाली घटना में एक लंगूर को फार्मेसी में जाते हुए और अपने घाव के लिए चिकित्सा सहायता मांगते हुए देखा गया। सोशल मीडिया के मुताबिक, वायरल वीडियो बांग्लादेश का बताया जा रहा है। पोस्ट के अनुसार, यह घटना 7 मार्च को देश के एक कस्बे मेहरपुर में हुई. फुटेज में, लंगूर को स्टोर काउंटर पर बैठे देखा जा सकता है, जबकि एक शख्स उसके घाव पर मरहम लगा रहा है और उसके चारों ओर पट्टी बांध रहा है। प्रक्रिया के दौरान कई अन्य लोग जानवर को दुलारते दिख रहे हैं। कैप्शन में लिखा है, 'एक घायल बंदर मेहरपुर के एक स्थानीय इलाके में भटक गया और एक फार्मेसी को देखते ही मदद के लिए अंदर भाग गया। यह घटना 7 मार्च की रात को मेहरपुर शहर के अलहेरा फार्मेसी में हुई, जहां बंदर को शुरुआती चिकित्सा सहायता दी गई।' कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस दिल को छू लेने वाले वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दी, जिनमें से एक ने कहा, 'लोगों को जानवरों की देखभाल करते देखना अच्छा लगता है।' दूसरे यूजर ने कमेंट किया, 'मजेदार बात यह है कि अगर कोई इंसान यही मदद मांगने आए तो वे उसे बाहर निकाल देंगे।' तीसरे यूजर ने कहा, 'बंदर के पास सरकार से ज्यादा आईक्यू है।'

चांद, मंगल और बृहस्पति ग्रह तक पहुंचने में कितना समय लगता है?

वॉशिंगटन। अगर आपको किसी जगह जाना हो, तो रास्ता, साधन और ईंधन काफी जरूरी हो जाता है। ठीक वैसे ही, जब बात अंतरिक्ष यात्रा की हो, तो यहां भी सिर्फ रफ्तार ही नहीं, बल्कि सही रास्ता और सही प्लानिंग भी मायने रखती है। धरती से निकलकर दूसरे ग्रहों तक पहुंचने के लिए वैज्ञानिकों को न सिर्फ दूरी का हिसाब रखना पड़ता है, कई और फैक्टर्स भी अहम भूमिका निभाते हैं। आइए जानते हैं कि ये कौन से जरूरी फैक्टर्स है और उस हिसाब से चांद और मगल तक पहुंचने में कितना समय लगता है?

बृहस्पति तक पहुंचने में कितने साल लगते हैं?

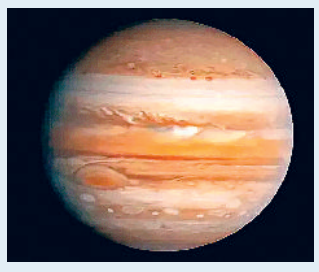

अब आते हैं सौर मंडल के सबसे बड़े ग्रह, बृहस्पति यानी जूपिटर की ओर। यह ग्रह धरती से लगभग 77 करोड़ किलोमीटर की औसत दूरी पर स्थित है, जो कि मंगल की तुलना में लगभग तीन गुना ज़्यादा है। इसका मतलब यह है कि वहां पहुंचने के लिए न सिर्फ तेजी, बल्कि एक स्मार्ट प्लान भी चाहिए। सवाल है कि बृहस्पति तक पहुंचने में कितना समय लगता है? उदाहरण के लिए नासा का पहला बृहस्पति मिशन गेलिलियो को पहुंचने में 6 साल लगा, क्योंकि इसने कई गुरुत्वाकर्षण सहायता तकनीकों का इस्तेमाल किया था। जबकि दूसरा मिशन जूनो करीब 5 साल में पहुंचा। वोयागेर 1 19 महीने में वहां पहुंचा था।

चांद तक का सफर कितना आसान है?

चांद हमारी धरती का सबसे करीबी पड़ोसी है। जो औसतन 3,84,400 किलोमीटर दूर स्थित है। लेकिन, यह सफर इतना आसान नहीं, जितना की यह दूरी बताती है। जब नासा ने अपने ऐतिहासिक अपोलो मिशन के तहत पहली बार इंसानों को चांद तक भेजा, तो यह यात्रा औसतन तीन दिनों में पूरी हुई थी। अपोलो 8 मिशन सबसे तेज था, जिसने मात्र 69 घंटे (करीब 2.8 दिन) में चांद की कक्षा में एंटर कर लिया था।

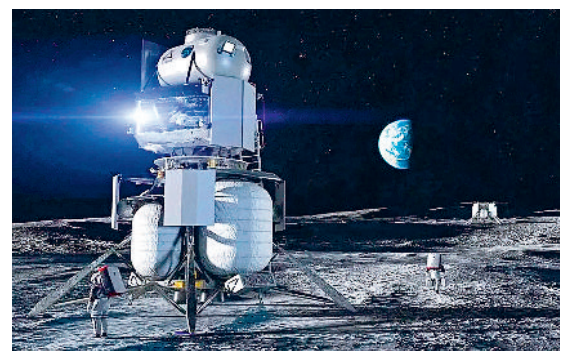

हफ्तों या महीनों का भी लग सकता है समय

हालांकि, हर मिशन का तरीका अलग हो सकता है। अगर किसी मिशन को ईंधन की बचत करनी हो, तो वह ज़्यादा कुशल, लेकिन धीमे रास्ते का चुनाव कर सकता है। इसे समझने के लिए एक उदहारण लेते हैं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का। इसरो का चंद्रयान-2 मिशन 22 जुलाई 2019 को लॉन्च हुआ था और इसे चांद तक पहुंचने में करीब 48 दिन लगे थे। इसकी वजह यह थी कि चंद्रयान-2 को धीमे और ऊर्जा-कुशल रास्ते से भेजा गया था, जिससे ईंधन की बचत हो सके। ऐसे में चांद तक पहुंचने में हफ्तों या महीनों का समय भी लग सकता है।

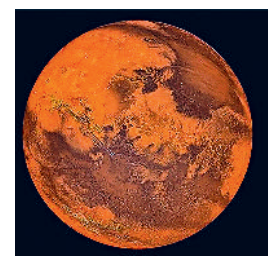

मंगल तक पहुंचने में कितने महीने लगते हैं?

चांद के मुकाबले मंगल ग्रह हमसे कहीं ज़्यादा दूर है। धरती से सूरज की औसत दूरी 15 करोड़ किलोमीटर है, जबकि मंगल ग्रह धरती से 22.5 करोड़ किलोमीटर की औसत दूरी पर स्थित है। मंगल ग्रह तक का सफर चांद की तुलना में लंबा और ज़्यादा जटिल होता है। आमतौर पर, किसी अंतरिक्ष यान को मंगल तक पहुंचने में 7 से 10 महीने का समय लगता है। मिसाल के तौर पर नासा के अंतरिक्ष यान (**Mars Reconnaissance Orbiter**) को मंगल की कक्षा में पहुंचने में 7.5 महीने लगे, जबकि मावेन मिशन को 10 महीने लगे। प्रेसवेरान्से रोवर 2020 203 दिनों में यानी लगभग 7 महीने के बाद मंगल की सतह पर उतरा। इसकी वजह ये रही कि वैज्ञानिकों को न सिर्फ मंगल तक पहुंचने की दूरी तय करनी होती है,बल्कि सही कक्षा में प्रवेश करने और वहां की लैंडिंग प्रोसेस को भी ध्यान में रखना पड़ता है। ये सारे फैक्टर्स तय करते हैं कि मंगल तक का सफर कितना तेज और कुशल होगा।

दुनिया के टॉप 50 ब्रेड में पहले नंबर पर है इंडिया की ये ब्रेड

नई दिल्ली। टेस्टी बटर गार्लिक नान ने दुनिया भर की सबसे अच्छी ब्रेड का खिताब हासिल किया है। टेस्ट एटलस की बहुत सावधानी से तैयार की गई लिस्ट में बटर गार्लिक नान ने टॉप पोजिशन हासिल की है। अब किसी भारतीय व्यंजन का अंतरराष्ट्रीय सूची में आना कोई बड़ी बात नहीं है। ग्लोबल मार्केट वास्तव में भारतीय व्यंजनों के गुणों को पहचान रहा है। खास बात ये है कि फर्स्ट के साथ ही सेकंड पोजिशन भी इंडियन ब्रेड को ही मिला है। भारत का अमृतसरी कुलचा दूसरे स्थान पर, परोटा छठे स्थान पर, नान आठवें स्थान पर, पराठा अठारहवें स्थान पर, भटूरा छब्बीसवें स्थान पर, आलू नान अट्ठाईसवें स्थान पर और रोटी पैंतीसवें स्थान पर है। दुनिया भर की बहुत सी दूसरी ब्रेड से अलग, बटर गार्लिक नान या यहां तक कि परोटा जैसे दूसरे रैंक-होल्डिंग इंडियन डिशेज, पराठे और रोटियों में पारंपरिक और टेस्टी दोनों तरह के असंख्य विकल्प और यहां तक कि आलू नान को भी किसी दूसरे साइड डिश की जरूरत नहीं होती। वे अपने आप में सही मायने में टेस्टी होते हैं, जिन्हें खाने वाला अपनी उंगलियां चाटे बिना नहीं रह सकता। अब बटर गार्लिक नान की बात करें तो, आपको नमकीन, चबाने वाले बाइट्स में लिपटे बटरी, लहसुन वाले टेस्टी डिश को खाने के लिए किसी कारण की ज़रूरत नहीं है और लिस्ट में सबसे ऊपर आने वाला यह इंडियन ब्रेड निश्चित रूप से हर महफिल की जान बन जाता है।

विदेशी बच्ची को हिंदी में बात करते हुए सुनकर लोगों को नहीं हो रहा यकीन

न्यूयार्क। अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर क्रिस्टन फिशर पिछले कुछ समय से भारत में रह रही हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट के ज़रिए वह देश में अपनी ज़िंदगी की झलकियां शेयर करती रहती हैं। अपने एक नए पोस्ट में, उन्होंने अपनी बच्ची का हिंदी शब्द बोलते हुए एक मनमोहक वीडियो शेयर किया है, जिसे देखने के बाद कोई भी हैरान रह जाएगा। इसके बाद, बच्ची अपनी मां से खिलौने का डिब्बा खोलने के लिए कहती है, 'मम्मी खोलो'। दिल को छू लेने वाले वीडियो को कैप्शन देते हुए, क्रिस्टन ने लिखा, मेरी अमेरिकी बच्ची का हिंदी बोलना हमेशा सबसे प्यारी चीज़ों में से एक रहेगा. मुझे यकीन नहीं होता कि वह कितना कुछ समझ और बोल सकती है। वह ज़्यादा कुछ नहीं बोलती, लेकिन वह हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों में बातें करती है। यह छोटी सी प्यारी बच्ची भारत में पैदा हुई है, और यही सब वह जानती है। वह सही तरीके से बड़ी हो रही है। मुझे आपके बच्चे और उसकी बोली जाने वाली हिंदी से प्यार हो रहा है। एक यूजर ने कमेंट किया, 'क्या हुआ' सबसे बढ़िया है। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'मैं उसे पूरे दिन सुन सकता हूं।' तीसरे ने भी दिल वाले इमोजी बनाते हुए लिखा, 'यह बहुत प्यारा है।'

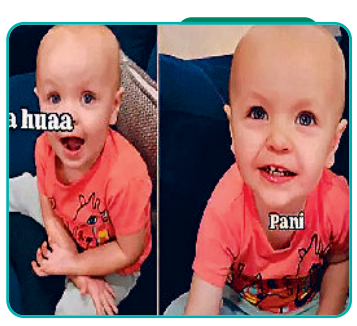

दुनिया के सबसे रहस्यमयी खजाने, जो खोजने गया कभी लौटकर नहीं आया

नई दिल्ली। दुनिया में हर व्यक्ति चाहता है कि उसके पास धन-दौलत, हीरे-जवाहरात और सोना-चांदी हो। इतिहास में कई ऐसे राजा-महाराजा था जिनका खजाना इन चीजों से भरा हुआ था। हालांकि, उनकी मौत के बाद यह नहीं पता चल पाया कि उनका खजना कहां पर है। कई लोग इन खजानों की तलाश में आज भी लगे रहते हैं। आज हम आपको अपनी खबर में दुनिया के ऐसे ही रहस्यमयी खजानों के बारे में बताते हैं जिनकी तलाश में अब तक कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

द अंबर रूम

रूस में द अंबर रूम एक प्रसिद्ध महल था, जो सेंट पीटर्सबर्ग शहर के करीब स्थित था। द अंबर रूम कमरे की तरह एक चैंबर था, जिसका निर्माण साल 1707 में पर्शिया में किया गया था। यह पीटर द ग्रेट को रूस और पर्शिया के बीच शांति के तोहफे में मिला था। साल 1941 में द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाजियों ने इस पर कब्जा कर लिया और इसे सुरक्षित करने के लिए इसका अलग-अलग हिस्सों में बंटवारा कर दिया। इन सभी टुकड़ों को 1943 में एक म्युजियम में प्रदर्शित किया गया। यहां से पूरा द अंबर रूम लापता हो गया। इसके बाद से इस खजाने का आज तक कोई पता नहीं चल पाया।

चंगेज खान का खजाना

मंगोल साम्राज्य की नींव रखने वाला चंगेज खान अपने शासन के दौरान दुनिया का सबसे प्रसिद्ध और महान योद्धा था। उस समय चंगेज खान ने करीब पूरी दुनिया पर जीत हासिल कर ली थी और खूब धन-दौलत इकट्ठा कर लिया था। वर्ष 1227 में चंगेज खान की मौत हो गई। बताया जाता है कि एक अज्ञात जगह पर उसके शव और खजाने को दफनाया गया। कहा जाता है कि इस खजाने की खोज में जो भी गया, वह लौटकर नहीं आया।

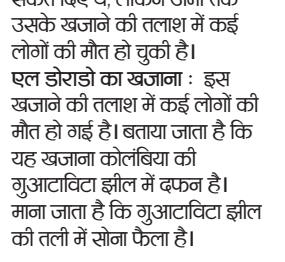

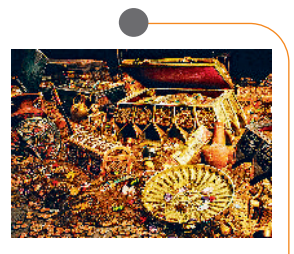

फॉरेस्ट फेन का खजाना

संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेना में फॉरेस्ट फेन काम करता था और वह एक पायलट था। फॉरेस्ट फेन कीमती कलाकृतियों का व्यापारी था, जिनकी कीमत अरबों डॉलर थी। साल 1980 में वह घातक बीमारी कैंसर की चपेट में आ गया, तो उसने अपने अरबों डॉलर के खजाने को कहीं पर छिपा दिया। उसने अपने खजाने को खोजने के लिए लोगों को कुछ संकेत दिए थे, लेकिन अभी तक उसके खजाने की तलाश में कई लोगों की मौत हो चुकी है।

एल डोराडो का खजाना : इस खजाने की तलाश में कई लोगों की मौत हो गई है। बताया जाता है कि यह खजाना कोलंबिया की गुआटाविटा झील में दफन है। माना जाता है कि गुआटाविटा झील की तली में सोना फैला है।

सुनीता विलियम्स आखिरी बार भारत कब आई थीं और यहां आकर उन्होंने क्या किया था

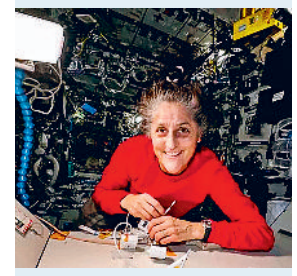

नई दिल्ली। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 9 महीनों के बाद पृथ्वी पर लौट रही हैं। सुनीता दो बार भारत दौरे पर आ चुकी हैं। उन्होंने गुजरात के अपने पैतृक गांव का भी दौरा किया था। यात्रा के दौरान उन्होंने छात्रों को सपने पूरे करने के लिए प्रेरित भी किया। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की धरती पर वापसी होने वाली है। 9 महीने बाद वह पृथ्वी पर कदम रखेंगी। सुनीता विलियम्स का भारत से खास नाता रहा है। सुनीता अमेरिकी नागरिक हैं, लेकिन उनकी जड़ें भारत में हैं। सुनीता विलियम्स के पिता डॉ. दीपक पंड्या गुजराती मूल के भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर थे। उनकी मां बोनी पंड्या यूरोप के स्लोवाकिया से थीं। सुनीता दो बार भारत के दौरे पर आ चुकी हैं। वह आखिरी बार 2013 में भारत आई थीं। सुनीता दौरे पर कोलकाता गई थीं। उनसे ईश्वर या किसी अज्ञात शक्ति के अस्तित्व के बारे में उनके विचार पूछे गए, तो उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि अंतरिक्ष में कुछ अज्ञात है। वह नई दिल्ली भी गई थीं। उन्होंने नेशनल साइंस सेंटर में छात्रों से मुलाकात की थी और अपने अनुभव साझा करने को कहा था। साथ ही सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया था।

मौत के पहले लोगों ने जताई अजीब इच्छाएं

'पैराशूट से श्मशान पहुंचाई जाए मेरी लाश', अंतिम संस्कार को लेकर हुआ सर्वे

लंदन। कई लोगों की आखिरी ख्वाहिश भी हट कर होती हैं। वे अपना अंतिम संस्कार कुछ हट कर करवाना चाहते हैं। कुछ सादगी से, तो कुछ गुपचुप तरीके से अपना अंतिम संस्कार करवाना पसंद करते हैं। भारतीय फिल्म स्टार राजकुमार और देवानंद ने ऐसा ही कुछ करवाया था। ब्रिटेन में इसी को लेकर एक सर्वे हुआ है जिसमें लोगों में अंतिम संस्कार को लेकर अपनी आखिरी ख्वाहिश के कुछ अजीब से खुलासे हुए हैं। एक शख्स की ख्वाहिश ये थी कि उसका शव पैराशूट से कब्रिस्तान तक ले जाया जाए।

कैसे की गई स्टडी

ब्रिटेन में हाल के पिछले कुछ समय किए गए अंतिम संस्कारों और शोक मनाने वालों पर यह अनोखा सर्वे हुआ। इसमें शोधकर्ताओं ने लोगों में अजीब आखिरी इच्छाओं के बढ़ते चलन का खुलासा किया गया। सर्वे में 100 अंतिम संस्कार निदेशकों और पिछले साल के दौरान अंतिम संस्कार आयोजित करने वाले 1500 लोगों को सर्वे में शामिल किया।

अजीब सी ख्वाहिशें

हैरानी की बात ये भी थी कि 18 फीसदी मामलों में नजदीकी रिश्तेदारों के मरने वाले की आखिरी ख्वाहिश का पता ही नहीं था। एक शख्स ने चाहा था कि उसके शव को कोई कपड़े ना पहनाए जाएं, वहीं दूसरे शख्स ने चाहा कि उसके शव को कचरे के डिब्बे में फेंक कर छोड़ दिया जाए और फिर कचरे जमा करने वाले कर्मचारी उसे उठाएं। लेकिन, कई अंतिम इच्छाएं कुछ हटकर भी थीं। जलवाने वाले लोगों में से 2 फीसदी लोगों ने अपनी राख का टैटू या ज्वैलरी बनवाने में इस्तेमाल किए जाने की इच्छा जाहिर की तो कोई उन्हें अंतरिक्ष में बिखरा देने की चाहत वाला था। लेकिन, सबसे अजीब ख्वाहिश पिछले साल मरे एक शख्स थी, जिसने कहा था कि उसका शव पैराशूट से कब्रिस्तान में उतारा जाए।

मनपसंद जगह पर राख बिखेरने की तमन्ना ज्यादा

ब्रिटेन में जहां बहुत से लोग ईसाई धर्म के मानने वाले होते हैं, वहां इन अंतिम संस्कारों में से तीन चौथाई शवों को जलाया गया था, जबकि केवल एक चौथाई दफनाए गए थे। सर्वे के मुताबिक, जलाने वालों में 51 फीसदी लोगों को अंतिम इच्छा थी कि उनकी राख को उनके मनपसंद स्थान पर बिखेरा जाए, जबकि 27 फीसदी लोग चाहते थे कि उनकी राख को उनके परिवार कलश में संभाल कर रखें। 20 फीसदी लोग अपनी राख को दफनाने के पक्ष में थे।

रायपुर, बुधवार 19 मार्च 2025 | चैत्र कृष्ण पक्ष पंचमी | वर्ष : 23, अंक : 240 | पृष्ठ : 14+4+4 = 22 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बीजापुर में पत्रकार की हत्या, लाश सेप्टिक टैंक में फेंकी और कर दिया था प्लास्टर

मुकेश हत्याकांड में 1241 पन्नों की चार्जशीट, चार आरोपी, 72 गवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर/बीजापुर

पत्रकार मुकेश चन्द्रकार हत्याकांड मामले में पुलिस ने मंगलवार को चार्जशीट बीजापुर कोर्ट में पेश कर दी है। एसआईटी ने 1241 पन्ने की चार्जशीट में 72 लोगों को गवाह बनाया है। चार्जशीट में मुख्य आरोपी ठेकेदार सुरेश चन्द्रकार, रितेश चन्द्रकार, दिनेश चन्द्रकार के अलावा सुपरवाइजर महेंद्र रामटेक का नाम शामिल है, जो वर्तमान में जेल में है। एसआईटी टीम को लीड कर रहे एएसपी मंयक गुर्जर ने बताया कि पुलिस ने हत्याकांड की जांच के दौरान सीसीटीवी डीवीआर और भौतिक साक्ष्य के आधार पर चार्जशीट पेश किया है। जिसमें 762 पन्नों का चालान और 479 पन्नों की केश डायरी शामिल है। मामले की प्रारंभिक जांच ⏭शेष पेज 5 पर

- 72 घंटे में आरोपियों को किया गया था गिरफ्तार, 72 लोगों को बनाया गया गवाह
- 75 दिन में मामले की जांच के बाद एसआईटी ने कोर्ट में चार्जशीट किया पेश

न्यायालय में पेश की गई चार्जशीट

पत्रकार हत्याकांड मामले में एसआईटी ने मंगलवार को केस डायरी सहित 1241 का चार्ज शीट के साथ न्यायालय में पेश की गई है। एसआईटी टीम प्रभारी एएसपी मयंक गुर्जर ने बताया कि विवेचना के दौरान चारों आरोपी सुरेश चन्द्राकर, दिनेश चन्द्रकार, रितेश चन्द्रकार व महेन्द्र रामटेके के विरुद्ध बीएनएस की धारा 103(1), 238(क), 61(2)(क), 239, 249, ⏭शेष पेज 5 पर

ऐसे दिया गया था हत्याकांड को अंजाम

बीजापुर के पत्रकार मुकेश चन्द्रकार 1 जनवरी 2025 की रात अचानक अपने घर के पास से गायब हो गया था। उसी रात सुरेश चन्द्रकार ने पूरी प्लानिंग के बाद बीजापुर के युवा पत्रकार मुकेश की हत्या अपने फार्म हाउस में कर शव को सेप्टिक टैंक में डालकर चुनवा दिया था। 2 जनवरी को मुकेश के भाई युकेश ने कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट ⏭शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

लोकपाल के अधिकार की पड़ताल करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह हाईकोर्ट के वर्तमान न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों पर विचार करने में भ्रष्टाचार रोधी

संस्था लोकपाल के अधिकार क्षेत्र के मुद्दे की पड़ताल करेगा। न्यायमूर्ति बी आर गवई की न्यायाधीशों की पीठ 27 जनवरी के आदेश पर स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई कार्यवाही पर विचार कर रही है।

रेल दुर्घटनाओं में 90 प्रतिशत की आई कमी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में कहा कि 2005-06 में रेलगाड़ियों के पटरी से उतरने समेत रेल हादसों की संख्या करीब 700 प्रतिवर्ष थी, जो अब घटकर 73 रह गई है। रेलवे सुरक्षा के लिए अनेक कदम उठाए जाने से रेल दुर्घटनाओं में 90 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आयी है।

अमेरिकी अरबपति जार्ज के एनजीओ पर छापे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम के 'उल्लंघन' से संबंधित जांच के

सिलसिले में अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस समर्थित 'ओपन सोसाइटी फाउंडेशन' के कुछ कथित लाभार्थियों और उससे जुड़ी कुछ संस्थाओं के खिलाफ बेंगलुरु में छापेमारी की। फेमा के तहत तलाशी ली जा रही है।

26 बार दोस्त के साथ विदेश गई थी रान्या

हैदराबाद। कन्नड़ अभिनेत्री और डीजीपी रैंक के एक सीनियर आईपीएस अधिकारी की बेटी रान्या राव के सोने की तस्करी मामले में नया खुलासा हुआ है। इस मामले में दूसरे आरोपी, जो अभिनेत्री रान्या राव का करीबी दोस्त तरुण राजू ने 26 बार दुबई से हैदराबाद की यात्रा की थी।

राजनीतिक दलों के लगातार 'प्रहार' के बाद लिया गया निर्णय

चुनाव आयोग का फैसला, पैन के बाद अब वोटर आईडी को आधार से कराना होगा लिंक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में हुई हाई लेवल मीटिंग में इस पर चर्चा हुई। बैठक में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने निर्वाचन सदन नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ तथा चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने का काम संविधान के अनुच्छेद 326 के प्रावधानों के अनुसार ही किया जाएगा। कहा गया कि इस संबंध में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण और चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञ जल्द ही आगे की चर्चा करेंगे।

गौरतलब है कि विपक्षी दलों की तरफ से मतदाता पहचान पत्रों में धोखाधड़ी और डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्रों को लेकर कई आरोप लगाए गए हैं। विपक्षी नेता कई बार चुनाव आयोग पर केंद्र सरकार के हितों के साथ तालमेल करने का आरोप लगा चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव आयोग ने पहले आधार-वोटर आईडी कनेक्शन को प्रभावी रूप से अनिवार्य बनाने की योजना बनाई थी, हालांकि बाद में 2023 में सुप्रीम कोर्ट को सौंपे गए अपने सबमिशन में पैनल ने कहा कि इस तरह की लिंकिंग अनिवार्य नहीं थी।

चुनाव आयोग ने वोटर आईडी को आधार से जोड़ने को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और केंद्रीय गृह सचिव की बैठक में यह फैसला लिया गया। आयोग ने साफ किया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह संविधान और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत ही होगी।

- चुनाव आयोग और केंद्रीय गृह मंत्रालय की हुई बैठक
- चुनाव आयोग लगातार कर रहा कई तरह के बदलाव

- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत होगा बदलाव

चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञ और यूआईडीएआई तय करेंगे रूपरेखा

कानूनी ढांचे के तहत होगी प्रक्रिया

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि वोटर आईडी को आधार से जोड़ने की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4), 23(5) और 23(6) के तहत होगी। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि आधार कार्ड सिर्फ पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। इसलिए नियम के अनुसार कार्रवाई होगी।

संविधान में आधार से जोड़ने का प्रावधान

संविधान में भी वोटर आईडी को आधार से जोड़ने का प्रावधान है। बताया जाता है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23, जिसे चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम, 2021 कहा जाता के मुताबिक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी मौजूदा या भावी मतदाताओं से स्वैच्छिक आधार पर पहचान स्थापित करने के लिए आधार संख्या प्रदान करने की मांग कर सकते हैं।

विपक्ष के आरोपों के बाद बुलाई गई थी बैठक

इन दिनों संसद के भीतर और बाहर जिस डुप्लीकेट वोटर कार्ड के नंबरों को लेकर जमकर बवाल हो रहा है। राजनीतिक दल इसके जरिये चुनाव आयोग की वैधता पर ही सवाल उठे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी यह मुद्दा उठाया था। चुनाव आयोग ने कहा था कि वह दशकों पुरानी डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र नंबरों की समस्या को अगले तीन महीने में हल कर लेगा।

राजनीतिक दलों से सुझाव मांगे

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पद संभालने के बाद चुनाव सुधारों को तेज कर दिया है। चुनाव आयोग आगामी चुनावों को ज्यादा पारदर्शी और समावेशी बनाने के लिए कई नए कदम उठा रहा है। चुनाव आयोग ने पहली बार राष्ट्रीय और राज्य स्तर की सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों से 30 अप्रैल 2025 तक सुझाव मांगे हैं। इसके अलावा, 31 मार्च 2025 तक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठकों का आयोजन किया जाएगा। इन बैठकों में राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों पर विचार किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ पेंशन निधि अधिनियम बनाने वाला देश का पहला राज्य

छत्तीसगढ़ ग्रोथ एंड स्टेबिलिटी फंड बनाने वाला देश का पहला राज्य

- वित्त मंत्री ओपी चौधरी के विभागों के लिए 12 हजार 389 करोड़ 29 लाख रुपए से अधिक अनुदान मांगें पारित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को वित्त, आवास एवं पर्यावरण एवं योजना, आर्थिक तथा सांख्यिकी विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 12 हजार 389 करोड़ 29 लाख रुपए से अधिक की अनुदान मांगें पारित की गई। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अनुदान मांगों की चर्चा का जवाब देते हुए कहा, वित्त विभाग के इस बजट में मुख्य रूप से शासकीय सेवकों को पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्ति हितलाभों, जैसे- पेंशन, परिवार पेंशन, पेंशन कम्यूटेशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, एनपीएस में नियोक्ता अंशदान आदि मदों का प्रावधान है। उन्होंने कहा, नवंबर 2004 से अप्रैल 2022 के मध्य नियुक्त शासकीय सेवकों ⏭शेष पेज 5 पर

ऋण की देयताओं के लिए संचित शोधन निधि का गठन

वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य शासन द्वारा भविष्य में बाजार ऋणों की देयताओं को ध्यान में रखते हुए संचित शोधन निधि का गठन किया गया है, जिसमें गत वर्ष के अवशेष ऋणों के 0.5 प्रतिशत प्रति वर्ष निवेश किया जाता है। साथ ही निधि में कुल अवशेष ऋणों का 5 प्रतिशत तक निवेश होना चाहिए। वर्तमान में इस निधि में कुल अवशेष ऋणों का 7.3 प्रतिशत से अधिक है। ऐसा करने वाला छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में है। उन्होंने कहा, हमने राज्य सरकार की गारंटी पर लिये जाने वाले ऋणों की अदेयता की स्थिति में उनका भुगतान सुनिश्चित करने हेतु गारंटी मोचन निधि में अब तक 500 करोड़ निवेशित किये हैं तथा इस बजट में भी 500 करोड़ का प्रावधान किया है।

नवा रायपुर में अटल स्मारक और संग्रहालय का निर्माण

वित्त मंत्री ओपी चौधरी अपने विभाग आवास एवं पर्यावरण विभाग के अनुदान मांग के चर्चा पर जवाब देते हुए कहा, नवा रायपुर अटल नगर को आधारभूत सुविधाओं का विस्तार एवं देश और दुनिया में पहचान स्थापित करना वर्तमान सरकार की प्राथमिकता है। नवा रायपुर अटल नगर क्षेत्र में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति, प्रदेश के कोने-कोने से शासकीय कार्य हेतु आने वाले लोगों के लिए परिवहन सुविधा, कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास जैसी जनसुविधा उपलब्ध कराने सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी की परिकल्पना थी। उनकी याद में हमारी सरकार ने नवा रायपुर में "अटल स्मारक और संग्रहालय" निर्माण का निर्णय लिया है।

कंटेनर से तस्करी, एक करोड़ का गांजा जब्त

- ओडिशा से उत्तरप्रदेश ले जाया जा रहा था 500 किलो गांजा
- कटघोरा थाना क्षेत्र के सुतर्रा-रापाखर्रा पुल के पास की थी घेराबंदी
- पूछताछ में कई लोगों के नाम सामने आने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ओडिशा से एक कंटेनर वाहन में लगभग 500 किलो गांजे की खेप भरकर उसे खपाने के लिए पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश ले जाया जा रहा था। पुलिस को जैसे ही गांजे की खेप ले जाने की सूचना मिली फिर क्या था पुलिस ⏭शेष पेज 5 पर

अंतरराज्यीय गिरोह का है हाथ

जिस तरह से कंटेनर वाहन में 500 किलो गांजे की खेप उड़ीसा से उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा था इससे साफ है कि इस गोरखधंधे में अंतरराज्यीय गिरोह का हाथ है। इससे पहले भी कटघोरा के रास्ते ही उत्तर प्रदेश गांजे की खेप को ले जाया जाता है। पूर्व में पुलिस ने ऐसे ही कई वाहनों को पकड़ने में सफलता भी हासिल की है।

नागपुर में हिंसा के बाद कर्फ्यू

तीन डीसीपी समेत 34 जवान घायल, 50 उपद्रवी गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के आयोजन के बाद औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। इस घटना में तीन डीसीपी समेत 34 पुलिसकर्मियों और 5-6 आम नागरिकों को चोट आई है। हिंसा के संबंध में 50 से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है और नागपुर के 11 इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

सीएम फडणवीस बोले- हिंसा पूर्व नियोजित

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया कि हिंसा पूर्व नियोजित थी। फडणवीस ने कहा कि फिल्म 'छावा' से लोगों की भावनाएं उमड़ी हैं, जिसमें संभाजी महाराज के खिलाफ औरंगजेब द्वारा किए गए क्रूर अत्याचारों को दर्शाया गया है।

शराबी केंद्राध्यक्ष का पांचवीं के परीक्षार्थी करते रहे इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुर

पांचवीं बोर्ड की परीक्षा के लिए केंद्र प्रभारी का परीक्षार्थियों को घंटे भर तक प्रश्न पत्र की खातिर इंतजार करना पड़ा। शराब के नशे में धुत हो जाने से यह शिक्षक अपने निवास के समीप ही गिर पड़ा था। शिक्षक शीतल राम नागदेव को बगीचा की प्राथमिक शाला कुकुटोली में पांचवीं बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्राध्यक्ष नियुक्त किया गया था। सोमवार को केंद्राध्यक्ष की अनुपस्थिति से यंहा बच्चों को प्रश्नपत्र के लिए घंटे भर तक खाली बैठे कर इंतजार करना पड़ा। इस मामले ⏭शेष पेज 5 पर

- प्राथमिक शाला कुकुटोली का मामला

बीईओ ने लिखी चिट्ठी

बगीचा बीईओ मनीराम यादव ने बताया कि उन्होंने लापरवाही बरतने वाले प्रधान पाठक के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करने के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा है। शराबी शिक्षक के विरुद्ध जल्दी ही कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टोरेट में वीडियो कांफ्रेसिंग जरिए प्रशासन के अधिकारियों व रेलवे सीनियर अफसरों के बीच मीटिंग

पीएम मोदी की सभा के दौरान रेलवे ट्रैक पर भी होगी सिक्यूरिटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा के दौरान मोहभट्ठा में रेलवे ट्रैक पर सिक्यूरिटी व रेल परिचालन को लेकर मंगलवार को कलेक्टोरेट में वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए प्रशासन के अधिकारियों के साथ रेलवे एवं आरपीएफ के सीनियर अफसरों के बीच मीटिंग हुई। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर उस दौरान ट्रेनों के आवागमन को लेकर सर्वे भी किया जा रहा है।

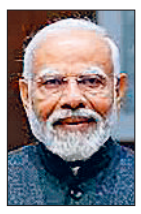

बिल्हा क्षेत्र के मोहभट्ठा के मैदान में 30 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा की तैयारी चल रही है। मोहभट्ठा के जिस जगह पर प्रधानमंत्री की सभा होनी है वहां पर बगल से रेलवे ट्रैक गुजरा है। इस ट्रैक पर ट्रेनों का आवागमन होते रहता है। इसलिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यक्रम दौरान रेलवे ट्रैक की सुरक्षा और ट्रेनों के परिचालन को लेकर आज शाम करीब पांच बजे कलेक्टोरेट में एक मीटिंग हुई। इसमें कलेक्टर अवनीश शरण, एसपी रजनेश सिंह समेत निगम कमिश्नर अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल एवं आरपीएफ के डीआईजी और रेलवे के अन्य सीनियर अफसर मौजूद रहे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यक्रम को लेकर यह एक मीटिंग थी, जिसमें रेलवे व आरपीएफ की ओर से प्रशासन को पूरी सहयोग करने का आश्वासन दिया गया है। सभास्थल के पास से जो रेलवे ट्रैक गुजरी है। वहां ट्रैक के दोनों तरफ रेलवे द्वारा बेरिकेड्स लगाए जाएंगे।

ट्रैक के दोनों तरफ लगाए जा रहे बेरिकेड्स

प्रधानमंत्री का 30 मार्च को बिलासपुर मोहभट्ठा आगमन होना है। इसलिए कार्यक्रम स्थल के बगल से रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों के आवागमन सहित सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रेलवे के सीनियर अफसरों के साथ मीटिंग हुई है। रेलवे की ओर से वहां ट्रैक के दोनों तरफ बेरिकेड्स लगाए जा रहे है ताकि हितग्राहियों को भी वहां आने में असुविधा न होने पाएं।

- अवनीश शरण, कलेक्टर

नौकरी के बदले जमीन घोटाला, ईडी के समक्ष पेश हुईं राबड़ी देवी

जिनसे नौकरी के बदले जमीन ली उन्हें कैसे जानती हैं...

एजेंसी ⏭ पटना

चर्चित 'नौकरी के बदले जमीन' मामले में लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी कथित 'नौकरी के बदले जमीन' घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश हुईं। प्रवर्तन निदेशालय ने राबड़ी देवी से कई तीखे सवाल पूछे हैं। ईडी ने राबड़ी देवी से पूछा है कि जिन्हें जमीन के बदले नौकरी दी गई उन्हें वो कैसे जानती हैं? ईडी की पटना टीम द्वारा पूर्व सीएम राबड़ी देवी और पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव से अलग-अलग कैमरे में पूछताछ हुई है।

लालू को भी किया तलब

ईडी ने राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद तथा उनके बेटे तेज प्रताप यादव को भी पूछताछ के लिए तलब किया है। तेज प्रताप यादव को भी मंगलवार को पेश होने के लिए कहा गया था। सूत्रों ने बताया कि हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि विधायक एजेंसी के समक्ष पेश होंगे या नहीं क्योंकि बिहार विधानसभा का सत्र जारी है।

नौकरी के बदले जमीन घोटाला: यह मामला 2004-2009 के दौरान रेलवे में समूह 'डी' नियुक्तियों से संबंधित है। उस समय लालू यादव संप्रग सरकार में रेल मंत्री थे। ईडी ने पहले एक बयान में कहा था कि सीबीआई की प्राथमिकी के अनुसार अभ्यर्थियों को रेलवे में नौकरी के बदले में 'रिश्वत के तौर पर जमीन हस्तांतरित करने' के लिए कहा गया था।

ईडी ने पूछे ये सवाल

सवाल 1- आपके नाम से जो जमीन है वो आपने कैसे अर्जित की

सवाल 2- आप जिन लोगों से नौकरी के बदले जमीन लिया गया, उनको कैसे जानती हैं

सवाल 3- आप उन लोगो से पहली बार कब मिली

सवाल 4- उन लोगो को नौकरी देने के लिए आपने पैरवी किया तो क्यों किया

सवाल 5- आपके बेटे तेजस्वी यादव ने जो दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में बंगला खरीदा उसके बारे में आप क्या जानती है

सवाल 6- पटना के सगुना स्थित अपार्टमेंट की जमीन कब कैसे और कितने में आपने खरीदा

सवाल 7- अपार्टमेंट का निर्माण कब शुरू हुआ, निर्माण में लगी राशि का स्रोत क्या था

चिंतन

आखिर कब तक भड़कती रहेगी सांप्रदायिक हिंसा?

मानवता के मार्ग में हिंसा की कोई जगह नहीं है। राष्ट्र के सामाजिक विकास में कोई भी विभाजनकारी तत्व अवरोधक है। नागपुर में सांप्रदायिक हिंसा भारत की वसुधैव कुटुंबकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः, अहिंसा परमो धर्मः, संवैधानिक सहिष्णुता छवि को दागदार बनाती है। सांप्रदायिकता और जातीयता की बुनियाद पर कोई भी राजनीति प्रगतिवादी नहीं हो सकती है। अगर एक अफवाह पर सांप्रदायिक हिंसा भड़कती है, तो यह किसी भी समाज, राष्ट्र के लिए खतरे की घंटी है। ऐसे संगठन, लोग किसी भी राज्य, देश के लिए हितकारी नहीं हो सकते, जिनके लक्ष्य विभाजनकारी हैं। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम, एक फिल्म से या किसी अफवाह से अपना विवेक खो देते हैं, तो ऐसे लोग कम से कम अपने धर्म को नहीं समझते। कोई भी धर्म हिंसा की शिक्षा नहीं देता। भारत की सभ्यता विश्व की सबसे पुरानी है। भारतीय संस्कृति पांच हजार वर्ष पुरानी है। इसकी बुनियाद बहुत मजबूत है। भारत ने अतीत में विभिन्न तरह की कड़वाहट को झेला है। विदेशी मुस्लिम आक्रांता आए, इस्लाम लेकर आए, शासन किया। व्यापारी बनकर अंग्रेज आए, शासक बन गए, ईसाइयत का प्रचार किया, भारत का जी भरकर दोहन किया। लेकिन करीब नौ सौ वर्ष के काल में सनातन कभी कमजोर नहीं हुआ। सनातन व इसकी सांस्कृतिकता की छवि को विभ्रमित करने की सचेष्ट कोशिश जरूर हुई, लेकिन कभी किसी को सफलता नहीं मिली। भारत का राजनीतिक अतीत रक्तरंजित है, विवादों से भरा हुआ है, महिमामंडित है और गलत-सही तथ्यों से शब्दित है। इसलिए अतीत की कब्र खोदने से हमें निराशा ही मिलेगी। कोई भी अतीत वर्तमान के न्याय का आधार नहीं हो सकता। भारत हमेशा भविष्योन्मुखी देश व समाज रहा है, जहां सभी वर्ग, वर्ण, धर्म के लोगों ने जगह पाई है। भिन्नता, बहुलता, बहुसांस्कृतिकता, बहुधर्मिता, बहुजातीयता भारत की खूबी भी हैं और ताकत भी हैं। सांप्रदायिकता और जातीयता की राजनीति से अगर भारत की इस खूबी व ताकत को कमजोर करने की कोशिश होगी तो अंततः राष्ट्र ही कमजोर होगा। यूरोप ने अतीत में काफी हिंसा देखी, विश्व के अनेक हिस्सों में अतीत में अनेक हिंसक घटनाएं हुई हैं, सभी ने सबक सीखा, खुद को सभ्य बनाने की राह चुनी। आजादी के वक्त से ही भारत ने अनेक सांप्रदायिक व जातीय हिंसा को झेला है, तो क्या अब भारत सबक नहीं सीखेगा। धर्म के नाम पर लड़ाई होती रहेगा, खून बहता रहेगा, आखिर मानवता की स्थापना कब होगी? कौन करेगा, जब राजनीति चमकाने के लिए चंद लोग अतीत की कब्र खोदने में लगे हुए हैं। विश्व के श्रेष्ठ संविधान वाले देश भारत अपने संवैधानिक समानता, एकता, अखंडता, समरसता के लक्ष्यों को साकार कब करेगा? एक अफवाह भर से अगर हिंसा फैलती है, तो क्या लोग तलवार व भाले लेकर हमेशा बैठे रहते हैं? क्या हम इतने खून के प्यासे हो गए हैं? हम इतने आक्रोशित क्यों हैं? हमारी राजनीति देश को किस अंधकार में धकेल रही है? नागपुर की सांप्रदायिक हिंसा देश में पहली घटना नहीं है, देश में ऐसी हजारों घटनाएं हुई हैं, लाखों जानें गई हैं। बुद्ध, महावीर, नानक, कबीर, गांधी के देश में सांप्रदायिक आग क्यों भड़क रही है? क्या हम विभाजनकारी बुनियाद पर विकसित भारत बनाएंगे? सरकार को नागपुर हिंसा की जांच करनी चाहिए, दोषियों को कानून के कटघरे तक पहुंचानी चाहिए। किसी भी संगठन, गुट व लोग को समाज को सांप्रदायिक आग में झोंकने का हक नहीं मिलना चाहिए, इनके प्रति सरकार को कठोर होना चाहिए।

विश्लेषण

डॉ. एल.एस. यादव

तेज हुआ बलूच आजादी आंदोलन

भारत में आतंक फैलाकर निर्दोष लोगों की जान लेने वाले पाकिस्तान में आतंकवाद फैल गया है और आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में इन दिनों बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), बलूच लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और बलूच रिपब्लिकन गाडर्स (बीआरजी) ने मिलकर पाकिस्तान व वहां तैनात चीनी सेना के जवानों की नाक में दम कर रखा है। इन संगठनों ने मिलकर 'बलोच नेशनल फ्रीडम मूवमेंट' चला रखा है अर्थात बलूचिस्तान की आजादी की लड़ाई एक साथ मिलकर लड़ना है। इन संगठनों ने इसी माह की शुरुआत में ही अपनी एकता कायम करते हुए निर्णय लिया था कि हमें पाकिस्तान के साथ-साथ चीन से अपने संसाधनों के शोषण को रोकना है और इसके लिए दोनों के खिलाफ अपने अभियानों को ज्यादा तेज करना होगा।

जो दूसरों के लिए बुरा करता है उसके साथ भी कोई न कोई बुरा करता है। यह कहावत पाकिस्तान पर आजकल सही दिख रही है। भारत में आतंक फैलाकर निर्दोष लोगों की जान लेने वाले पाकिस्तान में आतंकवाद फैल गया है और आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में इन दिनों बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), बलूच लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और बलूच रिपब्लिकन गाडर्स (बीआरजी) ने मिलकर पाकिस्तान व वहां तैनात चीनी सेना के जवानों की नाक में दम कर रखा है। इन संगठनों ने मिलकर 'बलोच नेशनल फ्रीडम मूवमेंट' चला रखा है अर्थात बलूचिस्तान की आजादी की लड़ाई एक साथ मिलकर लड़ना है। इन संगठनों ने इसी माह की शुरुआत में ही अपनी एकता कायम करते हुए यह निर्णय लिया था कि हमें पाकिस्तान के साथ-साथ चीन से अपने संसाधनों के शोषण को रोकना है और इसके लिए दोनों के खिलाफ अपने अभियानों को ज्यादा तेज करना होगा।

इसके कुछ दिन बाद ही 11 मार्च को बलूचिस्तान के कच्छ जिले के आब-ए-गम इलाके के पास सुरंग में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर कुछ बंदूकधारियों ने हमला करके गोलीबारी की और उसे अपने कब्जे में ले लिया। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली और दावा किया कि उनकी गोलीबारी में 30 लोग मारे गए तथा 214 यात्रियों को बंधक बना लिया है। यह ट्रेन क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी। इसमें तकरीबन 500 यात्री सवार थे। इस रेल लाइन पर 17 सुरंगें हैं और रास्ता कठिन होने के कारण रेल की गति धीमी रहती है। इसी का फायदा बलूच लिबरेशन आर्मी ने उठाया। इस घटना के बारे में बलूचिस्तान की सरकार ने बताया कि 80 यात्रियों को बचा लिया गया है जिनमें 43 पुरुष, 26 महिलाएं व 11 बच्चे हैं। इसके अलावा सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 13 हमलावर मारे गए। पाकिस्तान इस घटना के बाद से दूसरे देशों पर आरोप मढ़ने में जुटा हुआ है।

13 मार्च को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत पाकिस्तान में आतंकवाद में शामिल रहा है। जाफर एक्सप्रेस पर हमले के समय आतंकी अपने हैंडलर्स और अफगानिस्तान में रिंग लीडर्स के संपर्क में थे। इन आरोपों को बेतुका बताते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को सख्ती से खारिज करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केन्द्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपना आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उल्लेखनीय है पाकिस्तान सरकार और सेना इस घटनाक्रम में बलूच विद्रोहियों से निपटने में नाकामयाब दिखी है।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दावा किया उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करने वाले 33 बीएलए विद्रोहियों को खत्म कर दिया है लेकिन सफल ऑपरेशन की कोई तस्वीर तक जारी नहीं की। अभी जाफर एक्सप्रेस की घटना से पाकिस्तानी सेना उबर भी नहीं पाई थी कि बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के विद्रोहियों ने 16 मार्च को बलूचिस्तान प्रान्त के नोशकी जिले में

पाकिस्तानी सेना के काफिले पर अचानक हमला करके बड़ी संख्या में सैनिकों को मार दिया। यह काफिला क्वेटा से कफ्तान जा रहा था। बीएलए के दावे के मुताबिक 90 सैनिकों को मार दिया गया। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो भी जारी किया है। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तानी पुलिस ने हमले में तीन सैनिकों व दो नागरिकों के मारे जाने तथा 30 जवानों के घायल होने की पुष्टि की है। बीएलए के द्वारा जारी बयान में कहा गया कि उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड ने नोशकी में रखशन मिल के पास पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस काफिले में आठ बसें थीं जिसमें एक बस पूरी तरह ध्वस्त हो गई।

दूसरी बस को फतेह ब्रिगेड ने घेर लिया और उसके सभी जवानों को मार दिया। दरअसल बलूच अपनी आजादी के लिए अभियान चलाये हुए हैं। सन् 1947 से पहले ही भारत व पाकिस्तान की तरह बलूचिस्तान में भी आजादी की मांग तेज हो गई थी। 4 अगस्त 1947 को दिल्ली में हुई मीटिंग में माउंटबैटन के साथ कलात के वकील के रूप में मोहम्मद अली जिन्ना थे जिन्होंने कलात, खरान, लास बेला व मकरान को मिलाकर बलूचिस्तान बनाने का सुझाव दिया था। बाद में जिन्ना इससे पलट गए लेकिन कलात के खान ने 12 सितम्बर 1947 को बलूचिस्तान को आजाद देश घोषित कर दिया। 26 मार्च 1948 को पाकिस्तानी सेना वहां घुस गई और इसे अपने आधिपत्य में ले लिया।

इसके बाद सन् 2000 तक बलूचियों ने चार बार पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विद्रोह किया लेकिन हर बार इसे दबा दिया गया। सन् 2005 में अकबर बुगती के नेतृत्व में पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह तेज हो गया। 26 अगस्त 2006 को बुगती व उनके साथियों की हत्या कर दी गई। बुगती के बाद बलूच लीडर गिरी को भी मार दिया गया। इसके बाद 2009 से वहां के लोगों को गुप्त रूप से निशाना बनाना शुरू किया गया। तब से अब तक बड़ी संख्या में बलूचों को या तो मार दिया गया या फिर उन्हें गायब कर दिया गया। बलूच विद्रोहियों की शुरू से यही मांग रही है कि पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान को खाली कर दे। उनके सभी नेताओं को बिना शर्त रिहा कर दिया जाए। इसके अलावा बलूचिस्तान में चल रहे चीन के सभी प्रोजेक्ट बंद कर दिए जाएं। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रान्त है। यह पाकिस्तान के राजस्व का प्रमुख स्रोत है। इस इलाके में गैस, यूरेनियम, सोना, तांबा व अन्य धातुओं के विशाल भंडार हैं। आधे पाकिस्तान की गैस आपूर्ति यहीं से होती है। बलूचिस्तान के लोग इसे अपने संसाधनों की लूट बताते हैं।

बलूचिस्तान, चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर का प्रमुख हिस्सा है जो बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का एक भाग है। बलूचिस्तान में ही ग्वादर बंदरगाह है जिसका विकास चीन के हाथों में है। चीन अपने शिनजियांग से ग्वादर को जोड़ने के लिए अब तक 46 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। चीन की इस घुसपैठ से बलूच नाराज हैं और विरोध में आन्दोलन चला रहे हैं। उपर्युक्त विवेचन यह स्पष्ट करता है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान के हाथ से निकलने वाला है। पाकिस्तान की सैन्य ताकत की पोल पिछले कुछ वर्षों से लगातार खुलती चली आ रही है और सुरक्षा बलों की स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। पाकिस्तान के लिए वर्ष 2009 सबसे खराब रहा था जब उसके 1012 सुरक्षा कर्मी मारे गए थे। साल 2012 में 734 तथा वर्ष 2024 में 754 सुरक्षा कर्मी मारे गए। चालू वर्ष 2025 के शुरुआती दो महीनों में सुरक्षा बलों के जवानों के मारे जाने की संख्या में 134 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है और 222 सुरक्षा कर्मी मारे जा चुके हैं। यह औसत इस वर्ष सारे रिकार्ड तोड़ सकता है।

(लेखक सैन्य विज्ञान के प्राध्यापक रहे हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

विमर्श

राधा रमण

राजनीति में अपराधीकरण पर रोक लगे

वैसे तो देश की राजनीति में 1957 के चुनाव में ही बूथ कैप्चरिंग की पहली वारदात बिहार के मुंगेर जिला (अब बेगुसराय जिला) के मटिहानी विधानसभा चुनाव में हो गई थी। उस समय दबंगों ने जबरदस्ती बूथ पर कब्जा कर अपने पक्ष में लोगों के वोट डलवा लिए थे। हालांकि उस काले अध्याय की चर्चा आज तक होती है। बाद के दिनों में बूथ कैप्चरिंग की वारदातें लगातार बढ़ती गईं। राजनीति जिसकी लाठी, उसकी भैंस सरीखी हो गई। राजनीति में अपराधियों के पदार्पण की मूल वजह भी यही है। वरना आजादी के बाद की राजनीति इतनी खराब नहीं थी। सियासत के क्षेत्र में अच्छे लोग सक्रिय थे जो समाज का भला-बुरा सोचते थे। किसान नेता, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह अक्सर कहा करते थे कि बेटी की शादी अगर गलत घर में हो जाए तो परिवार बर्बाद हो जाता है, लेकिन वोट अगर गलत व्यक्ति को मिल जाता है तो समाज खराब हो जाता है। क्या आज की राजनीति को आप अच्छी और आज के समाज को आप अच्छा समाज कहना चाहेंगे? पिछले करीब चार दशक से राजनीति के अपराधीकरण को लेकर सभी दलों के नेता हो-हल्ला मचाते रहे हैं। संसद और विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में भे यह मसला सिर चढ़कर बोलता रहा है। लेकिन सही बात तो यह है कि नेता खुद भी नहीं चाहते कि राजनीति साफ-सुथरी हो। राजनीति को समाज सेवा का दर्जा दिया गया है लेकिन आजादी के बाद से हमारे समाज सेवकों की सम्पत्ति में अकूत वृद्धि हुई है। अगर, मेरी बात पर भरोसा न हो तो सरकार किसी न्यायिक आयोग से सभी नेताओं की जो किसी सदन के सदस्य रहे हों, उनकी सम्पत्ति की जांच क्यों नहीं करा लेती। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। एक बार विधायक या सांसद क्या बन गए, नेताओं की सम्पत्ति रॉकेट की रफ्तार से बढ़ जाती है। मंत्रियों का तो कहना ही क्या! हद तो यह कि समाज सेवा के नाम पर उन्हें टैक्स में छूट भी मिलती है। और तो और, सांसद-विधायक जब चाहते हैं अपनी तनख्वाह में मनमानी वृद्धि कर लेते हैं। आज तक इस मामले में किसी सदन में कभी विरोध की बात नहीं देखी-सुनी गई। गजब तो यह कि यदि कोई व्यक्ति लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद् चारों सदनों का सदस्य रहा हो तो किसी सदन की सदस्यता नहीं रहने पर वह चारों सदनों के एक साथ पेंशन का हकदार हो जाता है। जबकि निजी सेक्टर में काम करने वाले और जीवन खपाने वाले लोग बुढ़ापे में पाई-पाई के मोहताज हो जाते हैं। आज भी लालू प्रसाद और आनन्द मोहन जैसे न जाने कितने लोग सजायाफ्ता होने के बावजूद प्रतिमाह लाखों रुपये पेंशन के ले रहे हैं। मुझे कहने दीजिए कि इस मामले में राजनीतिक दलों में गजब की एकता है -'हमाम में सभी नंगे हैं' की उक्ति चरितार्थ होती है। हाल ही में सजायाफ्ता सांसदों-विधायकों समेत अन्य नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने संबंधी जनहित याचिका पर केन्द्र सरकार द्वारा दिया गया हलफनामा गौर करने लायक है। याचिका भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की थी। इस पर सरकार का कहना है कि 'याचिका में जो अनुरोध किया गया है वह संविधान को फिर से लिखने या संसद को एक विशेष तरीके से क़ानून बनाने का आदेश देने के समान है, जो न्यायिक समीक्षा संबंधी उच्चतम न्यायालय की शक्तियों से पूरी तरह परे है। इस तरह की योग्यता तय करना केवल संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।'सरकार द्वारा शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे में कहा गया है कि आजीवन प्रतिबंध लगाना उपयुक्त होगा या नहीं, यह पूरी तरह संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। दंड के क्रियान्वयन को एक उपयुक्त समय तक सीमित कर, रोकथाम सुनिश्चित की गई है और अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचा गया है। सरकार ने कहा कि यह क़ानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार निर्धारित होते हैं। सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि 'अदालत ने निरंतर यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प की प्रभावकारिता को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता।' जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 (1) के तहत, अयोग्यता की अवधि दोषसिद्धि की तारिख से छह साल या कारावास के मामले में रिहाई की तारीख से छह साल तक है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 11 के तहत चुनाव आयोग के पास ताकत है कि वह किसी मामले में इस अवधि को कम या पूरी तरह हटा सकता है। धारा 8 कहती है कि किसी विधायक या सांसद को दो साल या उससे अधिक की सजा होती है तो वह सजा पूरी करने के बाद छह साल तक चुनाव नहीं लड़ सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ईश्वर अनायास ही करते हैं हमारा कल्याण

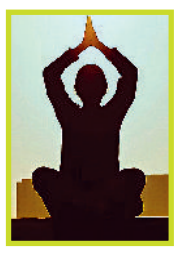

संकलित

दर्शन

मनुष्य जब कुछ चाहता है, तो उसे अभाव का अनुभव होता है; परंतु उस अभाव की पूर्ति किस वस्तु से होगी, वह इसे नहीं जानता। बस, उसे विश्वास होता है कि जिस वस्तु से मेरे अभाव की पूर्ति होगी, उसको भगवान जानते हैं और इसलिए वह उस अज्ञात वस्तु के लिए भगवान पर निर्भर करता है। जैसे छोटा शिशु बिस्तर पर पड़ा रोता है, उसे कोई कष्ट है- जाड़ा लग रहा है, मच्छर काट रहे हैं या और कोई पीड़ा है। वह यह नहीं जानता कि किस वस्तु की प्राप्ति होने पर मेरा संकट दूर होगा- वह केवल मां को जानता है और रोकर मां को बुलाता है। मां आकर स्वयं पता लगाती है कि बच्चा क्यों रो रहा है और पता लगाकर स्वयं उसके कष्ट निवारण का उपाय करती है। इसी प्रकार इस अवस्था में भक्त अपने लिए उपयोगी अज्ञात फल के लिए भगवान पर निर्भर करता है और उन्हीं की कृपा से कल्याणकारी फल को प्राप्त करके संतुष्ट होता है। इसमें फलरूप वस्तु का निर्णय भगवान करते हैं, इस दृष्टि से निर्भरता का यह स्तर ऊंचा होने पर भी सकाम भाव होने के कारण यह भी वस्तुत आंशिक ही है। इसके बाद उन भक्तों की बात है, जो केवल भगवान को ही प्राप्त करना चाहते हैं और उसके लिए भगवान पर ही निर्भर करते हैं। इनके लिए भी बिल्ली के बच्चे और छोटे शिशु के उदाहरण दे सकते हैं। ये केवल चिंतन परायण रहते हैं, उसका फल भगवान की प्राप्ति कब होगी, क्यों कर होगी? इस बात को भगवान पर ही छोड़ देते हैं, और वास्तव में यों सब कुछ भगवान पर छोड़ने वाले बड़े लाभ में ही रहते हैं।

अच्छी बातों से मिलता है लाभ

संकलित

प्रेरणा

महात्मा बुद्ध का प्रवचन सुनने एक युवक प्रतिदिन आता था। कई दिनों तक प्रवचन सुनने के बाद युवक को लगा कि वह लगातार प्रवचन सुनने आ रहा है लेकिन इसके बावजूद उसके जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आ रहा है। जैसा वह पहले था, वैसा ही वह अब है। इसका क्या कारण है। बहुत सोचने के बाद वह इस नतीजे पर पहुंचा कि उसे इस संबंध में बुद्ध से चर्चा करनी चाहिए। यह सब सोचकर वह युवक अगले दिन बुद्ध के पास गया और अपनी शंका के बारे में बताते हुए कहा कि वह रोज उनके प्रवचन सुनने आता है लेकिन इसके बावजूद उसके जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आया है। आखिर इसका क्या कारण है कि उसे उनके प्रवचनों को कोई लाभ क्यों नहीं मिल रहा है। तथागत उस युवक की बात बहुत शांत भाव से सुनते रहे। जब वह युवक अपनी बात कह कर चुप हुआ तो बुद्ध कुछ क्षण मौन रहे। फिर उन्होंने मुस्कराते हुए उस युवक से पूछा कि वह कहां रहता है? युवक ने कहा कि वह श्रावस्ती रहता है। उसका जवाब सुनकर तथागत ने फिर पूछा कि वह यहां आता कैसे है? युवक ने कहा कि वह कभी पैदल आता है तो कभी उसे किसी सवारी का साधन मिल जाता है, जिसके सहारे वह यहां तक पहुंच जाता है। बुद्ध ने फिर उस युवक से पूछा कि वह यहां से अपने घर जाता कैसे है? युवक ने बुद्ध से कहा कि जैसे वह यहां आता है, उसी प्रकार वह यहां से जाता है। बुद्ध ने मुस्कराते हुए उस युवक से पूछा कि क्या वह यहां बैठे-बैठे अपने घर नहीं जा सकता?

अंतर्मन

आज की पाती

नालियां जाम, मच्छर बढ़े

सेजबहार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सफाई व्यवस्था चरमा गई है। छोड़ी सी कालोनी और समस्याएं ढेर सारी हैं। समिति के जिम्मे साफ-सफाई और मैंटेनेंस का जिम्मा है। पहले हाउसिंग बोर्ड के जिम्मे होता था, तो महीने में हर गली की सफाई हो जाती है। अब शुल्क लेने के बाद भी साल में एक या दो बार गालियों की सफाई होती है। ऐसे में गालियां जाम हैं और पानी का जमाव होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। जब तक कोई शिकायत न हो, लोग हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं।

– राजेंद्र कुमार, सेजबहार

ट्रेंड

दिल्ली का विकास

हमारा एक ही लक्ष्य है- दिल्ली की प्रगति, समृद्धि और विकास। इस सदन का उपयोग करते हुए हम पक्ष -विपक्ष को साथ लेकर चलेंगे। सभी का सहयोग लेते हुए सकारात्मक माहौल में चर्चा करेंगे और दिल्ली का विकास व प्रगति सुनिश्चित करेंगे।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

अराजक तत्वों पर कार्रवाई

महाराष्ट्र में किसी की भी कब्र व मजार आदि को क्षति पहुंचाना ठीक नहीं, क्योंकि इससे आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द आदि बिगड़ रहा है। सरकार ऐसे मामलों में खासकर नागपुर के अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे वरना हालात काफी बिगड़ सकते हैं, जो ठीक नहीं।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

ओबीसी आरक्षण बढ़ाया

कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने का वादा पूरा कर दिया है। सामाजिक न्याय की दिशा में यह वाकई एक क्रांतिकारी कदम है। तेलंगाना ने रास्ता दिखा दिया है, यही पूरे देश की जरूरत है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

अडोलसीन्स सीरीज

नेटफलिक्स की अडोलसीन्स एक ऐसी सीरीज है जो वास्तव में महान हो सकती है। यह आपको पात्रों के दिमाग में गहराई से डुबो देती है और आपको खुद पर चिंतन करने का मौका देती है।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

यूरोप में 1997 के बाद से खसरे का सबसे बुरा प्रकोप

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक नयी रिपोर्ट के अनुसार, 1997 के बाद से यूरोप में खसरे के मामलों की संख्या सबसे अधिक है। साल 2024 में 127,350 मामले थे – जो 2023 की तुलना में लगभग दोगुना है। यूरोप के लिए डब्ल्यूएचओ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हंस हेनरी पी. क्लुगे ने कहा, /"खसरा वापस आ गया है और यह एक चेतावनी है। उच्च टीकाकरण दरों के बिना, कोई स्वास्थ्य सुरक्षा नहीं है। पिछले साल खसरे से 38 मौतें हुई थीं। इसका संक्रमण कोविड की तरह ही फैलता है। इसके संक्रमण के कारण हल्के मामलों में शरीर पर दाने आते हैं और बुखार होता है, जबकि गंभीर मामलों में इन्सेफलाइटिस (मस्तिष्क की सूजन), निमोनिया और अंधापन होता है। अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु की आशंका मुख्य रूप से उन लोगों में होती है, जिन्होंने टीके नहीं लिये हैं, तथा विकसित देशों में खसरे के मामलों में मृत्यु दर लगभग 1,000 में से एक से लेकर 5,000 में से एक तक होती है। खसरे से संक्रमित प्रत्येक व्यक्ति औसतन 12 से 18 अन्य लोगों में वायरस फैला सकता है। यह कोविड से ज़्यादा संक्रामक है। उदाहरण के लिए, कोविड के ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित व्यक्ति वायरस को लगभग आठ अन्य लोगों में फैला सकता है।

ऑफ बीट

मातृ मृत्यु दर 33 अंक घटकर 2018-20 में 97 हो गई

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यसभा को बताया कि भारत ने 2020 तक मातृ मृत्यु अनुपात को घटाकर, प्रति लाख जीवित जन्म पर 100 करने का राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 का लक्ष्य हासिल कर लिया है और 2030 तक इसे 70 करने के एसडीजी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। उच्च सदन को एक प्रश्न के उत्तर में नड्डा ने बताया कि भारत के महा पंजीयक (आरजीआई) द्वारा जारी नमूना पंजीकरण प्रणाली के अनुसार, देश का वर्तमान मातृ मृत्यु अनुपात प्रति लाख जीवित जन्म पर 97 है। उन्होंने कहा कि एमएमआर 2014-16 में 130 था जो 2018-20 में 97 हो गया। इस प्रकार एमएमआर में 33 अंकों की उल्लेखनीय गिरावट आई है। नड्डा ने कहा, भारत ने 2020 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के,प्रति लाख जीवित जन्मों पर 100 एमएमआर का लक्ष्य हासिल कर लिया है और 2030 तक एमएमआर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 70 का एसडीजी लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भारत में एमएमआर में 83 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर इसमें 42 प्रतिशत की कमी आई है। इसी तरह, भारत में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) में 75 प्रतिशत की कमी आई है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

ऐतिहासिक
राम कुमार बेहार

संघर्षों से भरा रहा मधुरांतक देव का शासन काल

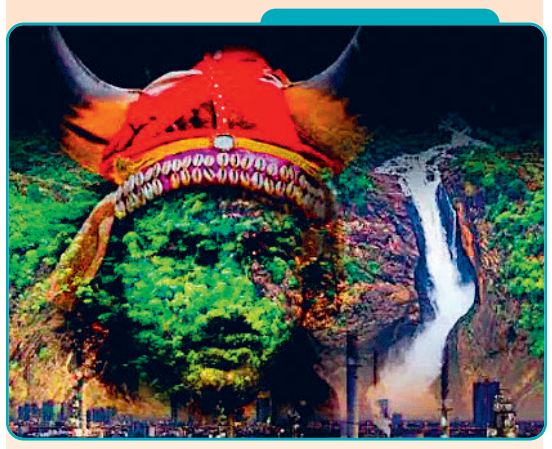

10 60 ई के बाद मधुरांतक देव का शासन काल प्रारम्भ होता है। उसके कुल का लांछन धनुर्व्याघ्र था। उनके ध्वज में ऐरावत के पीछे कमल तथा कदली पत्र अंकित था जो यह दर्शाता है कि वह मूल नागों से पृथक वंश का नाम नृपति था। चक्रकोट तथा भ्रमर कोट बस्तर अंचल में दो मुख्य मंडल हैं। इनमें से भ्रमरकोट मंडल का ही मधुरांतक देव मांडलिक था। मधुरांतक ने धारावर्ष को युद्ध में हरा कर संभवतः राजसत्ता प्राप्त की थी। सोमेश्वर प्रथम ने मधुरांतक को परास्त के बाद उसकी हत्या कर बस्तर अंचल के दोनों मंडलों पर अधिकार स्थापित किया, चक्रकूट नगर को राजधानी बना कर शासन किया। मधुरांतक को राजपुर ताम्र पत्र में भ्रमरकोटच्य का राजा कहा गया है। उसकी विरुदावली बड़ी थी, भोगवती पूर्वेश्वर उसकी विरुदावली थी। मधुरांतक ने नाग साम्राज्य को स्थापित करने के लिए 1065 ई पूर्व अनेक युद्ध किए। यह युद्ध कोरापुट और कालाहांडी क्षेत्र में संभावित हुए। राजा सोमेश्वर ने युद्ध में महाबली मधुरांतक का वध किया।

सुरता
सुधीर सक्सेना

साहसी और दूरदर्शी थे धुर्वाराव

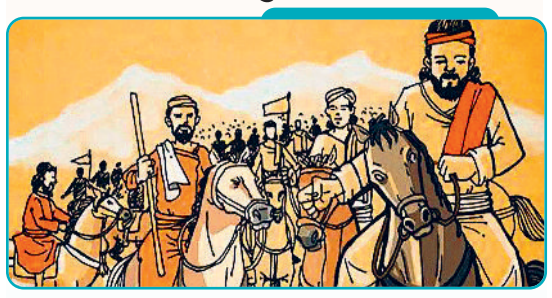

अंग्रेजों के शासन काल में भैरम देव तो खुल कर सामने नहीं आ सके किन्तु धुर्वाराव के नेतृत्व में उसके तालुक की जनता ने अंग्रेजी सरकार के प्रति विद्रोह कर दिया। इलियट (1856) के हवाले से ज्ञात होता है कि आदिवासियों ने गांवों को लूटना प्रारंभ कर दिया। माल से लदी बैलगाड़ियों को अपने अधीन कर लिया। दक्षिण बस्तर में इलियट की सेना तथा तेलंगा माडियों के बीच अनेक संघर्ष हुए। माडिया अपनी सैनिक गतिविधियों के लिए पहाड़ियों को ही केंद्र बनाए हुए थे। वे पूरी तरह छापामार युद्ध का अभ्यास करते और अंग्रेजों से संबंध रखने वाले लोगों पर घात लगाकर हमला करते। सबसे महत्वपूर्ण संघर्ष 3 मार्च सन 1856 को चिंतलनार में हुआ। अपने तीन हजार साथियों के साथ धुर्वाराव चिंतलनार की पहाड़ियों पर घात लगाकर बैठ गया और वहां से प्रातः आठ बजे गुजरने वाली सेना पर टूट पड़ा। घात प्रतिघात की स्थिति सांयकाल साढ़े तीन बजे तक चलती रही। ब्रिटिश अधिकारियों के अनुसार आदिवासियों ने यहां कड़ा मुकाबला किया था। विद्रोह को दबाने के लिए भोपालपट्टनम का जमींदार अंग्रेजी सेना के साथ था। वह घायल हो गया। भोपालपट्टनम का एक सरकारी कर्मचारी मारा गया। 460 माडिया महिलाओं तथा बच्चों को बंदी बना लिया गया, जिनमें धुर्वाराव के पत्नी और बच्चे भी थे। धुर्वाराव को पकड़ कर फांसी दे दी गई। उसके तालुका को छीनकर इसे पुरस्कार स्वरूप भोपालपट्टनम के जमींदार को दे दिया गया। धुर्वाराव को फांसी हो जाने के बाद ब्रिटिश सरकार ने लिंगागिरी परगना भोपालपटनम के जमींदार यादोराव के पिता के सुपुर्द कर दिया गया, क्योंकि विद्रोह दबाने में यादो राव के पिता का महत्वपूर्ण योगदान था।

लोक नृत्य
विजय चौरसिया

ताली बजाए जाते हैं तपाड़ी नृत्य में

छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचलों में तपाड़ी नृत्य केवल महिलाओं द्वारा किया जाता है। इनकी तीन रचनाएं होती हैं। पहले में युवतियां आमने सामने दो कतारों में खड़ी होती हैं। इसमें एक दूसरे का हाथ नहीं पकड़ा जाता वरन आगे की ओर झुक कर हाथ में तालियां बजाई जाती हैं। इसमें पद निक्षेप के बाद थोड़ा विराम दिया जाता है। दूसरे में पहले के थोड़ी देर बाद एक कतार की युवतियां दूसरी ओर पीठ कर लेती हैं और घुटनों पर झुककर बाहों को लहराते हुए जोर शोर से तालियां बजाती हैं। तीसरी ओर अंतिम रचना में दोनों कतारें मिल कर एक बड़ा घेरा बनाती हैं। सभी का चेहरा घेरे के अंदर की ओर रहता है और सभी नीचे की ओर झुक कर हाथों से तालियां बजाती हैं। इस नृत्य में मांदर का उपयोग नहीं होता, युवतियां सिर्फ थपेड़िया बजाती हैं। इसलिए इसका नाम तपाड़ी नृत्य पड़ा।

हमर देहात क्षेत्र म चुल्हा म आगी बारे बर छेना कस खरसी के उपयोग करे जाथय। येकर आँच बड़ रगरग-रगरग करथय। ये बड़ सस्ता अउ सुलभ चीज आय। जिंकर घर गरुवा नइ राहय, तहुँहर बाहिर ले बिनके ले आथँय। खरसी ले गरीब-ले-गरीब मनखे के चुल्हा जलथय। गोरसी भरे म घलो ये काम आथय।

आवव जानन हमर महत्वपूर्ण जिनीस खरसी

परहित सरिस धरम नहिं भाई।
पर पीड़ा सम नहीं अधमाई।₹

गोस्वामी तुलसीदास जी के दू डाँड़ म सांसारिक जीवन-कल्याण के सार तत्व अउ गूढ़ रहस्य समाय हे। दिगर के भलाई ले मनखेपना के सीख मिलथय। पर के भलाई ले ही दुनियादारी ल जाने-समझे जा सकथय। अइसे लागथय जइसे कि सृष्टि के रचइया हर मनखे बर जम्मो जीव-जगत ल कुछ न कुछ कारज सौंपे हे। येकर सती तो मनखे खातिर एक ठन प्राणी के हित जग जाहिर हे; अउ वो प्राणी आय- गाय यानी गउ माता।

गउ माता के महत्व अउ उपयोगिता ल जानत-परखत शायद दुवापर-युगश्रेष्ठ यदुवीर श्रीकृष्णचंद्र जी ह गोपालन के कारज ल अपन हाथ म लियीन; अउ वो गोपाल कहलाइन। ये उँकर सामाजिक संदेश आय, जेन आज अनुकरणीय हे। गउ माता के जियत काया भर ही नहीं; भलुक वोकर मृत देह घलो मनखे बर बड़ उपयोगी सिद्ध होथय। गाय के दूध, मल-मूत्र अउ चर्म के संगे-संग, वोकर सकल अंग मनखे-हित बर होथय। अइसना गउ माता के काँचा गोबर ह तो उपयोगी होबे करथय, संगे-संग वोकर सुखाय गोबर ह घलो हमर गाँव अंचल म बड़ महत्वपूर्ण जलाऊ जिनीस होथय। अउ उही जिनीस ह कहलाथय- खरसी। तीन अक्षर के 'खरसी' शब्द ह खड़-खड़ (खर-खर) ले सुखाय गोबर ले मिले जलाऊ चीज हरय। गोबर के सुखाय रूप ही आय खरसी। गाय-गरु अउ भँइस-भँइस्सा के घर, कोठा या घर ले बाहिर म उँकर करे गोबर खरसी बनथय। गोबर ह लकलक ले

चिन्हारीः टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

घाम म जतका जादा सुखथय, वोतका बढ़िया गुणवत्ता वाले खरसी बनथय।

घर-द्वार या कोठा-कुरिया म बहुते-कम खोरसी देखेला मिलथय, काबर कि गोबर ल सुखाये के पहिली ले ही बिन ले जथय; पर जब गाय-गरु अउ भँइस-भँइस्सा ह घर ले बाहिर खेतखार, मेड़पार या भर्री-भाँठा म घूमे-चरे बर जाथँय, उही कोती गोबर करथँय, त वो गोबर ह घाम म खड़-खड़ ले सुखा जाथे, इही गोबर खरसी बनथय, याने गोबर के बहुते-जादा सुखाय रूप ही खरसी आय। बाहिर ले बिनके लायले अउ गोबर ले बने छेना के जगा बउरे ले येला 'बिनिया छेना' घलो कहिथय।

हमर गाँव-देहात म लोगन, अउ जादातर दस-बारा बरस के नोनी या माईलोगिन मन जउँहा या बोरी धरके खरसी बिने बर जाथँय। ठर-ठर ले सुखाय खरसी ल बिनके पहिली एक जगा सकेलथँय, ताहन फेर जउँहा-बोरी म भरके लाहत-तापत, थप-थप पछीना म माईलोगिन मन मुँड़ म बोहके घर आथँय। येमा माईलगिन मन के सहनशीलता अउ उँकर मेहनत मिंझरे रथँय। हमर देहात क्षेत्र म चुल्हा म आगी बारे बर छेना कस खरसी के उपयोग करे जाथय। येकर आँच बड़ रगरग-रगरग करथय। ये बड़ सस्ता अउ सुलभ चीज आय। जिंकर घर गरुवा नइ राहय, तहुँहर बाहिर ले बिनके ले आथँय। खरसी ले गरीब-ले-गरीब मनखे के चुल्हा जलथय। गोरसी भरे म घलो ये काम आथय। गोरसी के पलापला राखर म येला चपक के राखे ले बढ़िया रग-रगात रहिथय, जेन ह आगी सुल्गाय के काम आथय। घर म कँइच्चा गोबर नइ राहय ले खरसी ल गुड़ा करके पानी म घोर के दुवार-अंगना ल लिपे अउ छरा देये जाथय। ये जैविक खातू तको बनथय। हमर अंगाकर अउ पान रोटी हर येकर आँच म बड़ बढ़िया चूरथय। दूध चुरोय बर घलो खरसी आगी बने होथय। खरसी-आगी के पलपला म लसून-मिरचा बढ़िया भुँजाथय। आलू, गोंदली अउ काँदा-कुसा हर बड़ बढ़िया उसनाथय खरसी-आगी मा। खरसी राख ह बरतन माँजे के काम घलो आथय। कोनो-कोनो क्षेत्र म खरसी आगी ले देव-धामी ल हूम-धूप देवई पवित्र माने जाथय। जानकार मनखे मन नान्हे लइका मन ल तेल-फुल लगावत खरसी-आगी के मद्धम आँच ले सेंकई ल बने मानथँय। बाँस के कमचिल अउ खरसी-आगी के आँच के सेंकई ल नान्हे लइका मन के बदहजमी बर दवई अस माने जाथय। हमर देहात म खरसी के संबंध म एक ठन टोटका घलो हावय कि कोनों मनखे ल खरई-ठनकी होय (धरे) ले कोथा म खरसी ल थोरिक चपक के राखे ले खरई-ठनकी बने होथय।

हमर गाँव-देहात म खरसी के उपयोगिता ल जानत-समझत हमला गउ माता के महत्व ल जानना-समझना जरूरी हे। आज हमला गउ माता ले मिले खरसी ल बउरत हमर देहाती संस्कृति ल बचाय रखना घलो जरूरी हे। स्पष्ट हे, हमर गउमाता के संरक्षण अउ संवर्धन बहुते जरुरी हे।

गांव की कहानी : राहुल कुमार सिंह

छत्तीसगढ़ के अधिकांश गांव सोने के नाम पर

छत्तीसगढ़ में अनेक गांव का नाम सोने के नाम पर होता है। और वास्तव में स्वर्ण की प्राप्ति या उससे संबंधित खोज के प्रमाण को भी दर्शाते हैं। छत्तीसगढ़ में सोन, सोनसरी, सोनाढुला, सोनाडीह, सोनतरई, सोनबरसा, सोनसरी और सोन सरार नाम के कई गांव देखने मिल जाते हैं। अमीर धरती के गरीब लोग जुमला वाले छत्तीसगढ़ का सोनाखान, अब तक मिथक सा माना जा रहा, सचमुच सोने की खान साबित हुआ है। पिछले दिनों सोनाखान के बाघमारा क्षेत्र की सफल नीलामी से छत्तीसगढ़ गोल्ड कंपोजिट लाइसेंस की नीलामी करने वाला पहला राज्य बन गया है। बलौदाबाजार जिले के सोने की खान, बाघमारा क्षेत्र 608 हेक्टेयर में फैला है। आंकलन है कि यहां लगभग 2700 किलो स्वर्ण भंडार है। यहां खोज का प्रारंभ 1981 में किया गया था। इस गांव के आसपास भी स्वर्ण प्राप्त होने की पुष्टि हो चुकी है। इसी तरह इस गांव का सम्बन्ध महानदी से है तथा महानदी के किनारे खास कर मांद संगम चंदरपुर और महानदी की सहायक ईब व अन्य सहायक जलधाराओं के किनारे लोगों को सोना निकालने के काम में तल्लीन देखा जा सकता है। सोना झारने या अलग करने वाले लोगों के रहने वाले गांव को सोनझरिया भी कहा जाता है। सोना झारने के लिए सोनझरा छिछला, अवतल अलग अलग आकार का कठौता इस्तेमाल करते हैं। इनका पारंपरिक तरीका है कि जलधाराओं के आसपास की तीन कठौता मिट्टी लेकर स्वर्ण कण मिलने की संभावना तलाश करते हैं इस क्रम में सुनहरी पट्टी मिलते ही सोना झारते, रास्ते में मुश्किलों को नजर अंदाज करते हुए आगे बढ़ने लगते हैं। ऐसी मिट्टी को पानी से धोते धोते मिट्टी घुल कर बहती जाती है और यह प्रक्रिया दुहराते हुए अंत में सोने के चमकीले कण अलग हो जाते हैं।

लोक साहित्य
डा विनोद कुमार वर्मा

छत्तीसगढ़ी शब्द में उलुहा और उसका महत्व

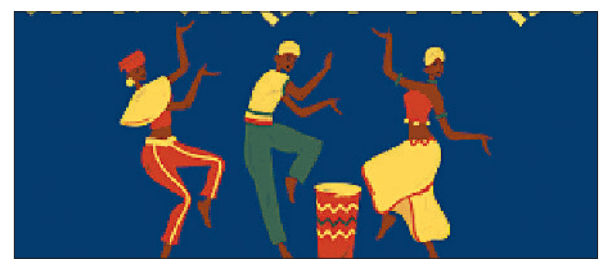

छत्तीसगढ़ी में कई ऐसे शब्द हैं जिसका एक विशेष महत्व होता है। ऐसे ही एक विशुद्ध शब्द उलुहा है जिसका अर्थ है - बीज से नवस्फुटित कोंपल जिसमें छोटी छोटी पत्तियां और शाखाएं हों , जो पौधा बनता है, जिसमें जीवन का चिन्ह तो है ही, साथ ही वह वृक्ष बनने की पूरी क्षमता भी रखता है। उलुहा शब्द का प्रयोजन यहां एक और अर्थ में भी लिया जाता है -जब पेड़ पौधे की पत्तियां झड़ जाती है तब कुछ दिनों के बाद उसमें नई शाखाएं और उन शाखाओं में कोमल कोमल पत्तियां दिखाई पड़ती हैं। इन नवस्फूटित शाखाओं और पत्तियों को भी उलुहा कहा जाता है। देखें यहां संबंधित कविता -

उलुहा बेटी के गुहार,
दाई मोला तै झन मार।
बाबू दुनो रात कन,
सलाव होवत रहा।
ए दारी के फेर टूरी ए,
तुमन कहत रहा।
मैं पेट भीतरी म,
सुलियाय उलुहा बेटी,
अभिमन्यु कस,
तुमन के गोठबात ल,
चुप्पे चुप सुनत रहें।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

लोक चित्र
वसंत निरगुणे

लोक चित्र में मिथक और प्रयोग

लोक में भी अनेक मिथ कथा चित्र पर्व त्योहारों पर बनाए जाते हैं। मिथ कथा चित्रों के विषय किसी पुरा आख्यान, लोक विश्वास, लोक आस्था के नायक नायिका, देवी देवता पर केंद्रित होते हैं। ऐसे मिथ कथा चित्रों की परम्परा को लोक में अखंडित रूप में देखने की परिपाटी है।

लोक साहित्य में मिथकों का जितना प्रयोग मिलता है, उतना ही लोक चित्रों में भी मिलता है। कोई भी लोक चित्र बिना मिथक के पूरा नहीं होता। अनुष्ठानिक चित्रों की प्रवृति पूर्णतः मिथकीय होती है, क्योंकि उनमें बनाई जाने वाली आकृतियों के पीछे कोई न कोई कथा होती है। मनुष्य पेड़ पौधे, नदी पहाड़,दैनंदिनी वस्तुओं के रूपाकार, संकेत, बिम्ब, प्रतीक या अभिप्रायों के माध्यम से उकेरे जाते हैं। अलंकरण में खींची जाने वाली रेखाएं, वृत, त्रिभुज, चतुर्भुज, लटकन आदि मिथकथा चित्रों में कोई न कोई मिथकीय रूप ग्रहण कर लेती है। भील जनजाति में बनाया जाने वाला पिथौरा आलेखन पूर्णतः मिथ कथा चित्र परम्परा का संपूर्ण चित्र कहा जा सकता है। इसमें सभी चित्रों के पीछे कोई न कोई अनुष्ठान, गाथा और श्रद्धा का भाव निहित है।

लोक में भी अनेक मिथ कथा चित्र पर्व त्योहारों पर बनाए जाते हैं। मिथ कथा चित्रों के विषय किसी पुरा आख्यान, लोक विश्वास, लोक आस्था के नायक नायिका, देवी देवता पर केंद्रित होते हैं। ऐसे मिथ कथा चित्रों की परम्परा को लोक में अखंडित रूप में देखने की परिपाटी है। मिथ कथा चित्रों की प्रत्येक बात का अनुसरण लोक में प्रायः वैज्ञानिक सच की तरह किया जाता है। मिथ कथा चित्रों की आस्था और अनुष्ठान बहुत कम बदलते हैं क्योंकि मिथक यथार्थ से कहीं ऊपर शाश्वत सच के नजदीक होता है। इसीलिए मिथ, मिथक और मिथ कथा चित्रों पर लोक में सहज विश्वास देखा जाता है।

मिथ कथा चित्रों के सृजन में मानवीय संवेदनाओं को सच्ची अभिव्यक्ति मिलती है। कई मिथक और मिथ कथा चित्रों में आसपास की अदृश्य पराशक्तियों का आव्हान मिलता है और उनमें जीवन की सुरक्षा और मांगलिकता के वरदान की मौन प्रार्थना होती है। तब मिथ कथा चित्र भाव , भाषा और प्रतीक से बहुत ऊपर की चीज हो जाते हैं।

आरटीई एडमिशन में गड़बड़ियों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

हाईकोर्ट ने कहा-स्कूलों में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करना बच्चों का मौलिक अधिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस याचिका में कहा गया है कि प्रदेश के प्रमुख निजी स्कूलों में कुल सीटों का केवल तीन प्रतिशत ही आरटीई के तहत भरा जा रहा है। इसके साथ ही पिछले एक साल में आरटीई के तहत एडमिशन की संख्या में लगभग सवा लाख की गिरावट आई है। इसके बाद कोर्ट ने सरकार और शिक्षा विभाग से पिछले वर्षों में आरटीई की 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर हुए एडमिशन और रिक्त सीटों की विस्तृत जानकारी मांगी थी। इससे पहले प्रदेश में शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत ईडब्ल्यूएस और बीपीएल वर्ग के बच्चों के सही तरीके से एडमिशन नहीं होने को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और शिक्षा विभाग से जवाब तलब किया था। कोर्ट ने हाल ही में लागू नए नियमों से आरटीई सीटों में कटौती, एडमिशन में अनियमितता और फर्जी प्रवेश को लेकर भी स्पष्टीकरण मांगा था। इससे पहले हाईकोर्ट ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा है कि आरटीई अधिनियम के तहत स्कूलों में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करना बच्चों का मौलिक अधिकार है। गरीब माता पिता भी अपने बच्चों को बच्चे को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने की इच्छा रखते हैं तो वे अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में नामांकन करा सकते हैं।

यह कानूनी लड़ाई 2012 से जारी

याचिकाकर्ता के मुताबिक आरटीई के तहत शिक्षा के अधिकार की यह कानूनी लड़ाई 2012 से जारी है। 2016 में हाईकोर्ट ने विस्तृत दिशा-निर्देश भी जारी किए थे। मगर, निजी स्कूलों ने इन्हें सही ढंग से लागू नहीं किया। इस लापरवाही और अनियमितता को देखते हुए फिर से याचिका दायर की गई है। हाईकोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सरकार और शिक्षा विभाग से विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि 6 से 14 आयु समूह के बच्चों के लिए मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा बच्चों का अधिकार है। बच्चे को आर्थिक एवं सामाजिक आधार पर पढ़ाई से रोका नहीं जा सकता है।

एडमिशन की पूरी जानकारी मांगी गई

इसके साथ ही हाईकोर्ट ने पूछा था कि यदि खाली सीटों को ओपन कैटेगरी में भरा गया, तो उसके लिए क्या प्रक्रिया अपनाई गई। इसके अलावा, अदालत ने सरकार को आरटीई एडमिशन की संपूर्ण संरचना की जानकारी देने का निर्देश दिया था। ध्यान रहे कि भिलाई के वरिष्ठ समाज सेवी सीवी भगवंत राव ने इस मामले में जनहित याचिका दायर की है। अधिवक्ता देवर्षि सिंह के माध्यम से दायर इस याचिका में पूर्व में चार दर्जन निजी स्कूलों को पक्षकार बनाया गया था। पहले हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने इन स्कूलों को नोटिस जारी किया था।

बार काउंसिल चुनाव का कार्यक्रम तय करने दिया एक दिन का समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट बार काउंसिल के चुनाव को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) और स्टेट बार काउंसिल (एसबीसी) को निर्देश दिया है कि वे प्रस्तावित चुनाव कार्यक्रम के लिए स्पष्ट गाइडलाइन तैयार कर कोर्ट में पेश करें। इसके लिए हाईकोर्ट ने एक दिन का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। हाईकोर्ट खास तौर पर स्टेट बार काउंसिल पर काफी नाराज हुआ कि 45 दिन का कार्यक्रम जारी किया गया है जबकि अपने ही नोटिफिकेशन में स्टेट बार ने पहले 180 दिनों की बात कही थी। इससे पहले हाईकोर्ट ने पिछले छह वर्षों से स्टेट बार काउंसिल के चुनाव नहीं होने पर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने 18 फरवरी 2025 को पारित अपने आदेश के पालन की स्थिति के बारे में पूछा। साथ ही, बीसीआई की ओर से शपथपत्र दाखिल न किए जाने पर भी असंतोष व्यक्त किया था। बीसीआई के अधिवक्ता ने जानकारी दी कि सचिव द्वारा शपथपत्र भेज दिया गया है, लेकिन वह हाईकोर्ट को प्राप्त नहीं हुआ। कोर्ट ने यह भी कहा है कि चुनाव कार्यक्रम बीसीआई नियमों और अधिसूचनाओं के अनुसार तैयार किया जाए, ताकि चुनाव में किसी प्रकार की देरी न हो।

- मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी

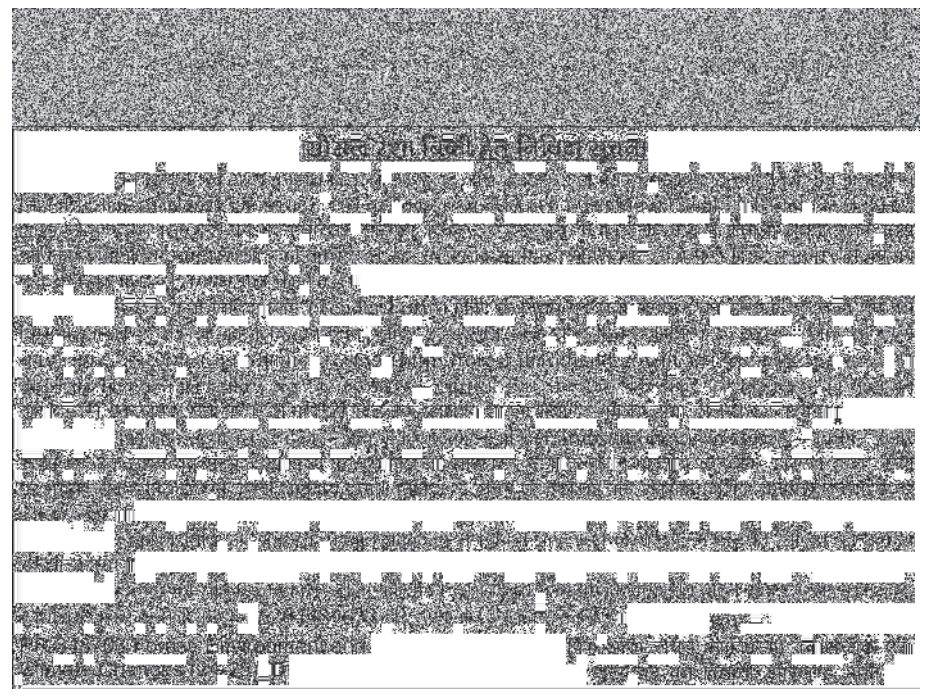

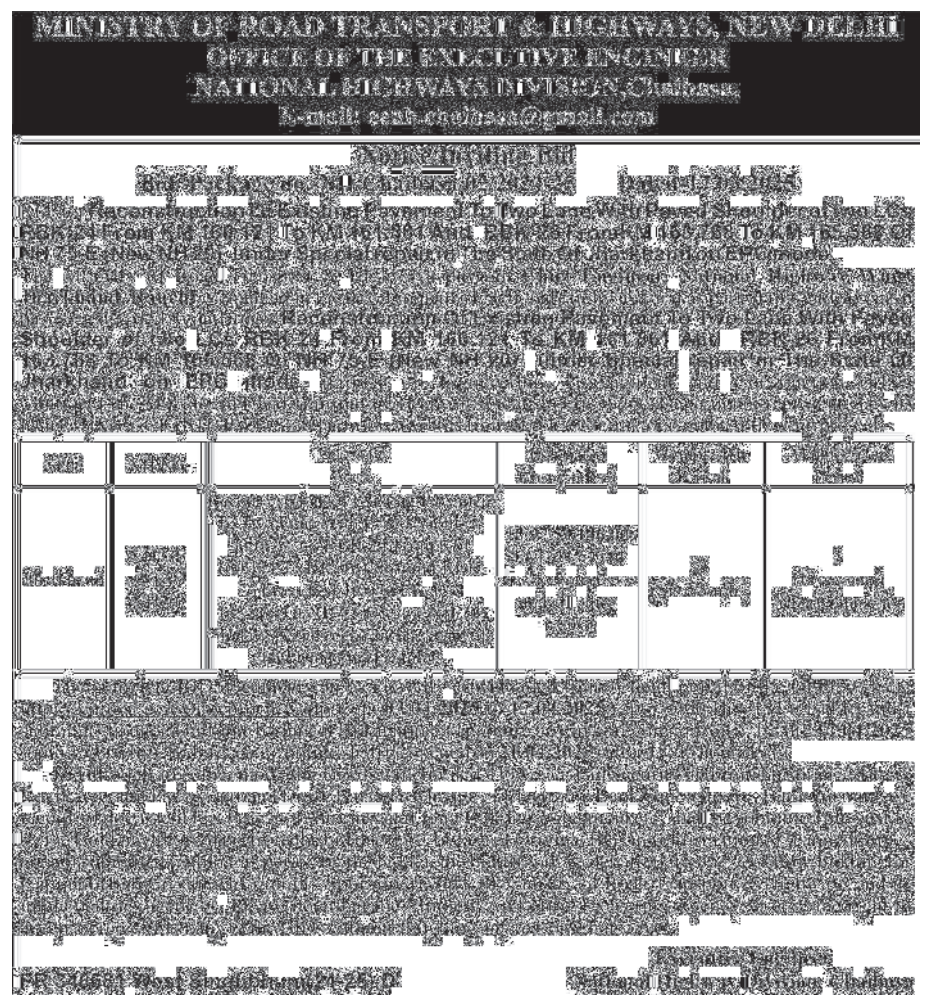

एनआईटी के संविदा, दैनिक कर्मियों को नियमित करें

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एनआईटी रायपुर के संविदा और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के मामले में सुनवाई करते हुए उनके नियमितिकरण का आदेश दिया है। इस निर्णय से 10 से लेकर 16 साल से यहा कार्यरत कर्मचारियों को बहुत बड़ी राहत मिली है। यह याचिका नीलिमा यादव, रश्मि नागपाल व 40 अन्य कर्मचारियों ने उच्च न्यायालय के समक्ष अपने नियमितीकरण हेतु याचिका प्रस्तुत की थी। याचिकाकर्ता एनआईटी रायपुर के संविदा और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी हैं। इन सभी की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। लिखित परीक्षा उतीर्ण होने के बाद अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लेते हुए मैरिट के आधार पर नियुक्ति की गई थी। सभी कर्मचारी नियमित पद के विरुद्ध कार्यरत हैं। इन्हें कार्य करते हुए 10 साल से अधिक का समय हो चुका है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सुश्री दीपाली पाण्डेय ने याचिका प्रस्तुत की। एनआईटी के अधिवक्ता ने किसी नियमितीकरण हेतु नियम नहीं होने का तर्क रखा।

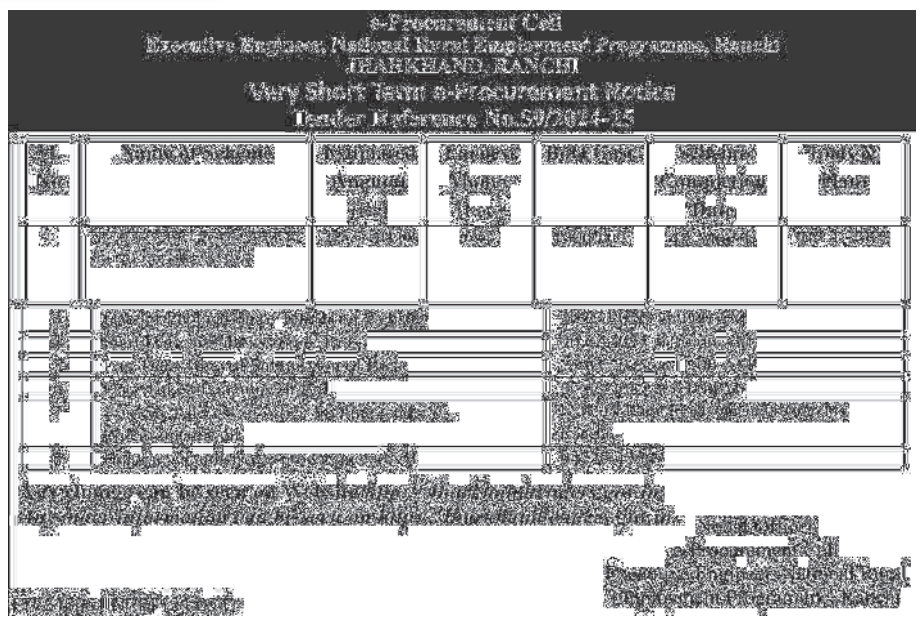

बाइक से गिरी महिला, हुई मौत

कांकेर। बांदे थानांतर्गत मेन रोड पिण्डकसा के पास 16 मार्च को पौने 6 बजें मृतिका दुर्गूकोंदल निवासी 32 वर्षीय उषा बती मोटर सायकल से गिर गई। सिर में चोट लगने के कारण ईलाज के लिए सीएचसी बांदे लेकर गए। ईलाज के दौरान उसका मौत हो गया।

मोती और मछली पालन के नाम पर ठगी

भिलाई। मोती और मछली पालन के नाम पर छूट दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाला युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि वारिसी कालोनी तहसील धरमजयगढ जिला रायगढ जो हाल ही में अधीजात अपार्टमेंट न्यु शांति नगर शंकर नगर रायपुर निवासी दिनेश सरकार को पुलिस ने पकड़ लिया है। आरोपी दिनेश ने तालपुरी पारिजात अपार्टमेन्ट निवासी अभिषेक बंछोर को नमो एग्रीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ऑफिस के नाम पर झांसा देकर जुलाई 2023 में मछली व मोती पालन करने के लिए 10 लाख 45 हजार का लोन देने पर 50 प्रतिशत तक की छूट के नाम पर नगदी रकम ठगा था।

9 ग्राम हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार

छुरा। 9 ग्राम 90 हजार के अवैध हेरोइन के साथ एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के दिशा निर्देश पर जिले में अवैध नशे के कारोबारियों पर कार्यवाही के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें जिले के समस्त राजपत्रित एवं थाना प्रभारियों को नशे के काला कारोबार करने वाले की पतासाजी कर कार्यवाही करने एवं इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने के संबंध में आवश्यक निर्देश के साथ जिले स्तर पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- फैक्टरी, होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई (5.7) वेतन 12000/- से 15000/- संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल :- 7746000016, 8720005500. (RO-3160)

आवश्यकता है- तेलीबांधा, मोतीबाग, भाटागांव, सरोना, टाटीबंध, और चंदनडीह क्षेत्रो के लिए सिक्योरिटी सुपरवाइजर, सिक्योरिटी हेड गार्ड, और सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है। । वेतन 8000-12000 संपर्क :- 6261195599. (RO-7059)

ड्रायवर

आवश्यकता है- घरेलू कार चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है, लाइसेंस के साथ संपर्क करें मो. 9171119255 (RO-4910)

आवश्यकता है- निजी एम्बुलेंस सर्विस के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है बुकिंग वाली गाड़ियां है तनख्वाह योग्यतानुसार संपर्क :- एम्स, टाटीबंध, रायपुर,गेट 2 के पास 8435148489, 7000042022. (RO-meeth)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

फार्म वर्क

आवश्यकता है- फार्म में काम करने वालों की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध है (आरंग नया रायपुर स्थित) महिला , पुरुष अथवा विकलांग संपर्क करे - मो. 9826415569 (RO-7056)

आवश्यकता

आवश्यकता है- टाटा बिगबास्केट में ऑनरोल एसोसिएट पद पे कार्य करने के लिए लड़के लड़कियों की आवश्यकता है , न्यूनतम १०वी पास, आयुवर्ग - 18 से 35 ,वेतन 14000 /- मासिक। सुविधाएँ - PF, ESIC, अटेंडेंस बोनस, रिवॉर्ड इंसेंटिव। शिफ्ट- 9 घंटा । इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - 7869295123 / 7067933763 (RO-Atul)

टेक्नीशियन/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- यूरेका फॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु आवश्यकता 12वीं, टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट -02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4, सर्विस टेक्निशियन- 2, ऑफिस बॉय- 1 संपर्क:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर 9826652461. (RO-3365)

वेल्डर/ फिटर

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु वेल्डर- 4, फिटर- 4, हेल्पर- 20 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- वक्रांगी मेटल एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड तिल्दा नेवरा 8319402352, 9479289740 (RO-37086)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- इंदौर मध्यप्रदेश में रहकर ऑफिस कार्य करने हेतु अविवाहित लड़को की आवश्यकता है सैलेरी 10000 रहना खाना ट्रैवलिंग फ्री नियुक्ति फ्री संपर्क करे 9575712101, 7389318055. (RO-305)

आवश्यकता है- पार्सल आफिस में काम करने हेतु लड़को की आवश्यकता है कार्य सोर्टर पीकर पैकर लोडर पेमेंट 15 हजार तक,(आयु सीमा-18-35) सम्पर्क करें- 73545-77811, 91093-10898.(आरो नं.-7166)

सेल्सगर्ल/सेल्सबॉय

आवश्यकता है- ज्वेलरी शाप में सेल्सगर्ल / सेल्स बॉय की आवश्यकता है, स्मार्ट को प्राथमिकता! संपर्क करे अपने परिचय पत्र के साथ नगीना जेम्स, सदर बाजार रायपुर छ.ग. (RO-7368)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- अमलीडीह रायपुर में घर की साफ सफाई एवं अन्य घरेलू कार्य हेतु अनुभवी पति पत्नी की आवश्यकता है,रहने की सुविधा । संपर्क 8839870056, 6262800019. (RO-meeth)

सेल्स ऑफिसर

आवश्यकता है- सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के प्रत्येक ब्लॉक में एक एक सर्वेयर सेल्स आफिसर की आवश्यकता है इंकम प्रतिमाह 21000 समस्त भत्तों सहित सम्पर्क R.K. सेल्स रायपुर एण्ड बिलासपुर 8109100493. (RO-37111)

हरिभूमि क्लासीफाईड

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- उरला कन्हेरा स्थित पेट्रोल पंप हेतु लड़को की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति - आवेदन Bio-data एवं समस्त दस्तावेज सहित सम्पर्क करे। डागा पेट्रोल पंप, कन्हेरा 9424-225533. (RO-246)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- जनता कॉलोनी, देवेंद्र नगर रायपुर में फुल टाइम घरेलू कार्य करने के लिए एक लड़की/ महिला की आवश्यकता है। रहने खाने की घर में ही व्यवस्था। सम्पर्क करें- 7327097200. (RO-bsp)

इंजीनियर

Requirment- Required 1. Hardware & Service Engineer: Graduate CS/ IT Experienced in Desktop, Laptop, Networking, Printers, CCTV, Biometric. 2. DTP Operator: Graduate experience, Pagemaker, Corel Draw, 3. Proofreader: MSc Zoology for Hindi & English Medium books. Contact: 11:00- 1:00 Navbodh Prakashan, 7, Samta Colony, Near Bhimson Bhawan, Raipur, 0771-4200932, hr@navbodh.com (RO-245)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178. (RO-3370)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु 2-3 अनुभवी ड्रायवरों की आवश्यकता है। स्वयं के वैध लाइसेंस सहित संपर्क करें- सुरेश, मोबाइल:- 9993535979. (RO-1638.

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है उम्र 18 से 25 जो बाहर रहकर कार्य करे सैलरी 10,000+कमीशन +बोनस संपर्क करे:- 7024334511 मंगला चौक बिलासपुर. (RO-3366)

अन्य

आवश्यकता है- नौकरी ही नौकरी तहसील स्तरीय भर्ती पद संख्या 975 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली सिपाही ड्राइवर वेतन 27500+52400 तक आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्कशीट पैन कार्ड व्हाट्सएप करे 7460994309. (RO-733)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 7439736348.(RO-704)

छोटा विज्ञापन

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000/- प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्क:- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर - 9111760925, 7477221345, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर 7869755871. (RO-3194)

Property प्रापर्टी

जमीन

जमीन बेचना है- भाठागांव बस स्टैण्ट से 10km में डायवर्टेड प्लाट 4475 स्क्वायर फीट चारों ओर से बाऊण्ड्री वाल किया हुआ है। जिसमें 2BHK मकान भी बना है। तत्काल बेचना है। मों.- 9977710373, 9340018862.(RO-7058)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - कमर्शियल प्लाट बेचना है दुर्ग धमधा मेन रोड पर जेवरा सिरसा के पास 8000 वर्गफीट डबल रोड प्लॉट बेचना है। ट्रांसपोर्ट नगर दुर्ग में कमर्शियल प्लाट एवं खेत बेचना है। mo.- 9329021207. (आरो नं.-699)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

For Rent किराया

कमर्शियल

किराये से देना है- वीआईपी रोड में ड्रीमसिटी के अंदर, राजवाड़ा के पास, डबल स्टोरी फर्निश्ड मकान (5000 वर्गफीट में निर्मित) गार्डन के साथ ऑफिस/ रेस्टहाउस/ फैमिली हेतु किराए से देना है (4 बेडरूम, 3 हॉल, किचन, 3 वॉशरूम) सम्पर्क- 8120593540. (RO-4912)

Services सर्विसेस

सर्विस - आंचल अमृततुल्य स्वंय का दुकान डाले, बिजनेस करे बिना रिस्क के, कम पूंजी लगाकर या सैलरी में एग्रीमेंट के साथ संपर्क करें ,8234095610 समवेत शिखर कॉम्पलेक्स, दूसरा मंजिल, रायपुर (छ.ग.) (RO-3316)

हरिभूमि क्लासीफाईड

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

चिकित्सा मे अचूक प्रामाणिक प्रयोग
यदि आप सभी उपाय एवं ईलाज कराकर थक गये हो। ना ही दवा को आप छोड़ पाते है ना ही दवा आपको छोड़ता हो बीमारी बार-बार होता हो तो रस रसायन एकमात्र उपाय है। ये सदा के लिए रोग से मुक्ति दिलाकर नवजीवन प्रदान करता है। क्योंकि यह वीर्य के निर्माण के साथ इम्यून सिस्टम में काम करता है जो अचूक है। यह रोग ही नही कारण को दूर करता है।
रस-रसायन अर्थात आयुर्वेद के रस भस्म थोड़ा महंगा परंतु सटिक प्रमाणिक चिकित्सा है। जो रोगी के शरीर मे जाने पर चूक नहीं सकता परंतु वात पित्त कफ से संबधित रोग का निर्णय दवा का गुण एवं सटिक मात्रा की जानकारी होना आवश्यक है।
(1) समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस, जोड़ो में दर्द, उंगलियों का टेढा होना, नाखूनों का सड़ना।
(2) समस्त प्रकार के वायरस-जन्य रोग हेपाटाइटिस (ABC) हर्पिस रोग (स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने-फुंसी, छाले चमडी का फटना, लाल होना, सर्केला) जीवाणु जन्य रोग, सिफलिस, गोनोरिया (सुजाक)
(3) समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग। नोट : पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग(इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आजतक कोई भी उपाय नहीं है। सावधान !
बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल
फार्मा साईंटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,।
मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईंटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 75 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 7-8 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
ब्रेस्ट टोनर क्रिम
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

जैकेट के शेष

सितारों की दुनिया से...

ड्रैगन क्राफ्ट भारतीय समय के हिसाब से बुधवार तड़के 3:27 बजे लैंड करेगा। इसका दुनियाभर में लाइव प्रसारण भी होगा। नासा ने बताया है कि स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आईएसएस से सफलतापूर्वक अनडॉक हो गया है, यानी उसकी धरती की तरफ 17 घंटे की यात्रा शुरू हो गई है। 18 मार्च को सुबह 10:35 बजे क्राफ्ट की अनडॉकिंग हुई। ड्रैगन हार्मोनी मॉड्यूल पर स्टेशन के आगे की ओर वाले पोर्ट से अलग हो गया और नियंत्रित थ्रस्टर फायरिंग के तहत धीरे-धीरे दूर चला गया। कैप्सूलअपने महत्वपूर्ण सिस्टम जांच करेगा और बुधवार की सुबह के लिए निर्धारित डीऑर्बिट बर्न के लिए तैयार होगा। ड्रैगन कैप्सूल पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से एंट्री करेगा तो उसे 19 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 3:27 बजे अटलांटिक महासागर में सुरक्षित उतरने के लिए पैराशूट तैनात करने से पहले तीव्र गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

नकल पर नकेल कसने...

की केन्द्रीकृत परीक्षा इसलिए ली जा रही है कि ताकि बच्चों के शैक्षणिक गुणवत्ता का ठीक से मूल्यांकन किया जा सके। इसके लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल प्रश्नपत्र तैयार कर रहा है। रोल नंबर भी वहीं से आबंटित किए गए लेकिन बच्चों का केन्द्र नहीं बदला गया। इसी का फायदा स्कूल के शिक्षकों ने उठा लिया। स्कूलों का रिजल्ट बेहतर करने के लिए बच्चों को नकल कराई जाने लगी। पहले दिन पांचवीं की परीक्षा के दौरान खुलेआम नकल कराई गई। आठवीं के पेपर के दौरान हर सेंटर में एक तरह से अलर्ट रहा। यहां तक कि पत्रकारों को भी रोकने की कोशिश हुई। हर आने जाने वाले से स्कूल पहुंचने का कारण पूछा गया।

रेमेडियल क्लास लेकर कराएंगे पढ़ाई : नकल के मामले सामने आने के बाद शिक्षा विभाग की ओर से सभी केन्द्राध्यक्षों और प्राचार्यों को खास तौर पर हिदायत दी गई है। इसके बाद से केन्द्राध्यक्षों ने सभी क्लास रूम का नियमित दौरा किया। इसके बाद ही आठ उड़नदस्ता टीम में लगभग सभी स्कूलों में पहुंची। खास तौर आउटर के स्कूलों में अधिक ध्यान दिया गया। इसलिए आठवीं गणित के पेपर में नकल के मामले सामने नहीं आए। जिला शिक्षा विभाग की ओर से यह भी कहा गया है कि बच्चों को अपने स्तर पर सवाल हल करने दिया जाए। इससे उनका मूल्यांकन होगा। यह भी कहा गया है कि इस बार जो यह बोर्ड परीक्षा हो रही है उसमें किसी भी बच्चे को फेल नहीं किया जाना है। अधिकारियों के मुताबिक कम नंबर वाले बच्चों को पास होने के लिए कई अवसर प्रदान किए जाएंगे। वार्षिक परीक्षा में फेल बच्चों को पूरक परीक्षा में बैठने की पात्रता होगी। विषय शिक्षक अनुत्तीर्ण विषय की अतिरिक्त कक्षाएं लेकर तैयारी कराएंगे। पूरक परीक्षा 1 जून से शुरू होगी। यदि कोई छात्र पूरक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होता है तो उसे भी आगे की क्लास में प्रमोट किया जाएगा। हालांकि कुछ बच्चों को अगली कक्षा में जाने से रोका भी जा सकता है।

चाक-डस्टर कमरे में ले ...

स्कूल में तो पूरा स्कूल ही गणित के किताब खोलकर बैठा था। यहां दो कक्षाओं में 54 छात्र परीक्षा दे रहे थे। इसके अलावा लिमियाडीह, मोपका और चिंगराजपारा में कुछ शिक्षक छात्रों के साथ टेबल पर बैठकर सवाल हल करते दिखाई दिए। हरिभूमि में मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने कड़ाई की। केन्द्राध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि क्लास रूम में चाक डस्टर किसी भी रूप में नहीं ले जाना है। परीक्षा 9 बजे से शुरू होनी है, इससे पहले ही ब्लैक बोर्ड में परीक्षा का नाम, दर्ज संख्या, दिनांक और दूसरी बातें लिखी जानी है।

बच्चों की उपस्थिति हो...

परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाए गए है निजी स्कूलों के परीक्षार्थी भी सरकारी परीक्षा केंद्रों में आयोजित परीक्षा में शामिल किए गए। नगर के जनपद मिडिल स्कूल में 23 में 11 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं विकासखण्ड कार्यालय से पचास कदम की दूरी पर लगने वाले मिडिल स्कूल 32 परीक्षार्थियों में 8 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। बेलसरी में सरस्वती शिशु मंदिर के 9 परीक्षार्थी में 9 उपस्थित रहे वहीं इसी परीक्षा केंद्र में 43 में 42 उपस्थित रहे। वहीं ग्राम मोहे सरकारी मिडिल स्कूल में 49 में एक छात्र अनुपस्थित रहा। नगर के कन्या मिडिल स्कूल में 95 में 9 छात्राएं अनुपस्थित रहीं। सरकारी स्कूलों का हाल यह था कि ग्राम मोहे परीक्षा केंद्र में 48 छात्र जमीन पर बैठकर परीक्षा दिला रहे थे। वहीं आत्मानंद के 47 परीक्षार्थियों में 47 की उपस्थिति रही।

आय से अधिक संपत्ति ...

वारंट प्राप्त कर 20 जुलाई 2015 को पंच साक्षियों की उपस्थिति में अभियुक्त मनोज सिंह ठाकुर के दीनदयाल नगर रायपुर स्थित निवास एमआईजी/285 की तलाशी ली थी। इस दौरान उसके घर से सोने-चांदी के आभूषण, नकदी रकम, वाहन, मूल्यवान दस्तावेज, बैंक पासबुक, बीमा पत्रक आदि से संबंधित दस्तावेज जब्त किए गए थे। इसके बाद मनोज सिंह के विरुद्ध धारा 13 (1) ई. 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर सम्पूर्ण अनुसंधान के बाद विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) रायपुर के न्यायालय में चालान पेश किया था।

मिली थी लाखों की...

लिए 5 वर्ष सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपए अर्थदण्ड से दण्डित किया है। कोर्ट ने अर्थदण्ड की राशि अदा करने में चूक होने पर एक वर्ष का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगताने का आदेश दिया है।

मुख्यमंत्री साय ने पीएम मोदी ...

सुविधाओं, उद्योगों और पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की रूपरेखा शामिल है। प्रधानमंत्री ने इस योजना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। श्री साय ने प्रधानमंत्री को बताया, छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। सुरक्षा बलों की संगठित रणनीति एवं जनभागीदारी के चलते नक्सल प्रभावित इलाकों में तेजी से बदलाव आ रहा है। उन्होंने बताया, पुलिस और केंद्रीय बलों के संयुक्त प्रयासों से कई नक्सल गढ़ों में विकास की किरण पहुंची है, जिससे जनता का विश्वास सरकार की योजनाओं में और मजबूत हुआ है। सरकार का अब पूरा ध्यान बस्तर को नए औद्योगिक और आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने पर है, जिससे युवाओं को रोजगार और आदिवासी समुदायों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। श्री साय ने राज्य की नई औद्योगिक नीति और निवेशकों की बढ़ती रुचि पर भी विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया, निवेश को आसान बनाने के लिए सरकार ने सिंगल विंडो क्लीयरेंस, टैक्स छूट और अनुकूल नीतियों को लागू किया है, जिससे बड़ी कंपनियां छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं।

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने कर रहे काम : मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मुलाकात में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा, स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। मुख्यमंत्री ने बैठक में बस्तर की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। उन्होंने बताया, बस्तर के महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हजारों महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लघु वनोपज, जैविक कृषि, हथकरघा, बांस उद्योग और हस्तशिल्प को प्रोत्साहित कर महिलाओं को न केवल आजीविका के साधन मिल रहे हैं, बल्कि वे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही हैं। इसके अलावा, स्टार्टअप्स और छोटे उद्योगों के माध्यम से बस्तर की महिलाओं को उत्पादन और विपणन से जोड़ने की पहल की जा रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर राज्य की आर्थिक प्रगति में योगदान दे सकें।

मूर्तियों की स्थापना के लिए 30 अप्रैल (अक्षय तृतीया) की शुभ तिथि निर्धारित

अयोध्या में राम दरबार का भव्य सिंहासन तैयार, मकराना के सफेद पत्थर से बना गर्भगृह

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामनवमी से पहले राम मंदिर की नई तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें भव्य राम दरबार के सिंहासन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यह सिंहासन मकराना के श्वेत संगमरमर से निर्मित किया गया है और इसे मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित किया जाएगा। राम मंदिर का गर्भगृह विशिष्ट नक्काशीदार संगमरमर से बना है, जबकि मंदिर के खंभे जयपुर के गुलाबी बलुआ पत्थर से निर्मित किए गए हैं। मंदिर के भव्य मंडप में भी अद्भुत शिल्प कला देखने को मिलेगी। ट्रस्ट ने बताया कि मंदिर परिसर में मुख्य मंदिर के अलावा 14 और मंदिरों का निर्माण हो रहा है, जिनमें मूर्तियों की स्थापना के लिए 30 अप्रैल (अक्षय तृतीया) को शुभ तिथि निर्धारित की गई है, जबकि प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन 5 जून (गंगा दशहरा) को होगा।

प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होगा 5 जून (गंगा दशहरा) को

30 अप्रैल से पहले जयपुर से आएंगी मूर्तियां

राम दरबार सहित विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियां राजस्थान के जयपुर में तैयार की जा रही हैं। 30 अप्रैल से पहले ये मूर्तियां अयोध्या पहुंच जाएंगी। मंदिर परिसर में कुल 14 अन्य मंदिर भी बनाए जा रहे हैं, जिनमें परकोटे में 6 मंदिर होंगे, जहां भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी।

मूर्तियों की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बैठक

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार देर शाम ज्योतिषाचार्यों के साथ बैठक की, जिसमें मूर्तियों की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा की तिथियों को अंतिम रूप दिया गया। इसके तय हुआ कि 30 अप्रैल को मूर्तियों की स्थापना होगी। 5 जून (गंगा दशहरा) को प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्ट महासचिव चंपत राय और निर्माण प्रभारी गोपाल राव भी इस बैठक में उपस्थित रहे।

रामलला का सूर्य तिलकः 6 अप्रैल को होगा विशेष अनुष्ठान

रामनवमी के दिन 6 अप्रैल को दोपहर 12 बजे रामलला का सूर्य तिलक किया जाएगा। इस दौरान सूर्य की किरणें गर्भगृह में रामलला के ललाट पर पड़ेंगी, जिससे प्रतीकात्मक रूप से सूर्य नारायण भगवान राम को तिलक करेंगे। इस दिन सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक रामलला का अभिषेक होगा। 10:30 से 11:40 तक पट बंद रहेगा। 11:45 तक रामलला का श्रृंगार होगा। दोपहर 12 बजे सूर्य तिलक के साथ विशेष आरती होगी। यह कार्यक्रम टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव प्रसारित किया जाएगा, जिससे देश-विदेश के भक्त अपने घर से ही इसका दर्शन कर सकेंगे।

राज्यसभा में लंबे समय बाद बरसीं सोनिया

'मनरेगा को कमजोर कर रही मोदी सरकार'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने लंबे समय बाद राज्यसभा में भाषण दिया है।

उनकी तरफ से राज्यसभा में मनरेगा योजना का मुद्दा उठाया गया, उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि एक सुनियोजित तरीके से इसे कमजोर करने की कोशिश हो रही है। यहां तक आरोप लगाया गया कि गरीबों को समय रहते अपना वेतन नहीं मिल पा रहा है, उसमें लगातार देरी हो रही है। गांधी ने कहा कि मनरेगा योजना को व्यवस्थित तरीके से कमजोर किया जा रहा है, लंबे समय से इस योजना के लिए सिर्फ 86 हजार करोड़ ही आवंटित किए गए हैं। सच्चाई तो यह है कि इसके बजट में 4000 करोड़ रुपये की कमी आई है।

सोनिया ने आगे बोला कि आधार-आधारित भुगतान प्रणाली और राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली की अनिवार्यता ने भी कई चुनौतियों को जन्म दिया है। सोनिया ने इस बात का भी जिक्र किया कि मनरेगा एक ऐतिहासिक कदम था जिसे मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। वैसे यह कोई पहली बार नहीं है जब मनरेगा को लेकर मोदी सरकार को घेरा गया हो।

यह है मनरेगा

जानकारी के लिए बता दें कि प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह द्वारा लिए गए प्रमुख निर्णयों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम शामिल था। इस कानून ने ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष 100 दिन के वेतन रोजगार की गारंटी दी। उनकी सरकार ने 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम भी लागू किया, जिसने नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकरणों द्वारा रखी गई जानकारी तक पहुंचने का अधिकार दिया और शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत किया।

भारत में पाक, बांग्लादेश और श्रीलंका से भी कम है रेल किराया : वैष्णव

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में मंगलवार को रेल मंत्रालय की वर्ष 2025-26 की अनुदान मांगों पर हुई चर्चा का रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जवाब दिया। जिसमें उन्होंने तर्कों के साथ रखे गए अपने आंकड़ों से विपक्ष को चारों खाने चित कर दिया। सदन ने विपक्ष के तमाम कटौती प्रस्तावों को खारिज करते हुए ध्वनिमत के साथ मंत्रालय की अनुदान मांगों को पारित किया। वैष्णव ने रेल बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि भारत में एशिया महाद्वीप के अपने निकट पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका की तुलना में किराया काफी कम है। देश में 350 किलोमीटर की यात्रा करने के लिए जहां 121 रुपए देने पड़ते हैं।

पेज एक के शेष

मुकेश हत्याकांड में...

में पता लगा था कि ठेकेदार सुरेश चन्द्रकार ने घटना के चार दिन पहले ही हत्या की पूरी प्लानिंग तैयार कर ली थी। आरोप के मुताबिक मुकेश को अपने बाड़े में बुलाने के बाद उस पर रॉड से कई वार किया गए थे। हत्या के 48 घंटे बाद गूगल लोकेशन से पत्रकार मुकेश चन्द्रकार के भाई यूकेश चन्द्रकार व पुलिस की टीम ने चट्टानपारा का पता तलाश कर सेप्टिक टैंक की खुदाई में पत्रकार के शव को बरामद किया था। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी अभी जेल में हैं। मुख्य आरोपी ठेकेदार सुरेश चन्द्रकार को पुलिस ने हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। जिसके बाद पूरे मामले की जांच एसआईटी को सौंप दी गई थी।

न्यायालय में पेश की...

3(5) के तहत मामला दर्ज कर अभियोग पत्र प्रस्तुत करते हुए आरोपियों के इस अमानवीय कृत्य के लिए अधिकतम दण्ड देने न्यायालय में मजबूती पैरवी की जाएगी।

ऐसे दिया गया था...

दर्ज कराई थी। 3 जनवरी की देर शाम मोबाइल (गूगल) लोकेशन के आधार पर मुख्य आरोपी सुरेश चन्द्रकार के चट्टान पारा स्थित बाड़ा से मुकेश की बॉडी पुलिस ने बरामद की थी।

छत्तीसगढ़ पेंशन निधि...

के लिए एनपीएस-ओपीएस चयन करने विकल्प दिया गया था। नियोक्ता अंशदान के लिये बजट में प्रावधान किया गया है।

वित्त मंत्री ने कहा, 1 अप्रैल, 2022 से पुरानी पेंशन योजना की बहाली के फलस्वरूप भविष्य के पेंशन दायित्वों के बढ़ते वित्तीय भार को ध्यान में रखते हुए इसके प्रबंधन के लिये 456 करोड़ का प्रावधान पेंशन निधि में निवेश के लिये रखा गया है। इसके लिये हम पेंशन निधि अधिनियम भी बनाने जा रहे हैं, जिससे इस प्रक्रिया को स्थायी स्वरूप दिया जा सकेगा। ऐसा करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य होगा। यह हमारी सरकार के दूरगामी सोच एवं कुशल वित्तीय प्रबंधन का ही एक प्रमुख भाग है। **पब्लिक फायनेंस मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल से निगरानी :** वित्त मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार छत्तीसगढ़ राज्य को विकासशील से विकसित राज्य बनाने की दिशा में कार्यरत है। हमने इस बजट में एक नया फंड छत्तीसगढ़ ग्रोथ एंड स्टेबिलिटी फंड बनाया है। ऐसा करने वाला छत्तीसगढ़ देश का प्रथम राज्य होगा। उन्होंने कहा, राज्य में हितग्राहियों को सुचारू रूप से लाभ पहुंचाने हेतु डायरेक्ट बेनिफिट ट्रान्सफर सेल का गठन किया गया है। पब्लिक फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल के द्वारा सीएसएस की विमुक्त की गई राशि की निगरानी एवं जमीनी स्तर तक के उपयोगीकरण का पर्यवेक्षण किया जाता है। एसएनएस-स्पर्श के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ देश के शीर्ष 3 राज्यों में शमिल है।

पुस्तकालय भवन निर्माण के लिए प्रावधान : मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर में राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान जैसे आईआईएम, हिदायतउल्ला विधि विवि, ट्रिपल आईआईटी, आईएचएम स्थापित है। विश्वस्तरीय आवासीय विद्यालय का निर्माण पूर्णता की ओर है। केन्द्रीय विद्यालय एवं अन्य अनेक निजी विद्यालय एवं विश्वविद्यालय नवा रायपुर क्षेत्र में संचालित है। हमारी सरकार ने युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी एवं उच्चतर अध्ययन की सुविधा प्रदाय करने की योजना बनाई है। हमारी सरकार ने बजट में पुस्तकालय भवन निर्माण के लिए प्रावधान किया है।

नवा रायपुर में रोजगार को बढ़ावा देने का प्रयास : मंत्री ने कहा, नवा रायुपर अटल नगर में रोजगार, निवेश एवं बसाहट को प्रोत्साहित करने हेतु कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स में आईटी कंपनियों को प्लग एवं प्ले सुविधा के साथ फर्निशड बिल्ट-अप स्पेस के आबंटन हेतु नीति तैयार की गई। नीति अनुसार प्राधिकरण द्वारा 2 आईटी फर्मों को बिल्टअप स्पेस आबंटित किया गया है, आबंटन से नवा रायपुर में आईटी क्षेत्र में लगभग 2000 लोगों हेतु कुशल रोजगार सृजित होगा। नवा रायपुर में निवेश, रोजगार एवं बसाहट को प्रोत्साहन देने हेतु स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग, शैक्षणिक एवं इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रिकल उद्योग क्षेत्र में निश्चित भूखण्डों को रियायती दरों पर आबंटन किये का निर्णय लिया गया है।

एनसीआर की तर्ज एससीआर बनाने जा रहे : मंत्री श्री चौधरी ने कहा, प्रदेश में स्थापित 17 प्रकार के प्रदूषणकारी उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के सतत निगरानी हेतु कंटिन्यूअस एमिशन मॉनिटरिंग सिस्टम, कंटिन्यूअस एबिएन्ट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम, एवं कंटिन्यूअस इफल्यूएन्ट क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम से रियल टाईम डाटा हैण्डलिंग प्राप्त करने की व्यवस्था कराई गई है। उन्होंने कहा, देश के विभिन्न राज्यों की राजधानियों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर प्रदेश में भी प्रदेश के मध्य क्षेत्रों को समाहित करते हुए "छत्तीसगढ़ राज्य राजधानी क्षेत्र" का गठन किये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

विजन 2047 बनाया : योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ने कहा, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आधारभूत सांख्यिकी जिसमें सर्वेक्षण, विश्लेषण, मूल्यांकन संबंधी जानकारी का संकलन कर सविन्यास प्रकाशन का दायित्व निभा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने वर्ष 2047 तक प्रदेश को विकसित बनाने हेतु पथ प्रदर्शक दस्तावेज छत्तीसगढ़ अंजोर-विजन@2047 बनाया हैं।

राजस्व संग्रहण में छत्तीसगढ़ देश में तीसरे स्थान पर : वाणिज्यिक कर मंत्री ओपी चौधरी अपने विभाग के अनुदान मांग के चर्चा का जवाब देते हुए कहा, स्वतंत्र भारत में आर्थिक सुधारों की दिशा में जीएसटी कर प्रणाली सर्वाधिक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व कदम है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में अभी तक (माह फरवरी तक) जीएसटी से प्राप्त राजस्व 20,174 करोड़ है जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। छत्तीसगढ़ राज्य पूरे देश में राजस्व संग्रहण के दृष्टिकोण से तीसरे स्थान पर है।

25 नए रजिस्ट्री कार्यालय भवन बनेंगे : उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग के राज्य का महत्वपूर्ण राजस्व अर्जक विभाग है। अभी राज्य के 40 रजिस्ट्री ऑफिस ऐसे हैं जिनके पास अपना खुद का भवन तक नहीं है, और ये तहसील दफ्तर के बहुत छोटे छोटे कमरे में चल रहे हैं। इस कमी को दूर करने के लिए राज्य के 25 रजिस्ट्री ऑफिस में नवीन भवन निर्माण के लिए इस बजट में प्रावधान किया गया है।

ऑनलाईन पंजीयन पर फोकस : मंत्री ने कहा, नवीन उद्योगों को रियायत, ऑनलाईन पंजीयन प्रणाली पर विशेष फोकस करते हुए विभाग द्वारा पंजीयन प्रणाली में मोबाईल एप 'सुगम' लागू किया गया है। जिसमें पक्षकार द्वारा पंजीयन के लिए आवेदन प्रस्तुत करते समय संपत्ति की फोटो अपलोड करते ही उस स्थान के अक्षांस एवं देशांतर की जानकारी स्वतः कैप्चर हो जाती है। जिसके कर अपवंचन की रोकथाम हो रही है। इसके साथ ही पैन आधार इंटीग्रेशन, सतर्कता प्रकोष्ठ का गठन भी किया गया है।

शराबी केंद्राध्यक्ष का पांचवीं...

की जानकारी विकास खंड शिक्षा अधिकारी को दी गई तो उन्होंने शिक्षक शीतल राम नागदेव की खोजबीन कराई। इस दौरान शिक्षक अपने निवास पर शराब के नशे में धुत पाया गया। इस जटिल स्थिति को देखकर शिक्षा अधिकारी ने प्राथमिक शाला कुकुटोली में संचालित बोर्ड परीक्षा के लिए आनन फानन में दूसरे शिक्षक की व्यवस्था कराई।

कंटेनर से तस्करी, एक...

के अधिकारियों की टीम हरकत में आई और पुलिस की टीम ने घेराबंदी की और आईसर कंटेनर वाहन को धर दबोचा और वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें 500 किलो गांजा लगभग 1 करोड़ रुपए कीमत गांजे की खेप जप्त कर चालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

न्यायालय नायब तहसीलदार क्र. 02 कुरूद जिला-धमतरी (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. 202501130100001/ अ-59/2024-25
ग्राम-परखंदा प.ह.नं. 46 तहसील कुरूद जि.धमतरी

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सहायक संचालक उद्यान जिला धमतरी (छ.ग.) के पत्र क्रमांक उद्यान/ तक-2/ 2024-25 / 1525 धमतरी दिनांक 20.11.2024 द्वारा ग्राम परखंदा प.ह.नं. 46 तहसील कुरूद स्थित भूमि खसरा नंबर 1864 एवं 1865 कुल रकबा 7.09 हे को छ.ग. शासन कृषि विभाग धमतरी को बीज एवं कृषि विकास विभागीय रोपणी स्वीकृत कराने हेतु उद्यानिकी विभाग धमतरी को हस्तांतरित करने की मांग की गई है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उपरोक्त खसरा रकबा की भूमि को उद्यानिकी विभाग को हस्तांतरित करने में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को किसी प्रकार से आक्षेप/ दावा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02.04.2025 तक कार्यालयीन अवधि में लिखित में पेश कर सकते है। म्याद बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 18.02.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
कुरूद, जिला धमतरी (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम चरमुड़िया प.ह.नं. 25 रा.नि.म. भाठागांव तहसील कुरूद, जिला धमतरी छ.ग. मे स्थित भूमि ख.नं. 24, 25, 26, 27/1, 27/2 रकबा क्रमशः 0.07, 0.17, 0.08, 0.12, 0.16 हे. कुल ख.नं. 05 रकबा 0.60 हे. जो कि राजकुमारी पति कृष्ण कुमार एवं अन्य 08 के संयुक्त नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज चली आ रही है उक्त भूमि को मेरे पक्षकार द्वारा क्रय करने का पक्का सौदा कर ब्याना राशि प्रदान कर दिया गया है जिसका पंजीयन 05/04/2025 तक किया जाना नियत है। उक्त सौदा एवं पंजीयन मे जिस किसी भी व्यक्ति शासकीय एवं अर्धशासकीय संस्थाये को आपत्ति हो तो नियत समय के सात दिवस पूर्व मेरे पास आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है अवधि म्याद समाप्ति पश्चात कोई आपत्ति या दावा शून्य माना जावेगा।

सो सूचना जाने।

दिनांक- 18/03/2025

प्रदीप यादव
अधिवक्ता / नोटरी
तहसील कार्यालय कुरूद
जिला - धमतरी (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम राजनांदगांव (छ.ग.)

निविदा सूचना

क्रमांक...../लोककर्म / 2024- 25/1633 **राजनांदगांव, दिनांक 17/03/2025**

नगर पालिक निगम, राजनांदगांव द्वारा, अधोसंरचना मद अंतर्गत निम्न निर्माण / विकास कार्यों हेतु छ.ग. शासन के आदेश के तहत केन्द्रीयकृत पंजीयन में सक्षम श्रेणी (द एवं अपर श्रेणी) में पंजीकृत ठेकेदारों से लोकनिर्माण विभाग में लागू भवन / रोड एसओआर दिनांक 01.01.2015, एवं इलेक्ट्रिकल एस.ओ. आर. 2020 से प्रतिशत दर पर फार्म "ए" पर मुहरबंद निविदाएं तीन लिफाका पद्धति से पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय नगर पालिक निगम राजनांदगांव के लोककर्म विभाग में आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि - दिनांक 02/04/2025 अपरान्ह 03:00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि एवं समय - दिनांक 03/04/2025 सायं 04:00 बजे तक
3. निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि एवं समय - दिनांक 08/04/2025 अपरान्ह 03:00 बजे तक
4. प्राप्त निविदाओं को खोलने की तिथि एवं समय - दिनांक 09/04/2025 सायं 04:00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)
1	वार्ड क्रं. 41 झुलेलाल वार्ड मे कृष्णा मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	10.00
2	वार्ड क्रं. 41 झुलेलाल वार्ड मे साहू पारा मे सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	5.00
3	वार्ड क्रं. 42 राजीव नगर एस. एल. आर. एम. से बसंतपुर जिला अस्पताल रोड तक पी.सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	10.00
4	वार्ड क्रं. 43 सर्किट हाउस के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	15.00
5	वार्ड क्रं. 43 सर्किट हाउस वार्ड मे शिव साहू से दीपांकर घर तक आर.सी.सी. नाली एवं बंगाली चाल, गौड़ पारा में पी.सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	15.00
6	वार्ड क्रं. 44 कौरिनभाठा आदिवासी पारा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	10.00
7	वार्ड क्रं. 44 कौरिनभाठा वार्ड मे जगन सोनवानी घर से माणिक जांगड़े घर तक, दुर्गा मंदिर से गौरा-चौरा तक आर.सी.सी. नाली निर्माण एवं विश्वकर्मा घर से बग्गा घर तक पी.सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	10.00
8	वार्ड क्रं. 45 रामकृष्ण वार्ड मे डी.एफ.ओ. बंगला के पास आर.सी.सी. नाली एवं गणपति विहार मे पी. सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	15.00
9	वार्ड नं. 46 मे आस्था भवन के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	7.00
10	वार्ड क्रं. 47 मोहारा वार्ड मे ए.एच.पी. आवास के पास पी.सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य	10.00
11	वार्ड क्रं. 48 नंदई वार्ड कोठार पारा, यादव पारा, हरिहारनो गली, नंदई चौक, कसेर पारा एवं गौड़ पारा मे आर.सी.सी. नाली एवं पी.सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	15.00
12	वार्ड क्रं. 49 मोहड़ वार्ड मे साहू पारा मे सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	10.00
13	वार्ड क्रं. 50 सिंगदई वार्ड मे ताराचंद निषाद के घर से हिरा सिंह निषाद के घर तक, मनसुख साहू के घर से मुकेश रावटे के घर तक, हिरदे देवांगन के घर से कन्हैया निषाद के घर तक, पायल किराना स्टोर आबादी पारा मे पी.सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण।	15.00
14	वार्ड क्रं. 51 हल्दी वार्ड मे बाजार चौक से सार्वजनिक शौचालय इट्टा भट्टा रोड, भंवरमरा रोड़ मे पी.सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	10.00

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा से संबंधित सामान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से एवं विभागीय वेबसाईट www.mcrjn.com एवं www.uad.cg.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

(आयुक्त महो. द्वारा अनुमोदित)

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम राजनांदगांव

राशिफल

मेष मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

शब्द पहेली - 5809

बाएँ से दाएँ
1. नेमत, वर, ईष्टकृपा -4
3. उद्देश्य, ध्येय-4
8. सयाना, चतुर-4,3
10. मनुष्य-3
11. मोल, दाम-3
13. बैठने का स्थान-3
15. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17. पराजित-2
18. वध, कत्ल-2
19. काव्यकार, शायर-2
21. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25. आक्रमण, प्रहार-3
26. पालतू जानवर-3
27. ईश्वर, भगवान-7
30. ईश्वरीय कृपा-4
31. भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे
2. असुर, दैत्य-3
4. गागर, घड़ा-3
5. मन की करना-4
6. प्रार्थना, ईश वंदना-4
7. चरित्र, ईमान-3
8. कार्यविधि-3
9. रेखा, लाईन-3
12. माला का मोती-3
13. राहत, विश्राम-3
14. कैनाल, उपनदी-3
16. नगद राशि-3
20. रुदन -3
22. पक्षियों का शोर-4
23. मध्यांग, कटि-3
24. 12 राशियों का समूह-4
25. महल, बड़ा भवन-3
28. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29. अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली- 5808 का हल

स	ज	दा	क	र	ना	■	म	त	वा	ला
ह	रा	■	त	■	का	म	ना	■	दा	वा
न	■	बे	र	ह	म	■	ना	रा	■	रि
शी	ल	वा	न	■	या	द	■	नी	र	स
ल	■	प	■	ख	ब	र	ची	■	न	■
ता	र	न	हा	र	■	का	न	भ	र	ना
■	म	■	र	ह	ब	र	■	यं	■	प
प्र	ण	य	■	रा	हु	■	ब	क	वा	स
ति	■	दा	स	■	बे	क	रा	र	■	न्द
का	न	■	चि	रा	ग	■	म	■	क	हो
र	म	जा	न	■	म	द	द	क	र	ना

सूडोकू नवताल - 5819

कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5818 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

MANGAL SENACHA, BANGA...ORE

नई दिल्ली। भारतवंशी सुनीता विलियम्स 9 महीने बाद स्पेस से धरती पर वापस की उड़ान भर चुकी है। भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह वो धरती पर होंगी। विलियम्स की वापसी पर दुनियाभर की निगाहें हैं। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि इंसानों से पहले जानवर पृथ्वी से बाहर स्पेस में गए थे। शुरू में वैज्ञानिकों को यह समझने की ज़रूरत थी कि जीवित प्राणी माइक्रो ग्रैविटी, रेडिएशन और अत्यधिक तापमान सहित स्पेस की कठोर परिस्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया करेंगे। कई तरह के जानवरों ने हमारे ग्रह से परे ऐतिहासिक यात्रा की है।

अमेरिका ने भेजा था चिम्पैंजी, मकड़ियों ने भी जीरो ग्रैविटी में बुने थे जाल

लाइका- ऑर्बिट में जाने वाला पहला जानवर : शायद सबसे प्रसिद्ध स्पेस जानवर, लाइका (मास्को का एक स्ट्रीट डॉग) पृथ्वी की ऑर्बिट में जाने वाला पहला जीवित प्राणी बन गया। उसे 1957 में सोवियत संघ के स्पुतनिक 2 पर लॉन्च किया गया था। दुर्भाग्य से लाइका मिशन में जीवित नहीं बचा, लेकिन उसके बलिदान ने ह्यूमन स्पेस ट्रेवल का मार्ग प्रशस्त किया।

- फ्रूट फ्लाइस थीं स्पेस में पहुंचने वाले पहली जीवित प्राणी
- 1947 में अमेरिका द्वारा वी-2 रॉकेट पर लॉन्च किया गया था फ्रूट फ्लाइस को

हैम और एनोस- स्पेस चिम्पैंजी : अमेरिका ने 1961 में मर्करी-रेडस्टोन 2 पर सवार होकर हैम नामक चिम्पैंजी को स्पेस में भेजा था। हैम का मिशन विशेष रूप से अभूतपूर्व था क्योंकि उसने दिखाया कि प्राइमेट स्पेस में कार्य कर सकते हैं, जिससे यह साबित हुआ कि ह्यूमन स्पेस ट्रेवल भी ऐसा ही कर सकते हैं। एनोस, एक और चिम्पैंजी उस वर्ष बाद में पृथ्वी की ऑर्बिट में जाने वाला पहला चिम्पांजी बन गया।

चंद्रमा पर कछुए भी भेजे गए : 1968 में,सोवियत संघ ने ज़ोंड 5 पर दो कछुए, फ्रूट फ्लाइस के अंडे और मीलवर्म भेजे, जो चंद्रमा का चक्कर लगाने और सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौटने वाला पहला स्पेसक्राफ्ट बन गया। कछुए बच गए, हालांकि उनका वजन कुछ कम हो गया था।

बिल्लियां, चूहे और मकड़ियों को भी भेजा गया : फ़ेलिसेट (एक फ्रांसीसी बिल्ली) 1963 में स्पेस में जाने वाली पहली बिल्ली बन गई। फ़ेलिसेट सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आई। चूहे, खरगोश और मेंढक सभी ने अंतरिक्ष मिशनों में भाग लिया है और उनके जीव विज्ञान पर जीरो ग्रैविटी के प्रभावों का परीक्षण किया है। 1973 में नासा ने अरबेला और अनीता नामक मकड़ियों को स्काईलैब पर भेजा ताकि यह देखा जा सके कि वे जीरो ग्रैविटी में जाल कैसे बुनती हैं। शुरुआती संघर्षों के बावजूद उन्होंने सफलतापूर्वक वहां अपना काम किया।

इंसानों से पहले अंतरिक्ष में पहुंच गए थे कई जानवर

फ्रूट फ्लाइस और अल्बर्ट बंदर

स्पेस में पहुंचने वाले पहली जीवित प्राणी फ्रूट फ्लाइस थीं, जिन्हें 1947 में अमेरिका द्वारा **V**-2 रॉकेट पर लॉन्च किया गया था। इन छोटे जीवों ने रिसर्चर्स को जैविक जीवों पर कॉस्मिक रेडिएशन के प्रभावों का अध्ययन करने में मदद की। 1948 में, अल्बर्ट **I** (एक रीसस बंदर) को एक अन्य **V**-2 रॉकेट पर भेजा गया था। दुख की बात है कि वह बच नहीं पाया। इसके बाद अल्बर्ट **II**, **III** और **IV** के साथ उड़ानें हुईं, जिसमें अल्बर्ट **II** सफलतापूर्वक स्पेस में पहुंचने वाला पहला बंदर बन गया। हालांकि वह दोबारा प्रवेश के दौरान मर गया।

खबर संक्षेप

नफरती ट्वीटः कपिल मिश्रा को राहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान कथित रूप से आपत्तिजनक ट्वीट करने को लेकर दिल्ली के मौजूदा कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ निचली अदालत में कार्यवाही पर रोक लगाने से मंगलवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति रविंद्र डुडेजा ने सत्र अदालत के उस आदेश को चुनौती देने वाली भाजपा नेता की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया, जिसमें मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा जारी समन के खिलाफ मिश्रा की याचिका को खारिज कर दिया गया था।

होंडुरास : समुद्र में प्लेन क्रैश संगीतकार समेत 7 की मौत

ला सेइबा। सोमवार रात होंडुरास के कैरिबियन तट पर प्लेन क्रैश में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दस लोगों को मलबे से बचा लिया गया। अधिकारियों ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि होंडुरास के रोआतान द्वीप से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद एक विमान समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दस लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। दुर्घटना का कारण हालांकि, अभी तक स्पष्ट नहीं है।

पैसे देकर बना रहे थे ईसाई, 2 गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में स्थानीय लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए कैश और दूसरे तरह के लालच देने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान रतिलाल परमार और भंवरलाल पारधी के रूप में हुई है। दोनों ने कुछ हिंदू लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए 20 हजार रुपए कैश दिए थे।

संसद में बोले प्रधानमंत्री मोदी

'महाकुंभ में राष्ट्रीय चेतना के दर्शन हुए, पूरे विश्व ने देखा भारत का विराट स्वरूप'

प्रयागराज में 26 फरवरी को हुआ था महाकुंभ का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

संसद में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ पर स्पीच दी। उन्होंने कहा, 'हम सब जानते हैं कि गंगा जी को धरती पर लाने के लिए बहुत प्रयास लगा था। वैसा ही महाप्रयास इस महाकुंभ के भव्य आयोजन में भी हमने देखा। मोदी ने कहा, 'पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। ये जनता जनार्दन का, जनता के संकल्पों के लिए और जनता की श्रद्धा से प्रेरित महाकुंभ था। महाकुंभ में हमने राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए हैं। ये राष्ट्रीय चेतना नए संकल्पों के सिद्धि के लिए प्रेरित करती है।' सदन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले साल अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हम सभी ने यह महसूस किया था कि देश अगले हजार वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इस बार महाकुंभ के आयोजन ने हम सभी के विचार को अर्पण किया।

आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण

मानव जीवन के इतिहास में भी अनेक ऐसे मोड़ आते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण बन जाते हैं। हमारे देश के इतिहास में भी ऐसे पल आए हैं, जिन्होंने देश के जागरूक कर दिया। पीएम मोदी ने कहा, 'देश की सामूहिक चेतना का नतीजा महाकुंभ के दौरान देखने को मिला। युवा पीढ़ी भी पूरे भाव से महाकुंभ से जुड़ी। महाकुंभ पर सवाल उठाने वालों को जवाब मिला है। देश के कोने-कोने में आध्यात्मिक चेतना उभरी है। पीएम मोदी ने मॉरिशस यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि वहां के गंगा तालाब में त्रिवेणी का पवित्र जल डाला।'

भाषण खत्म होने के बाद सदन में हंगामा

पीएम मोदी ने महाकुंभ पर अपना संबोधन जैसे ही खत्म किया, वैसे ही विपक्षी सांसदों ने वेल के पास आकर हंगामा मचाना शुरू कर दिया और सवाल करने की मांग करने लगे। जिसके बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि नियम 372 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि प्रधानमंत्री या कोई भी मंत्री सदन में बिना कोई प्रश्न लिए वक्तव्य दे सकता है। उस समय सदन में कोई भी सवाल नहीं पूछा जा सकता है।

मैं महाकुंभ पर मोदी के भाषण का समर्थन करना चाहता था

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाकुंभ पर दिए गए बयान पर कहा कि मैं पीएम की बात का समर्थन करना चाहता था, लेकिन उन्होंने महाकुंभ भगदड़ में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि नहीं दी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि उनको बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने संसद परिसर में अपनी बात रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रोजगार के बारे में बोलना चाहिए था।

विपक्ष को भी बोलने की अनुमति मिलनी चाहिए थी- प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, 'वह महाकुंभ पर सकारात्मक बोल रहे थे। विपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए था, क्योंकि विपक्ष की भी इसके प्रति भावनाएं हैं और अगर हम अपनी बात रखते हैं तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए थी। विपक्ष को भी दो मिनट बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए थी।'

'सक्षम और दिव्यांग उम्मीदवार से नहीं ले सकते अलग यूपीएससी परीक्षा'

पूजा खेडकर केस में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व आईएएस प्रोबेशनर अधिकारी पूजा खेडकर मामले में कहा कि सक्षम और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए अलग-अलग परीक्षा नहीं ली जा सकती। पूजा खेडकर पर फर्जी तरीके से सिविल सेवा परीक्षा में दिव्यांग और ओबीसी कोटे का फायदा लेने और धोखाधड़ी करने का आरोप है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने पूजा खेडकर की याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तारीख तय की है। पूजा खेडकर के वकील ने दिल्ली सरकार के हलफनामे का जवाब देने के लिए कुछ समय देने की मांग की थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल की तारीख तय की। साथ ही अदालत ने 15 अप्रैल तक ही पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से राहत दे दी। दिल्ली सरकार की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पूजा खेडकर को राहत देने का विरोध किया और कहा कि उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत है।

- सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी से 15 अप्रैल तक दी राहत

पूजा खेडकर पर हैं ये आरोप

पूजा खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने ट्रेनिंग पीरियड के दौरान सरकारी आवास, स्टाफ, गाड़ी और दफ्तर में अलग केबिन की मांग की। अपनी निजी ऑडी कार पर लाल-नीली बत्ती और महाराष्ट्र सरकार का लोगो लगाया। उन्होंने चोरी के आरोप में गिरफ्तार एक ट्रांसपोर्टर को छोड़ने के लिए डीसीपी रैंक के अधिकारी पर दबाव बनाया। उन्होंने आईएएस बनने के लिए झूठे दस्तावेज का इस्तेमाल करते हुए यूपीएससी के फार्म में खुद को ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर बताया। पूजा ने दिव्यांगता श्रेणी के तहत यूपीएससी का आवेदन पत्र भरा था। दावा किया गया कि वह 40 फीसदी दृष्टिबाधित हैं और किसी मानसिक बीमारी से जूझ रही हैं। हालांकि मेडिकल के दौरान वह हर बार नहीं पहुंची।

इजरायल की एयरस्ट्राइक

गाजा पर फिर बड़ा हमला

हमास के मंत्रियों समेत 400 से ज्यादा की मौत

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

गाजा में इजरायल के एयरस्ट्राइक में हमास के कई प्रमुख नेता मारे गए हैं। हमले में हमास सरकार के प्रमुख, आंतरिक मंत्रालय के महानिदेशक महमूद अबू वाटफा, हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य अबू ओबैदा मोहम्मद अल-जमासी और इस्साम अ-दालीस भी इनमें शामिल थे। हमास के आंतरिक सुरक्षा प्रमुख बहजत अबू सुल्तान और न्याय मंत्रालय के महानिदेशक अबू अम्र अल-हत्ता भी इन हमलों के शिकार बने हैं। हमास ने इसकी पुष्टि की है।

ज्यादातर मृतकों में आम लोग

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजरायली सेना द्वारा गाजा पर किए गए हमलों ने 400 से अधिक लोग मारे गए हैं। गाजा की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि रमजान के महीने में हुए इस हवाई हमलों में ज्यादातर बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग मारे गए हैं और लगभग 150 लोग घायल हुए हैं।

सीजफायर के दो महीने बाद सबसे बड़ा हमला

सीजफायर के करीब 2 महीनों के बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में फिर से बमबारी शुरू कर दी। इजरायल का आरोप है कि हमास ने बंधकों की रिहाई रोककर सीजफायर का उल्लंघन किया है, जिसके बाद उसने फिर से हमले शुरू कर दिए हैं।

'उद्धव ने पीएम मोदी से मिलकर मांगी थी माफी'

मैं शेर का बच्चा हूं

उद्धव की पार्टी के नेता अनिल परब को निशाने पर लेते हुए शिंदे ने कहा, आप भी दिल्ली गए थे और वहां जाकर माफी मांगी और राज्य में वापस आकर पलटी मार ली। मैं शेर का बच्चा हूं, 80 सीटों पर लड़ा और 60 सीटें जीतीं. अनिल परब, आपकी सारी बातें मुझे पता हैं। नोटिस से डरकर कौन कहां गया, मुझे सब पता है।

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर में हिंसा को लेकर जमकर सियासी बवाल मचा हुआ है। महायुति और महाविकास अघाड़ी के नेता एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इसी बीच उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानपरिषद में बड़ा दावा किया। उद्धव ठाकरे पर हमला बोलते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा, कुर्सी के लिए उन्होंने बालासाहेब ठाकरे के विचार छोड़ दिए। आपने कांग्रेस के साथ जाकर कुर्सी हासिल की, विचारधारा छोड़ दी। उनके प्रमुख (उद्धव ठाकरे) दिल्ली गए थे और वहां जाकर माफी मांगी। उन्होंने कहा कि हमें बचा लो, हम महायुति सरकार में शामिल हो जाएंगे, लेकिन मैंने उनका खेल पलट दिया। नोटिस आने पर वे माफी मांगने गए थे।

- महाराष्ट्र के पूर्व सीएम शिंदे का बड़ा दावा

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

स्थानीय संगठन ने लगाए धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप

एक्ट्रेस हेमा मालिनी के जगन्नाथ मंदिर जाने पर बवाल, एफआईआर दर्ज

एजेंसी ▶▶ पुरी

एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन हेमा मालिनी के खिलाफ सोमवार को धार्मिक भावनाएं आहत करने पर शिकायत दर्ज हुई है। हाल ही में एक्ट्रेस पुरी जगन्नाथ मंदिर दर्शन करने पहुंची थीं। मंदिर से वीडियो सामने आने के बाद विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि एक्ट्रेस का मंदिर में प्रवेश अवैध है। हेमा मालिनी के खिलाफ पुरी के स्थानीय संगठन श्री जगन्नाथ सेना ने शिकायत दर्ज करवाई है। सिंहद्वार पुलिस स्टेशन में हुई शिकायत में आरोप हैं कि हेमा मालिनी ने धार्मिक नियमों का उल्लंघन किया है। संगठन ने आरोप लगाए हैं कि हेमा मालिनी के पति धर्मेंद्र ने उनसे शादी करने के लिए इस्लाम धर्म अपना लिया था और उनकी शादी भी मुस्लिम रीति-रिवाजों से हुई है, ऐसे में उनके मंदिर में प्रवेश करने से हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंची है।

यह है शिकायत

शिकायत के अनुसार, हेमा मालिनी और धर्मेंद्र ने 21 अगस्त 1979 को मुंबई में मौलाना काजी अब्दुल्ला फैजाबादी द्वारा निकाह समारोह आयोजित किया था। इसमें आरोप लगाया गया है कि धर्मेंद्र, जो पहले से ही प्रकाश कौर से विवाहित थे और चार बच्चों के पिता थे, उन्होंने हिंदू विवाह अधिनियम 1955 को दरकिनार करने के लिए इस्लाम धर्म अपना लिया।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल साइकिल रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्प्लेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेण्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथेरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

'सिकंदर' का नया गाना रिलीज

मुंबई। सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' का गाना 'नाचे सिकंदर' रिलीज हो गया है। गाने ने आते ही फैंस के बीच हंगामा मचाना शुरू कर दिया है। हाल ही में इसका टीजर जारी किया गया था, जिसकी वजह से प्रशंसक पहले से ही काफी ज्यादा उत्साहित थे। इस गाने में सलमान अपने खास अंदाज और जोरदार डांस मूव्स के साथ स्क्रीन पर छा गए हैं। रश्मिका मंदाना ने अपनी खूबसूरती और बेहतरीन डांस से उनका भरपूर साथ दिया है। गाने के हुक स्टेप्स मशहूर 'डबके' डांस से प्रेरित हैं।शानदार सेट्स और तुर्की के मशहूर डांसर्स की मौजूदगी ने इसे गाने में चार चांद लगा दिए हैं। कोरियोग्राफर अहमद खान ने इसमें तुर्की स्टाइल जैसा फील डाला है, जिसकी वजह से गाना और भी ज्यादा खास बन गया है। गाने का म्यूजिक जैम8 ने तैयार किया है। समीर ने इसके बोल लिखे हैं।

लाइफ Style

समीरा

जिम और डाइट से हासिल की फिटनेस

एजेंसी ▶▶ मुंबई

समीरा रेड्डी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े अपडेट यहां शेयर करती नजर आती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी फिटनेस यात्रा के बारे में फैंस को बताया। साथ ही यह खुलासा भी किया कि उनका वजन बहुत ज्यादा कम नहीं हुआ है, बल्कि उनके इंचेज कम हुए हैं।

समीरा रेड्डी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया। इसमें अपनी फिटनेस को लेकर खुशी जताती नजर आईं। समीरा रेड्डी पर्पल ट्राउजर और व्हाइट टॉप में नजर आ रही हैं, जिसके साथ व्हाइट ब्लेजर कैरी किया है। समीरा रेड्डी ने बताया कि उन्होंने जिम, कार्डियो और डाइट के जरिए यह फिटनेस हासिल की है। वे अब काफी फिट और मजबूत महसूस कर रही हैं। समीरा रेड्डी ने अपने पोस्ट में बताया कि आखिरकार कपड़े फिट आने लगे हैं। हालांकि, इस फिटनेस यात्रा में उनके वजन में बहुत ज्यादा अंतर नहीं आया है। उनका वजन 90 किलो से 88 किलो हो गया है। यानी सिर्फ दो किलो का अंतर आया है। लेकिन, उनके इंच घटे हैं। समीरा रेड्डी ने पोस्ट शेयर कर लिखा है, 'किलो नहीं, इंच कम हुए हैं। 'जिम, डाइट और कार्डियो से वजन में ज्यादा बदलाव नहीं आया है, लेकिन इंच में जरूर बदलाव आया है, जो कि मैं चाहती हूं। हालांकि, मैं 90 किलो से 88 किलो पर आ गई हूं। मेरी मसल्स बढ़ी हैं। मैं अब ज्यादा मजबूत महसूस करती हूं। स्टेमिना बढ़ गया है और कपड़े भी अब फिट आ रहे हैं'। समीरा ने आगे लिखा, 'छोटी-छोटी जीत का जश्न मनाना इस फिटनेस यात्रा में उत्साह और जोश बनाए रखने का सबसे बढ़िया तरीका है'।

हॉलीवुड मसाला

गला घोंटने की बात स्वीकारी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता जोनाथन मेजर्स को अपनी पूर्व प्रेमिका ग्रेस जब्बारी को परेशान करने के मामले में दोषी पाया गया था। अब इस मामले में इन दोनों के बीच के झगड़े का एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आया है, जिसमें अभिनेता उन्हें उत्पीड़न करने और गला घोंटने की बात स्वीकार कर रहे हैं। यह ऑडियो सितंबर 2022 का बताया जा रहा है। इसमें जब्बारी ने अभिनेता जोनाथन से बात करते हुए अपने ऊपर किए हमले को लेकर सवाल किया है।

अगले साल का ऑस्कर भी होस्ट करेंगे कॉनन

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड फिल्म एकेडमी की तरफ से बताया गया कि अगले साल यानी 2026 में होने वाले ऑस्कर अवॉर्ड के होस्ट फिर से कॉनन ओ'ब्रायन ही होंगे। यह अवॉर्ड अगले साल 15 मार्च को होगा। 98वें ऑस्कर अवॉर्ड का होस्ट बनकर कॉनन ओ'ब्रायन भी काफी खुश हैं। कॉनन ओ'ब्रायन कहते हैं, 'अगले साल ऑस्कर को होस्ट करने का एक अकेला कारण यह है कि मैं एड्रियन ब्रॉडी को उनकी स्पीच खत्म करते हुए सुनना चाहता हूं।' इस अवॉर्ड के ब्रॉडकास्टर एबीसी के अनुसार भी मार्च महीने की शुरुआत में 97वें ऑस्कर अवॉर्ड को लगभग 19.7 मिलियन दर्शकों ने देखा। यह 2025 का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला प्राइम टाइम एंटरटेनमेंट शो भी था। इस बार के ऑस्कर अवॉर्ड में कॉनन की होस्टिंग की, कॉमेडी की काफी तारीफ हुई।

तापसी ने कहा -मेरे लिए कुछ भी नहीं बदला

मुंबई। कुछ दिनों पहले अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने यह दावा किया था कि फिल्म 'पिंक' के प्रमोशन के दौरान उन्हें नजरअंदाज किया गया था। कीर्ति कुल्हारी के इस दावे पर अब फिल्म 'पिंक'की मुख्य अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कीर्ति के साथ अपने रिश्तों पर तापसी ने कहा, 'उसने हमारे रिश्ते या स्थिति को एक निश्चित तरीके से देखा, इसलिए शायद उसने मुझसे दूरी महसूस की। मैंने हमेशा उसके साथ पेशेवर रवैया अपनाया और अब भी रखती हूं। मैंने उसके साथ मिशन मंगल में भी काम किया है और मुझे नहीं लगता कि पेशेवर तौर पर मेरे लिए कुछ बदला है, क्योंकि जहां से मैंने देखा, मुझे कोई असमानता नहीं दिखी। इसलिए, मेरे लिए, यह वही लड़की थी जिसके साथ मैंने पिंक में काम किया था।

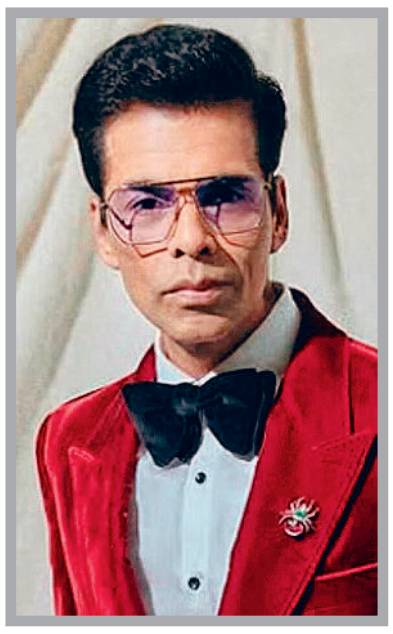

करण ने किया खुशी व इब्राहिम का बचाव

मुंबई। सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने इस महीने फिल्म 'नादानियां' से डेब्यू किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई है, जिसमें इब्राहिम के साथ खुशी कपूर नजर आई हैं। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली है, उल्टा आलोचनाएं हो रही हैं। इब्राहिम और खुशी को भी ट्रोल किया जा रहा है। खुशी और इब्राहिम की ट्रोलिंग पर अब तक कई सेलेब्स उनका बचाव कर चुके हैं। अब हाल ही में करण जौहर ने दोनों सितारों का बचाव किया है। यहां उनसे 'नादानियां' को मिल रहे नेगेटिव रिव्यूज पर सवाल किया गया। करण जौहर ने 'नादानियां' की आलोचना पर कहा, 'मैं बस ये ही कहूंगा, एक पुरानी फिल्म का अल्फाज है कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना...छोड़ो बेकार की बातें, बीत न जाए रैना'।

टीवी मसाला

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में आने वाले हैं कई ट्विस्ट

नई दिल्ली। टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की कहानी में फिर एक बार 5 महीने का लीप आने की खबर है। जानकारी के मुताबिक मेकर्स शो में कुछ बड़े ट्विस्ट लाने जा रहे हैं ताकि यह टीआरपी ग्राफ पर फिर नई छलांग लगा सके। अरमान और अभिरा आईवीएफ के जरिए अपने परिवार की नई शुरुआत करना चाहते थे लेकिन बार-बार कंसीव करने की उनकी कोशिश नाकाम रहेगी। दोनों आईवीएफ ट्रीटमेंट ट्राय करेंगे लेकिन यह भी फेल हो जाएगा। डॉक्टर दोनों को सरोगेसी की सलाह देंगी लेकिन अरमान इस पर राजी नहीं होगी। अभिरा बार-बार उसे समझाने की कोशिश करेगी लेकिन अरमान नहीं चाहता कि अभिरा के अलावा कोई और उसके बच्चे की मां बने। अभिरा अपने पति अरमान को राजी करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वह अरमान को बताएगी कि वह अब मां बनना चाहती है और इसके लिए कुछ भी करने को तैयार है। आखिरकार अरमान को अपनी पत्नी के आगे झुकना होगा। दोनों सरोगेट मदर की तलाश शुरू करेंगे और आखिरकार उन्हें एक लड़की इसके लिए मिल जाएगी। यह लड़की कोई और नहीं, बल्कि रोहित की पत्नी रूही होगी। दोनों इसी लड़की के साथ अपने ट्रीटमेंट को आगे बढ़ाने का फैसला लेंगे। रोहित भी इसके लिए राजी हो जाएगा और अरमान-अभिरा के दर्द और उनकी जरूरत को समझेगा कि दोनों अभी किस तकलीफ से गुजर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक कहानी में 5 महीने का लीप आएगा और कहानी आगे बढ़ जाएगी।

सामने आएगा वसुंधरा का काला सच फूटेगा अनुपमा के गुस्से का ज्वालामुखी

नई दिल्ली। टीवी सीरियल अनुपमा का नया प्रोमो वीडियो जारी कर दिया गया है। अनुपमा की बेटी राही का एडमिशन इंटरव्यू लेटर जला देने के बाद मोटी बा ऐसी अनजान बनी बैठी है, जैसे उन्हें कुछ पता ही नहीं हो। होली पार्टी के दौरान प्रेम को मैसेज के जरिए इंस्टीट्यूट से यह पता चलेगा कि उन्हें लेटर भेजा गया था और इसे किसी ने उनके यहां से रिसीव भी किया था। इंस्टीट्यूट बताएगा कि उनका एडमिशन कैंसिल कर दिया गया है क्योंकि वो दोनों इंटरव्यू के लिए नहीं पहुंचे थे। मोटी बा यह सब देख रही होगी लेकिन चुपचाप बैठी रहेगी। लेकिन वहीं पर मौजूद अनुपमा वसुंधरा कोठारी के हावभाव पढ़ लेगी। मोटी बा की कही पुरानी बातों को उसके वर्तमान हावभावों से जोड़कर देखते हुए अनुपमा समझ जाएगी कि हो ना हो, वसुंधरा कोठारी इस मामले में कुछ ना कुछ तो जरूर जानती हैं। क्योंकि अनुपमा खुद भी अपनी सास की ऐसी हरकतें देख चुकी है, इसलिए भी उसे मोटी बा पर शक होगा।

रेखा के काफी नखरे थे, अमिताभ के साथ नहीं थे अच्छे संबंध...

नई दिल्ली। रेखा हिंदी सिनेमा की सबसे बेहतरीन और खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह अपने समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेसेस में से थीं और यही वजह है कि हर डायरेक्टर उन्हें अपनी फिल्म में लेना चाहता था। अब रेखा को लेकर इंडियन सिनेमा का पॉपुलर विलेन रंजीत ने कुछ बातें बताई हैं। उन्होंने बताया कि कैसे एक बार उन्होंने रेखा को अपनी फिल्म के लिए साइन किया था, लेकिन फिर उन्होंने एक्ट्रेस से साइनिंग अमाउंट वापस मांगा। ऐसा क्यों हुआ आगे बताते हैं।

रेखा को किया साइन : रंजीत ने एक इंटरव्यू में बताया कि एक समय ऐसा था जब वह परेशान हो गए थे उन रोल को लेकर जो उन्हें ऑफर किए जा रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैंने एक दशक तक फिल्में साइन नहीं की। मैं परेशान हो गया था, इसलिए मैंने अपनी फिल्में बनाने का सोचा। मैं एक्टर्स को पैसे देते थे उनके काम के बाद, लेकिन कुछ मुझसे नहीं लेते थे जो हमारे बीच बॉन्ड होता था उस वजह से। वैसे ही मैंने एक बार रेखा को बोला कि आप मेरी दोस्त हो, लेकिन मैं आपको एक फिल्म में लेना चाहता हूं। आप मुझे एक अमाउंट बता दो और मैं आपको पैसे दे दूंगा और उन्होंने बताया। इसके बाद मुझे एहसास हुआ कि किसी और ने जिन्होंने उन्हें अपनी किसी फिल्म में साइन किया होगा वह उन्हें 5 लाख दे रहे हैं और ये अमाउंट उससे कम था जो उन्होंने मुझे बताया था।' रंजीत ने आगे कहा, 'मुझे पता है कि उनके घर के बाहर प्रोड्यूसर्स की लाइन होती है जो उनसे मिलने चाहते हैं। मैंने जब उन्हें स्टोरी बताई, मेरी पूरी टीम बाहर इंतजार कर रही थी क्योंकि रेखा ने सबको नहीं आने दिया था। मैंने रेखा को बोला भी, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें बाहर ही इंतजार करने दो। सिर्फ फरजाना (रेखा की मैनेजर) ही सबके मैसेज रेखा तक पहुंचाती थी। वह किसी से नहीं मिलती थीं।'

पहली फिल्म से रातोंरात स्टार बने नवीन निश्चल

पहली पत्नी ने दिया तलाक-दूसरी की वजह से गए जेल

नई दिल्ली। नवीन निश्चल ने हिंदी सिनेमा में अपनी एक खास पहचान बनाई। उनका जन्म 18 मार्च 1946 को लाहौर में हुआ था। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत 1970 में फिल्म 'सावन भादो' से की थी। नवीन निश्चल का जीवन उतार-चढ़ाव से भरा रहा। उन्होंने सिनेमा में शानदार योगदान दिया, तो दूसरी ओर उनकी निजी जिंदगी चर्चा का विषय बनी रही। उनका फिल्मी सफर और पर्सनल लाइफ आज भी लोगों के लिए बीच जिज्ञासा का विषय है।

नवीन का कॅरियर

नवीन निश्चल ने फिल्म और टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से अभिनय की शिक्षा ली और वह एफटीआई के फर्स्ट गोल्ड मैडलिस्ट रहे। उनकी पहली फिल्म 'सावन भादो' थी। इस फिल्म में नवीन की

को-स्टार रेखा थीं। यह फिल्म हिट रही। इस सफलता ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इसके बाद नवीन ने विक्टोरिया नंबर 203 , बुड्ढा मिल गया, धुंध, हंसते जख्म और परवाना जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया। नवीन की आखिरी फिल्म खोसला का घोसला थी, जिसमें उन्होंने सहायक किरदार निभाया था।

टीवी में किया अभिनय

नवीन के करियर में कई उतार-चढ़ाव आए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सेट पर नवीन के नखरे और सह-कलाकारों और निर्माताओं के साथ तनाव की वजह से उनकी लोकप्रियता कम हुई। बाद में उन्होंने टीवी की ओर रुख किया और देख भाई देख जैसे शो में काम किया।

दो शादी और तलाक

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नवीन ने अपनी पहली शादी अभिनेता देव आनंद की भतीजी नीलू कपूर से की थी। इस शादी से उनकी दो बेटियां, नताशा और नोमिता हुईं। हालांकि, उनके को-स्टार पद्मिनी कपिला के साथ कथित अफेयर की खबरों के बाद नीलू ने उन्हें तलाक दे दिया। इसके बाद 1996 में नवीन ने गीतांजलि से दूसरी शादी की। यह रिश्ता भी विवादों में रहा। 2006 में गीतांजलि ने आत्महत्या कर ली और अपने सुसाइड नोट में नवीन पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। इस मामले में नवीन को जेल भी जाना पड़ा, लेकिन बाद में उन्हें जमानत मिल गई।

सिर्फ बॉलीवुड तक ही सीमित नहीं, हॉलीवुड में भी थे एक जाना-पहचाना चेहरा

बाल कलाकार के रूप में कॅरियर शुरू कर फिल्मों में चमके थे शशि कपूर

नई दिल्ली। शशि कपूर अपने जमाने में बॉलीवुड के सुपरस्टार थे। अपनी अदाकारी से वह फिल्मों में जान डाल देते थे। उन्होंने देश-विदेश में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया था और इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई। जब शशि कपूर ने इस दुनिया को अलविदा कहा, तब हिंदी सिनेमा को बहुत बड़ा झटका लगा था। आज भी उनकी फिल्में और डायलॉग लोगों के दिलों में जिंदा हैं। मंगलवार को अभिनेता की 87वीं जयंती थी।

परिवार : शशि कपूर हिंदी सिनेमा के सबसे पहले और सबसे बड़े परिवार 'कपूर खानदान' की दूसरी पीढ़ी का हिस्सा थे। शशि कपूर के निधन के साथ ही पृथ्वीराज कपूर के परिवार की दूसरी पीढ़ी का अंत हो गया, क्योंकि शशि पृथ्वीराज कपूर के सबसे छोटे बेटे थे। उन्होंने मशहूर अभिनेत्री जेनिफर केंडल से शादी की। इस शादी से उन्हें तीन बच्चे कुणाल कपूर, करण कपूर और संजना कपूर पैदा हुए। कुणाल कपूर ने शीना सिप्पी से शादी की। शीना मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक रमेश सिप्पी की बेटी हैं। उन्होंने अपने बेटे का नाम सिनेमा में कपूर खानदान की नींव रखने वाले पृथ्वीराज कपूर के नाम पर रखा, जहान पृथ्वीराज कपूर है। उनकी बेटी का नाम सायरा है। शशि कपूर के दूसरे बेटे करण कपूर ने लोरना से शादी की और जाक कपूर और आलिया कपूर नाम के उनके दो बच्चे हैं। शशि कपूर की तीसरी संतान संजना कपूर ने दो शादियां कीं। पहली शादी उन्होंने निर्माता-अभिनेता आदित्य भट्टाचार्य से की। दूसरी शादी उनकी वाल्मीक थापर से हुई, इस शादी से उन्हें एक बेटा हमीर थापर है।

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर

शशि कपूर ने दीवार, कभी-कभी, नमक हलाल, सत्यम शिवम सुंदरम, शर्मीली और शान जैसी कुछ ब्लॉकबस्टर फिल्मों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। शशि कपूर उन चंद बॉलीवुड अभिनेताओं में से एक थे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में सफलतापूर्वक कदम रखा। उन्होंने 12 अंग्रेजी भाषा की फिल्मों में काम किया। उन्होंने मर्चेंट-आइवरी प्रोडक्शंस के साथ बड़े पैमाने पर सहयोग किया, जिसमें द हाउसहोल्डर, शेक्सपियर वाला, बॉम्बे टॉकी, हीट एंड डस्ट जैसी प्रशंसित फिल्मों में अभिनय किया। शशि कपूर की लोकप्रियता सिर्फ बॉलीवुड तक ही सीमित नहीं थी, वे हॉलीवुड में भी एक जाना-पहचाना चेहरा थे।

कॅरियर

शशि कपूर अपने कॅरियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर द्वारा निर्देशित और निर्मित नाटकों में अभिनय किया और बाद में 1940 के दशक के अंत में शशिराज के नाम से बाल कलाकार के रूप में शुरुआत की। बाल कलाकार के रूप में उनकी सबसे प्रसिद्ध भूमिकाएं आग (1948) और आवारा (1951) में थीं, जहां उन्होंने अपने बड़े भाई राज कपूर द्वारा निभाए गए किरदारों की युवा भूमिकाएं निभाई थी।

प्रोडक्शन हाउस : *शशि कपूर ने 1970 के दशक के अंत में फिल्म वालास नाम से अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस स्थापित किया। इस बैनर के जरिए उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में बनाईं, जो कमर्शियल बॉलीवुड मसाला फिल्मों के बजाय सार्थक और ऑफबीट सिनेमा पर केंद्रित थीं। फिल्म वालास के तहत निर्मित कुछ बेहतरीन फिल्मों में जुनून, कलयुग, विजेता, 36 चौरंगी लेन और उत्सव शामिल हैं।*

उपलब्धियां : *2011 में शशि कपूर को कला-सिनेमा में उनके योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। 2015 में उन्हें 2014 दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिससे वे पृथ्वीराज कपूर और राज कपूर के बाद भारतीय सिनेमा में सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त करने वाले अपने परिवार के तीसरे सदस्य बन गए।*

खबर संक्षेप

टाटा मोटर्स अप्रैल से वाहनों की कीमतों में करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने अगले महीने से इलेक्ट्रिक वाहनों सहित अपने यात्री वाहनों की कीमतों में वृद्धि करने की मंगलवार को मंशा जाहिर की। कंपनी की ओर से इस साल यह दूसरी बढ़ोतरी होगी। टाटा मोटर्स ने बयान में कहा, मूल्य समायोजन कच्चे माल की बढ़ती लागत के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए किया जा रहा है। मूल्य वृद्धि की सीमा मॉडल और संस्करण के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने हालांकि प्रस्तावित मूल्य वृद्धि के बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी।

वेदांता का विभाजन चार नई कंपनियों में होगा

नई दिल्ली। वेदांता लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि कारोबार विभाजन से सृजित होने वाली चार नई कंपनियों में से प्रत्येक

में 100 अरब डॉलर की कंपनी बनने की क्षमता है। विविध कारोबार में सक्रिय वेदांता लिमिटेड के प्रस्तावित विभाजन से प्रबंध संरचना, पूंजीगत ढांचे और रणनीतिक प्राथमिकताओं के साथ चार स्वतंत्र प्राकृतिक संसाधन-केंद्रित कंपनियां अस्तित्व में आएंगी। अग्रवाल ने इस संबंध में शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा कि प्रस्तावित विभाजन वेदांता को विशुद्ध रूप से केंद्रित कारोबार बनाने में किस तरह से मददगार साबित होगा। वेदांता समूह की संरचना को सरल बनाने और अपने ऋण बोझ का प्रबंधन करने में मदद के लिए खनन समूह को विभिन्न व्यवसायों में विभाजित करने की योजना है।

बजाज ला रहा चेतक से भी सस्ता धांसू इलेक्ट्रिक स्कूटर, कीमत 90 हजार तक!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बजाज ऑटो जल्द ही एक नया अफोर्डेबल इलेक्ट्रिक स्कूटर लांच करने की तैयारी कर रहा है, जो चेतक का एक किफायती वैरिएंट हो सकता है। हाल ही में इस नए इलेक्ट्रिक स्कूटर को भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। स्पॉट किए गए मॉडल को कवर किया गया था, इसके बावजूद भी स्कूटर के कुछ खास डिजाइन और फीचर्स की डिटेल्स सामने आई है।

बजाज के सस्ते इलेक्ट्रिक स्कूटर में राउंड एलईडी हेडलाइट देखने को मिलती है। इसमें बिल्कुल चेतक की तरह क्लासिक लुक देने वाली सिंगल-पॉड एलईडी हेडलाइट मिलेगी। इसके अलावा नया टेललाइट सेटअप देखने को मिलता है। चेतक में जहां ड्यूल-टेललाइट होती है, वहीं नए मॉडल में सिंगल एलईडी टेललाइट दी जा सकती है। इसके साथ ही इसमें ओवल शेप्ड मिरर मिलता है। यह स्कूटर को एक प्रीमियम लुक देगा।बजाज के सस्ते इलेक्ट्रिक स्कूटर में कलर्ड डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है। भारतीय बाजार में इसका सीधा मुकाबला ओला एस1 एक्स (89,999 रुपये), एथर 450एस (1.10 लाख), टीवीएस क्यूब (1.25 लाख) और हीरो विडा वी1 (1.25 लाख) जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर्स से होगा। अगर बजाज इस नए स्कूटर की कीमत 80,000 रुपये से 90,000 रुपये के बीच रखता है, तो यह ओला और एथर जैसे ब्रांड्स को कड़ी टक्कर दे सकता है।

चेतक का एक किफायती वैरिएंट हो सकता है

परफॉर्मेंस और बैटरी

बजाज के सस्ते इलेक्ट्रिक स्कूटर के टॉप स्पीड की बात करें तो यह स्कूटर 50 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देने में सक्षम होगा। वहीं, इसमें मिलने वाली बैटरी और मोटर की बात करें तो इसमें हब-माउंटेड मोटर दी जाएगी, जो मिड-माउंटेड मोटर से सस्ती और एफिशिएंट होती है। चार्जिंग टाइम की बात करें तो उम्मीद है कि यह स्कूटर फास्ट चार्जिंग को भी सपोर्ट करेगा, जिससे इसे जल्दी चार्ज किया जा सके। इसके रेंज की बात करें तो ये प्रति चार्ज 60-80 किमी. की रेंज देने में सक्षम है। इसमें स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ फुली डिजिटल डिस्प्ले देखने को मिल सकता है। इसमें फ्रंट एप्रन हुक मिलता है।

हार्डवेयर और सेफ्टी फीचर्स

इसके फ्रंट में टेलिस्कोपिक फोर्क्स और पीछे ड्यूल शॉक एब्जॉर्बर सस्पेंशन होंगे। इसके ब्रेकिंग सिस्टम की बात करें तो इसके फ्रंट में डिस्क ब्रेक और रियर में ड्रम ब्रेक दिया जाएगा। इसके व्हील्स की बात करें तो इस स्कूटर में 12-इंच के टायर मिलेंगे, जिससे बेहतर ग्रिप और स्टेबिलिटी मिलेगी।

एलआईसी के प्रमुख मोहंती ने जताया भरोसा

एलआईसी का जल्द स्वास्थ्य बीमा व्यवसाय में होगा प्रवेश, 31 मार्च से पहले सौदे की घोषणा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

जीवन बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलआईसी के मुख्य कार्यकारी सिद्धार्थ मोहंती ने अगले दो सप्ताह में एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी में हिस्सेदारी

■ देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी है

खरीदने का मंगलवार को भरोसा जताया। मोहंती ने इस स्वास्थ्य बीमा कंपनी का नाम न बताते हुए कहा कि एलआईसी इसके साथ बातचीत के अंतिम चरण में है और उम्मीद है कि 31 मार्च से पहले सौदे की अंतिम रूप से घोषणा हो जाएगी। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में भी कदम रखने की संभावनाएं तलाश रही है। एलआईसी के मुखिया ने यहां आयोजित जीसीए25 कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा, ''स्वास्थ्य बीमा कारोबार में शामिल होना एलआईसी के लिए स्वाभाविक विकल्प है।

हिस्सेदारी कई कारकों पर निर्भर

मोहंती ने कहा कि एलआईसी लक्षित कंपनी में 51 प्रतिशत या उससे अधिक की नियंत्रक हिस्सेदारी नहीं खरीदेगी। खरीदी जाने वाली हिस्सेदारी की सटीक मात्रा एलआईसी के निदेशक मंडल के निर्णय और मूल्यांकन जैसे कारकों पर निर्भर करेगी। मीडिया में आई कुछ रिपोर्ट के मुताबिक, एलआईसी 4,000 करोड़ रुपये के सौदे में मणिपाल सिग्ना कंपनी में हिस्सेदारी लेने पर विचार कर रही है।

खास बातें

- एलआईसी लक्षित कंपनी में नियंत्रक हिस्सा नहीं खरीदेगी
- एलआईसी 4,000 करोड़ रुपए में मणिपाल सिग्ना में ले सकती है हिस्सेदारी

एलआईसी ने आरबीआई से लॉन्ग टर्म बांड मांगे

इसके अलावा मोहंती ने बताया कि एलआईसी ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से एडिशनल लॉन्ग टर्म बांड जारी करने की रिक्वेस्ट की है। एलआईसी ने पहले 40 साल के बांड की रिक्वेस्ट की थी, जिसे आरबीआई ने मंजूरी दे दी।

अनुबंध संबंधी हमारे पास दायित्व

मोहंती ने कहा, 'हम लॉन्ग टर्म इन्वेस्टर्स हैं। कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार भुगतान करने के लिए हमारे पास कॉन्ट्रैक्चुअल ऑब्लिगेशन्स यानी अनुबंध संबंधी दायित्व हैं। इसलिए, मुझे निवेश और एसेट लायबिलिटी मैनेजमेंट को ठीक से मैनेज करना होगा।

एलआईसी का तीसरी-तिमाही में मुनाफा 16 फीसदी बढ़ा

देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी का वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में कॉन्सॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 11,009 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 9,469 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

सालाना नेट प्रीमियम इनकम 9 फीसदी घटी

लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने 7 फरवरी को तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कंपनी की नेट प्रीमियम इनकम सालाना आधार पर 9 प्रतिशत घटी है। वित्तीय वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में नेट प्रीमियम इनकम 1.07 लाख करोड़ रुपए रही। एक साल पहले की समान तिमाही यानी वित्तीय वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में नेट प्रीमियम इनकम 1.17 लाख करोड़ रुपए रही थी।

सेंसेक्स 1,131 अंक की छलांग के साथ 75,000 अंक के पार

चौतरफा खरीदारी से निफ्टी में 326 अंक की बढ़त

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख के बीच मंगलवार को चौतरफा लिवाली होने से घरेलू शेयर बाजारों में जबर्दस्त उछाल देखा गया। सेंसेक्स ने 1,131 अंक की तेजी के साथ एक बार फिर 75,000 अंक का स्तर हासिल कर लिया, जबकि निफ्टी 22,800 अंक के ऊपर पहुंच गया।

■ कच्चे तेल और डॉलर में गिरावट से निवेशकों की धारणा बदली

विश्लेषकों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कम कीमतों और प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में कमजोरी ने भी निवेशकों की धारणा को समर्थन दिया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,131.31 अंक उछलकर 75,301.26 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 1,215.81 अंक बढ़कर 75,385.76 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी भी 325.55 अंक यानी 1.45 प्रतिशत बढ़कर 22,834.30 अंक पर पहुंच गया। यह घरेलू शेयर बाजारों में तेजी का लगातार दूसरा दिन रहा। मेहता इक्विटीज लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, ''वैश्विक बाजारों में मजबूती ने स्थानीय निवेशकों का भरोसा बढ़ाया जिससे तमाम क्षेत्रों में मूल्यपरक खरीदारी देखने को मिली। पिछले कुछ सप्ताह की गिरावट के कारण कई शेयर मूल्यांकन के लिहाज से खासे आकर्षक हो गए थे।''जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अनुकूल वैश्विक रुझानों और बेहतर घरेलू परिस्थितियों के कारण मानक सूचकांकों में खासी तेजी देखी गई।

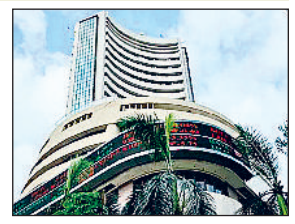

इन शेयरों में रहा लाभ

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से जोमैटो ने सर्वाधिक सात प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाई। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक और भारतीय स्टेट बैंक भी लाभ में रहे।

एलजी और इनोविजन को आईपीओ लाने की मंजूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण कोरिया की कंपनी एलजी की अनुषंगी कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड और मानव संसाधन एवं टोल प्लाजा प्रबंधन सेवा प्रदाता इनोविजन लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है।

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से मंगलवार को

■ दोनों ही कंपनियों ने दिसंबर में दाखिल किए थे दस्तावेज

दी गई जानकारी के अनुसार, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया और इनोविजन ने सेबी के समक्ष आईपीओ लाने के लिए दिसंबर में दस्तावेज दाखिल किए थे। दोनों को क्रमशः 13 मार्च तथा 12 मार्च को नियामक से इसके लिए मंजूरी मिली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड की ओर से दाखिल दस्तावेज के अनुसार आईपीओ में कंपनी की मूल कंपनी 10.18 करोड़ से अधिक शेयर यानी अपनी 15 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। कंपनी ने कुल निर्गम आकार का खुलासा नहीं किया, लेकिन मामले से परिचित लोगों ने आईपीओ का आकार 15,000 करोड़ रुपये आंका है।

पीसी ज्वेलर कर्ज निपटान के लिए शेयर करेगी जारी

नई दिल्ली। पीसी ज्वेलर लिमिटेड ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 1,510 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने के लिए कर्जदाताओं के एक समूह को तरजीही निर्गम के

जरिये 51.71 करोड़ शेयरों के आवंटन की मंजूरी दे दी है। पीसी ज्वेलर लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 14 बैंकों वाले ऋणदाता समूह को निजी आवंटन के आधार पर तरजीही निर्गम के जरिये 51,71,14,620 इक्विटी शेयरों के आवंटन की मंजूरी दी है। ये शेयर 29.20 रुपये की दर पर जारी किए गए हैं।

मर्सिडीज अप्रैल में बढ़ाएगी अपने वाहनों के दाम: सीईओ

एजेंसी ▶▶| उदयपुर

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने मंगलवार को कहा कि अगर यूरो के मुकाबले रुपये में गिरावट जारी रही तो कंपनी अप्रैल में अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है।

■ यूरो के मुकाबले रुपये में गिरावट जारी रही तो बढ़ोतरी होगी

कंपनी ने इस साल जनवरी में कीमतों में बढ़ोतरी की थी। उसका अनुमान है कि मांग में कमी के कारण लक्जरी कारों की बिक्री कम से कम दो तिमाहियों तक दबाव में रहेगी। अय्यर ने कहा, विनिमय दर की बात करें तो यह पिछले 20 दिन में वास्तव में थोड़ा चिंताजनक रहा है, क्योंकि यूरो पहले ही 95 रुपये के स्तर पर

पहुंच चुका है और हमने कारों की कीमत 90 रुपये के स्तर के हिसाब से तय की है। इस तरह इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और अगर यह रुझान जारी रहा तो अप्रैल में कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। भारतीय रुपये के मुकाबले यूरो की विनिमय दर में इस साल लगातार गिरावट हुई है।

वृद्धि की गति जारी रहेगी

सीईओ ने कहा कि कंपनी को विदेशी मुद्रा विनिमय दर में किसी भी प्रतिकूल उतार-चढ़ाव पर प्रतिक्रिया करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि साल की शुरुआत में घरेलू बाजार में वृद्धि की गति जारी रहेगी, लेकिन भू-राजनीतिक स्थिति समग्र ग्राहक धारणा को प्रभावित कर रही है।

यूरो के मुकाबले रुपए में बड़ी गिरावट

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 12 फरवरी को एक यूरो के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 89.96 के स्तर से गिरकर 12 मार्च को 95.13 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। मंगलवार को एक यूरो का मूल्य 94.55 रुपये था।

केवाईसी के लिए बैंक ग्राहकों को बार-बार कॉल करने से बचे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैंकों से कहा कि वे ग्राहकों को 'अपने ग्राहक को जानो'' (केवाईसी) दस्तावेजों के

लिए बार-बार फोन करने से बचें। आरबीआई लोकपालों के वार्षिक सम्मेलन में मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि किसी भी वित्तीय नियामक की देखरेख वाली इकाई को दस्तावेज जमा करने से अन्य लोगों के लिए एक सामान्य डेटाबेस से उन तक पहुंचना संभव हो जाता है, और बार-बार अनुरोध करने को 'टालने योग्य असुविधा'' बताया। आरबीआई गवर्नर ने कहा, "हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि एक बार ग्राहक द्वारा वित्तीय संस्थान को दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद, हम उन्हीं दस्तावेजों को पुनः प्राप्त करने पर जोर न दें।"

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN
Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Aatal Nagar Distt. Raipur- 492002, Chhattisgarh. Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites tender for following work:

NIT No: 96/4(3) Engg./Video Wall/EE-E/CE/NRANVP/2024-25, Nava Raipur Atal Nagar, Dated: 17/03/2025

Name of Work: "Design,Supply, Installation, Testing & Commissioning of Outdoor video wall system with 3 years O&M in Commercial Complex Tower A, Sector 21 of Nava Raipur Atal Nagar - Raipur (C.G).".

Estimated cost: **INR 4.66 Crore,** EMD: **5.66 Lakh,** Period of Completion: **6 months for capex & 3 years O&M**

Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 08.04.2025

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) **http://eproc.cgstate.gov.in** directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

CE
NRANVP

S-43265/2

कार्यालय कलेक्टर, जिला बालोद (छ.ग.)

/ / सार्वजनिक सूचना / /

क्रमांक /1722/कले. / भू-अर्जन /भूक्रनी / 2025 बालोद, दिनांक 17/03/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति, 2016 के तहत कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग दुर्ग द्वारा अनुविभाग गुण्डरदेही जिला बालोद अंतर्गत खर्रा -रौना मार्ग में तान्दुला नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य के लिये ग्राम रौना प.ह.नं. 20 रा.नि.मं. डुण्डेरा तहसील अर्जुन्दा जिला बालोद (छ.ग.) के निम्नानुसार भू-धारकों की भूमि की आवश्यकता होने से कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग दुर्ग के पक्ष में क्रय किए जाने पर विचार किया जा रहा है:-

क्र.	भू-धारकों का नाम	खसरा नं.	कुल रकबा (हे. में)	क्रय हेतु प्रस्तावित रकबा (हे.)
1	2	3	4	5
1	बनवाली आ. चैनसिंग ग्राम रौना तहसील अर्जुन्दा जिला बालोद	780/1	0.250	0.0224
2	घनश्याम आ. चैनसिंग ग्राम रौना तहसील अर्जुन्दा जिला बालोद	780/2	0.020	0.0024
3	लोकेश्वर आ. बनवाली ग्राम रौना तहसील अर्जुन्दा जिला बालोद	786/1	0.040	0.0112
4	चंदुलाल, खोरबाहरिन, बिसतिन आ. चोवाराम ग्राम रौना तहसील अर्जुन्दा जिला बालोद	786/2	0.050	0.0112
5	मोहनलाल आ. कुंवर सिह ग्राम रौना तहसील अर्जुन्दा जिला बालोद	787	0.100	0.0042
6	थनवार छेरकीन आ. टिकैत, महेश्वर प्रसाद, राधिका, मुकेश्वरी, नंदनी पिता नंद झरोखा ग्राम रौना तहसील अर्जुन्दा जिला बालोद	792	0.060	0.0252
	योग	05	0.520	0.0766

उपरोक्त दर्शित भूमि के स्वत्व के विषय में किसी को कोई आपत्ति हो, तो जारी दिनांक से 15 (पन्द्रह) दिवस के भीतर स्वतः अथवा अधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से आधार सहित मेरे समक्ष लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

कलेक्टर
जिला बालोद

G-242506013/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय अधीक्षण अभियंता जल संसाधन एवं भू-जल सर्वेक्षण मंडल सिहावा भवन परिसर, सिविल लाईन्स, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 165837/निविदा सूचना क्रमांक 16/वलेलि/2024-25, रायपुर, दिनांक 17.03.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 03.04.2025 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम : रायपुर जिले के विकासखण्ड धरसीवां की गुमा एनीकट का जीर्णोद्वार कार्य । अनुमानित लागत : रूपये 118.90 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर **दिनांक 24.03.2025 समय 17:31** बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट :- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर नामांकित /पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, रायपुर कृते, अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन एवं भू-जल सर्वेक्षण मंडल, रायपुर (छ.ग.)

G-242506011/4

कार्यालय कलेक्टर, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
(आदिवासी विकास शाखा)
Phone No. 07856-252441, Fax No. 07856-252441,
Email: actd.dantewada@nic.in

-:: संक्षिप्त निविदा ::-

क्रमांक/ 3313/आ.वि./निर्माण/2024-25 दन्तेवाड़ा, दिनांक 10/03/2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों के लिए प्रपत्र "अ" प्रतिशत दर पर शासकीय निर्माण विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों से मुंहरबंद निविदायें पंजीकृत डाक से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्यों में प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा भवन निर्माण कार्यों के लिए जारी एस.ओ.आर. दिनांक 01.01.2015 से प्रचलित निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित लागू होगा। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर नियत तिथि एवं समय में प्राप्त किया जा सकता है। धरोहर राशि सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास दन्तेवाड़ा के नाम से होगा।

1. निविदा प्रपत्र मूल्य जमा कर कोरे निविदा प्रपत्र करने की तिथि - 26/03/2025 सायं 5.00 बजे तक
2. भरे हुए निविदा प्रपत्रों की मुंहरबंद लिफाफे कार्यालय में प्राप्त होने की तिथि - 01/04/2025 सायं 5.00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - 02/04/2025 दोपहर 11.00 बजे

क्र.	कार्य/स्थान का नाम	कार्य की लागत (लाखों में)	अमानत राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र का मुल्य/शर्तें
1	2	3	4	5
1	प्री.मै. कन्या छात्रावास दंतेवाड़ा में अतिरिक्त कक्ष शौचालय स्नानगृह, बोरवेल खनन, किचन शेड निर्माण कार्य। (02 नग)	32.00	0.24	प्रति कार्य की निविदा प्रपत्र का मूल्य 1500/- रू. होगी। उक्त कार्य हेतु "D" श्रेणी या अधिक के ठेकेदार भाग ले सकते है, तथा कार्य 03 माह के भीतर पूर्ण करना होगा।
2	प्री.मै. बालक छात्रावास दंतेवाड़ा में अतिरिक्त कक्ष शौचालय स्नानगृह, बोरवेल खनन, किचन शेड निर्माण कार्य। (02 नग)	32.00	0.24	
3	प्री.मै. कन्या छात्रावास कटेकल्याण में अतिरिक्त कक्ष शौचालय/स्नानगृह, बोरवेल खनन, किचन शेड निर्माण कार्य।	19.00	0.139	प्रति कार्य की निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- रु. होगी। उक्त कार्य हेतु "D" श्रेणी या अधिक के ठेकेदार भाग ले सकते है, तथा कार्य 03 माह के भीतर पूर्ण करना होगा।
4	प्री.मै. बालक छात्रावास कटेकल्याण में अतिरिक्त कक्ष शौचालय/स्नानगृह, बोरवेल खनन, किचन शेड निर्माण कार्य।	18.42	0.145	

निविदा संबंधी अन्य जानकारी एवं शर्ते कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास दंतेवाड़ा

G-242506004/2

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	165851 प्रथम आमंत्रण 11.03.2025	जिला सरगुजा के विकासखण्ड मैनपाठ के पंचायत उड़ूमकेला मेछारोना मार्ग लं. 5.50 कि.मी. निर्माण कार्य।	592.44
2	165858 प्रथम आमंत्रण 11.03.2025	जिला बालोद के बोरी भेंगारी मार्ग में सेमरिया नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	286.10
3	165856 प्रथम आमंत्रण 11.03.2025	जिला बेमेतरा के बोरतरा-मसुलगोंदी मार्ग में कर्रा नाला पर उच्चस्तरीय पुलमय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	359.89
4	165857 प्रथम आमंत्रण 11.03.2025	जिला बेमेतरा के तेन्दुवा-नयापारा (सही नाम- तेन्दुवा नयापारा से सेमरिया) मार्ग में डोटु नाला पर उच्चस्तरीय पुलमय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	645.95
5	165859 प्रथम आमंत्रण 11.03.2025	जिला बेमेतरा के पदमी से पदुमसरा मार्ग में करूआ नाला पर उच्चस्तरीय पुलमय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	496.12
6	165860 प्रथम आमंत्रण 11.03.2025	जिला दुर्ग के नवागांव परसदापार मार्ग के सोनबरसा नदी पर उच्चस्तरीय पुलमय पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	400.12
7	165864 प्रथम आमंत्रण 11.03.2025	जिला बिलासपुर के शनिचरी चांटीडीह मार्ग में अरपा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1110.56
8	165866 प्रथम आमंत्रण 11.03.2025	जिला महासमुंद के सराईपाली में नवीन व्यवहारी न्यायालय (06 न्यायालय कक्ष) का निर्माण कार्य, जल प्रदाय, सेनेटरी फिटिंग, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग एवं विद्युतीकरण सहित कार्य। संभाग महासमुंद ।	862.36
9	165865 प्रथम आमंत्रण 11.03.2025	जिला दुर्ग के घोटवानी-मुड़पार मार्ग में कुलछुरी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	224.18
10	165869 प्रथम आमंत्रण 11.03.2025	जिला दुर्ग के पोटिया-बड़ेटेमरी मार्ग में पोटिया नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	247.49
11	165930 प्रथम आमंत्रण 12.03.2025	जिला बीजापुर के बेदरे लंका नुगूर मार्ग के कि.मी. 2/2 से 2/10 इन्द्रावती नदी पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य का शेष कार्य।	2841.86
12	165915 प्रथम आमंत्रण 12.03.2025	जिला कोण्डागांव के ग्राम मालाकोट बड़ेपारा से ग्राम किबईबालेंगा मार्ग लंबाई 5.05 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	650.92
13	165916 प्रथम आमंत्रण 12.03.2025	जिला कोण्डागांव के ग्राम चौगड़ा से चलका मार्ग लंबाई 6.00 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	697.21

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क. 11 से सं.क. 13 दिनांक 03.04.2025 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 02.04.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

G-242506000/3

खबर संक्षेप

शेफाली की अंडर 23 वनडे ट्रॉफी में हैट्रिक

गुवाहाटी। भारत की आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने महिलाओं की अंडर 23 वनडे ट्रॉफी में हरियाणा के लिये खेलते हुए कर्नाटक के खिलाफ प्री क्वार्टर फाइनल में हैट्रिक लगाई। भारतीय टीम से बाहर शेफाली ने सलोनी पी और सौम्या वर्मा को 44वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर आउट किया और 46वें ओवर की पहली गेंद पर नमिता डिसूजा का विकेट लिया। उन्होंने 20 रन देकर तीन विकेट चटकाये। उनके इस प्रदर्शन से हरियाणा ने मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

हॉकी के इतिहास पर और किताबें लिखी जाए : टिर्की

नई दिल्ली। भारत के महान डिफेंडर और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि पिछले सौ साल में भारतीय हॉकी के

गौरवशाली इतिहास पर लिखा जाना चाहिये ताकि मौजूदा पीढी को इसके बारे में पता चले। भारत के लिये 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके टिर्की ने 1975 विश्व कप जीत की स्वर्ण जयंती पर आई किताब 'मार्च टू ग्लोरी' के विमोचन के मौके पर कहा, ''भारतीय हॉकी का यह सौवां साल है और इसके गौरवशाली इतिहास की कहानियां नयी पीढी के सामने आनी चाहिये।

महिला वनडे विश्व कप के लिए बनाएगी समिति

नई दिल्ली। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की कोलकाता में 22 मार्च को होने वाली आपात बैठक में महिला वनडे विश्व कप के लिये आयोजन समिति का गठन किया जायेगा और इस साल होने वाले टूर्नामेंट के लिये वेन्यू का भी चयन किया जायेगा। बैठक गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच ईडन गार्डंस पर होने वाले आईपीएल के पहले मैच के दौरान होगी। बीसीसीआई ने पिछली बार 2013 में महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी की थी।

कपिल दौरे पर परिवार साथ रखने के पक्ष में

नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव विदेश दौरे पर क्रिकेटरों के अपने परिवार साथ में रखने के पक्ष में है

लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस मामले में संतुलित रवैया अपनाया जाना चाहिए। भारत की ऑस्ट्रेलिया दौरे में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में 1–3 से हार के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने निर्देश जारी किया कि 45 से अधिक दिन के दौरे में क्रिकेटर अधिकतम 14 दिन तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं।

रोहित को अभी वनडे विश्व कप जीतना है, बचपन के कोच लाड ने कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

छह महीने में दो आईसीसी खिताब जीतकर संन्यास की अटकलों को खारिज करने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए उनके बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि अभी उसे वनडे विश्व कप जीतना बाकी है। लाड ने कहा, 'निश्चित तौर पर अभी उसके भीतर काफी क्रिकेट बाकी है।

- रोहित के भीतर अभी काफी क्रिकेट बाकी है
- शर्मा के संन्यास की अटकलों को किया खारिज

आपने चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल की उसकी पारी देखी होगी जिसमें उसने पक्के क्रिकेट शॉट खेले और एक भी खराब शॉट नहीं था।' उन्होंने कहा, 'उसने 2023 वनडे विश्व कप से पहले अपने खेल में बदलाव किया और उसका फोकस अच्छी शुरूआत देने पर ही रहा, बड़े शतकों पर नहीं ताकि टीम को फायदा हो।'

रोहित के फार्म व फिटनेस पर उठे थे सवाल

चैम्पियंस ट्रॉफी में तीसरी बार खिताब जीतने से पहले अटकलें लगाई जा रही थी कि क्या रोहित का यह आखिरी टूर्नामेंट होगा। घरेलू टेस्ट श्रृंखला में हार, आस्ट्रेलिया दौरे पर मिली हार के बाद रोहित के फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठे और उनके वजन को लेकर भी काफी बातें हुईं।

कीवी के खिलाफ विजयी पारी खेली थी

पिछले साल भारत को टी20 विश्व कप दिलाने वाले रोहित ने हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। फाइनल के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह अभी संन्यास लेने नहीं जा रहे।

वनडे विश्व कप 2027 का सपना अभी बाकी है

लाड ने कहा ,'' जब उसने टी20 विश्व कप जीतने के बाद उस प्रारूप से विदा ली तो मुझे पता था कि उसे दो टूर्नामेंट अभी और जीतनी थी। एक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और दूसरा वनडे विश्व कप। दुर्भाग्य से इस बार हम डब्ल्यूटीसी फाइनल में नहीं पहुंच सके लेकिन अभी वनडे विश्व कप 2027 में होना है और उसका यह सपना पूरा हो सकता है।''

टिप्पणी के बावजूद रोहित अविचलित रहे

2023 में दस मैच जीतने के बावजूद आखिरी बाधा पार नहीं कर पाये और एक बार फिर खिताब से चूक गया। मुझे लगता है कि वह 2027 विश्व कप खेल सकता है। बरसों पहले स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में क्रिकेट के कारण रोहित को लेकर आये लाड इस बात से काफी प्रभावित हैं कि सोशल मीडिया ट्रोलिंग, आलोचना और वजन को लेकर टिप्पणी के बावजूद रोहित अविचलित रहे।

2009 से 2011 तक फॉर्म उतना अच्छा नहीं रहा

कोच ने कहा ,'' 2009 से 2011 तक उसका फॉर्म उतना अच्छा नहीं था जिससे उसे 2011 विश्व कप टीम में जगह नहीं मिली। उसके बाद उसने वनडे में तीन दोहरे शतक लगाये। टेस्ट में पदार्पण में शतक लगाया। टी20 में रिकॉर्ड बनाया।'' उन्होंने कहा, वनडे विश्व कप 2019 में उसके पांच शतक जमाने के बावजूद भारत सेमीफाइनल में हार गया। वह हारने के बाद काफी दुखी था।

भारत की लंबी दूरी की धाविका है अर्चना जाधव

भारतीय धाविका जाधव डोप टेस्ट में फेल, लगा चार साल का प्रतिबंध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की लंबी दूरी की धाविका अर्चना जाधव पर जनवरी में डोप परीक्षण में विफल रहने के कारण मंगलवार को चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया। अर्चना ने बार-बार याद दिलाने पर भी डोप परीक्षण में असफल रहने के खिलाफ अपील नहीं की जिससे विश्व एथलेटिक्स ने यह मान लिया कि वह अपना अपराध स्वीकार करती है और इसलिए उस पर प्रतिबंध लगा दिया। विश्व एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के अनुसार, जाधव का जो नमूना पिछले साल दिसंबर में पुणे हाफ-मैराथन के दौरान लिया गया था, उसमें प्रतिबंधित पदार्थ ऑक्सेंड्रोलोन था। यह सिंथेटिक एनाबॉलिक स्टेरॉयड शरीर में प्रोटीन उत्पादन और मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है।

सभी परिणाम अयोग्य माने जाएंगे

प्रतिबंध सात जनवरी से लागू हुआ। जाधव इस अवधि के लिए अस्थायी तौर पर निलंबित थी। 15 दिसंबर 2024 से उनके सभी परिणाम अयोग्य माने जाएंगे और उन्हें इस अवधि के लिए सभी पुरस्कार, पदक, अंक, पुरस्कार और उपस्थिति राशि जमा करने होंगे।

जाधव ने ईमेल पर खेद जताया था

जाधव ने 25 फरवरी को एआईयू को एक ईमेल में उल्लंघन के आरोप का जवाब देते हुए कहा था, ''मुझे बेहद खेद है सर...मैं आपके फैसले का स्वागत करती हूं।'' एआईयू ने कहा कि इस संवाद को लेकर उसकी समझ यह थी कि जाधव को सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी और वह निकाय से निर्णय से संतुष्ट थी।

तीन मार्च तक का समय दिया गया था

एआईयू ने कहा कि फिर भी जाधव को सूचित किया गया कि उनके पास यह स्वीकार करने के लिए तीन मार्च तक का समय है कि उन्होंने डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन किया है। इसके बाद भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 28 फरवरी को उन्हें इसकी याद दिलाई।

आखिरी बार अक्टूबर 2024 दिल्ली मैराथन में भाग लिया

हालांकि, एआईयू को जाधव से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में दिल्ली हाफ मैराथन में भाग लिया था, जिसमें भारतीय महिला खिलाड़ियों में लिली दास, कविता यादव और प्रीति लांबा के पीछे चौथे स्थान पर रहीं थी।

श्रेष्ठ प्रदर्शन

10,000 मीटर में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 35:44.26 और हाफ मैराथन में 1:20:21 है। 3,000 मीटर में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10:28.82 है।

पाक को मिल रही हार पर हार, न्यूजीलैंड ने 5 विकेट से जीता दूसरा टी20 मैच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी पाकिस्तान टीम की हार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम एक भी मैच नहीं जीत पाई थी। उसे न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ मैच में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था और सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई थी। बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान का तीसरा और आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबला बारिश में धुल गया था। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अब पाकिस्तान टीम न्यूजीलैंड दौरे पर टी20 सीरीज खेल रही है और यहां भी टीम को लगातार हार मिल रही है। टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के आगे पाकिस्तानी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। कप्तान सलमान अली आगा को छोड़कर कोई भी क्रीज पर टिक नहीं सका। सलमान ने 46 रनों की पारी खेली। शादाब खान ने 26 और शाहीन अफरीदी ने 22 रनों का योगदान दिया। पूरी टीम 15 ओवरों में 9 विकेट खोकर 135 रन ही बना सकी।

- पाकिस्तान ने दिया 136 रनों का लक्ष्य

15-15 ओवर का हुआ मुकाबला

5 मैचों की टी20 सीरीज में हार से अपने अभियान का आगाज करने वाली पाकिस्तानी टीम अपना दूसरा मैच भी हार गई है। पहले मैच में पाकिस्तान को 9 विकेट से हार का मुंह देखना पड़ा। अब न्यूजीलैंड ने बारिश से प्रभावित दूसरे टी20 मुकाबले में 5 विकेट से पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। इस हार के साथ ही पाकिस्तान की टीम टी20 सीरीज में 0-2 से पिछड़ गई है। डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल में खेले गए इस मुकाबले में बारिश के कारण ओवरों की कटौती करनी पड़ी। इसके बाद 15-15 ओवर का मैच हुआ जिसमें मेजबान कीवी टीम बाजी मारने में सफल रही।

भारत का मालदीव से आज मुकाबला

एजेंसी ▶▶ शिलांग

भारत और मालदीव के बीच बुधवार को यहां जब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच खेला जाएगा तो सभी की निगाहें संन्यास से वापसी करने वाले स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री पर टिकी रहेंगी। भारत के लिए यह मैच एक सप्ताह से भी कम समय में इसी स्थान पर बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर मैच के लिए ड्रेस रिहर्सल के रूप में काम करेगा।

भारत एशिया कप क्वालीफायर में अपना पहला मैच 25 मार्च को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा और 40 वर्षीय छेत्री ने इस प्रतियोगिता में भारत को सफलता दिलाने के लिए ही इस महीने के शुरू में संन्यास से वापसी करने की घोषणा की थी। भारतीय टीम के लिए यह अभ्यास मैच ऐतिहासिक भी है क्योंकि वह पहली बार फुटबॉल के दीवाने इस पहाड़ी शहर में मैच खेलेगी।

- छेत्री पर रहेंगी सभी की निगाहें
- इसी महीने छेत्री ने संन्यास से वापसी की घोषणा की

भारत बड़ी जीत हासिल करने के उद्देश्य से उतरेगा

फुटबॉल को विभिन्न क्षेत्रों में ले जाना भारतीय फुटबॉल के लिए बहुत अच्छी बात है। भारत इस मैच में बड़ी जीत हासिल करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा लेकिन उसे मालदीव को किसी भी तरह से कम करके नहीं आंकना होगा। भारतीय टीम को इस मैच से बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच से पहले यह पता करने का मौका मिलेगा कि उसे किन क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है।

सैमसन ऊंगली की चोट से उबरे, किया अभ्यास

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ऊंगली की चोट से उबरने के बाद अब अपनी आईपीएल टीम के साथ जुड़ गए हैं। तीस वर्ष के सैमसन ने बेंगलुरू में सेंटर आफ एक्सीलैंस में उपचार पूरा किया। वह सोमवार को रॉयल्स के पहले सत्र में मौजूद थे। सैमसन को इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के दौरान जोफ्रा आर्चर का बाउंसर लगा था। चोट के बाद उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। रॉयल्स ने एक्स पर लिखा, हवाई अड्डे से सीधे पहले अभ्यास सत्र की ओर ताकि हमेशा की तरह सभी के चेहरे पर मुस्कान ला सके। सैमसन ने रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ से बात की। देखना यह है कि पूरी तरह फिट होने के बावजूद क्या वह विकेटकीपिंग कर पाते हैं। अगर नहीं तो ध्रुव जुरेल को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

हरियाणा, ओडिशा व मप्र ने अपने मुकाबले जीते

रांची। हरियाणा, ओडिशा और मध्यप्रदेश ने महिला राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप में मंगलवार को अपने अपने मुकाबले जीते। हरियाणा ने मणिपुर को 7-1 से हराया जबकि ओडिशा ने बंगाल को 1-0 से मात दी। मध्यप्रदेश ने महाराष्ट्र को 2 - 0 से हराया। हरियाणा के लिये सावी और कीर्ति ने दो जबकि खासा शशि, सुप्रिया और कीर्ति ने एक एक गोल किया। मणिपुर के लिये एकमात्र गोल दीना देवी ने दागा। अगले मैच में ओडिशा के लिये दीपिका बारवा ने गोल किया। तीसरे मैच में मध्यप्रदेश के लिये भूमिक्षा साहू और कप्तान सोनिया कुमरे ने गोल किये।

Sachdeva International School
CBSE AFFILIATION No 3330120
RAIPUR (C.G.) PH.: 8120037037, 7898906011/12, 9302444465
Email: sisraipurcg@gmail.com

VACANCY

S.N	POST	QUALIFICATION	VACANCY
01	P. G. T.	Post Graduation with B.Ed.	All Subjects
02	T. G. T.	Post Graduation with B.Ed.	All Subjects
03	P. R. T.	Graduation with B.Ed./D.Ed.	All Subjects
04	NTT	Graduation with NTT	
05	Counsellor	Post Graduation in Psychology	
06	Music Teacher	Post Graduation (Music)	
07	Dance Teacher	Post Graduation (Dance)	
08	Sports Teacher	B.P. Ed./M. P. Ed.	
09	Arts & Craft Teacher	BFA/MFA	
10	Office Assistant	Graduation with knowledge of Hindi & English Typing	
11	Special Educator	Graduation with D.Ed.	
12	Abacus/Reasoning Spoken English	Experienced Candidates are Preferable	
13	Accountant	Experienced Tally Operater/ Knowledge of School/ College Accounts	

1. Candidates for Teaching Position Should be Fluent in English, Communication and Operational Knowledge of Computer. 2. Salary Negotiable. 3. Send your Resume on or before 25.03.25 to sisraipurcg@gmail.com
Secretary

हरिभूमि आवश्यकता है
inh 24x7
रायपुर, छत्तीसगढ़ स्थित सैटेलाइट न्यूज चैनल inh के लिए
स्क्रिप्ट / कंटेंट राइटर
टिकर
अनुभवी व्यक्ति को प्राथमिकता
संपर्क करें
inhnewshr@gmail.com
9522283349
07714242252

वायरस को भगाओ, बाफना एनर्जी ड्रिंक को अपनाओ
Bafna
Vitamin C, Glucose with Electrolytes
Energy Drink
एनर्जी ड्रिंक
प्यास बुझाए एनर्जी बढ़ाए
स्वाद में मस्त...
बाफना एनर्जी ड्रिंक रखे आपको इम्यूनिटी और एनर्जी से भरपूर
सभी नजदीकी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध
थकान से रखे दूर और दिन भर दे ताकत एवं शक्ति
Website : www.bafnabiotech.com, For Feed & Complaint : bafnabiotech@gmail.com
Consumer Complaint on : +91 8989405858, +91 9425504640

बीकानेर और जयपुर रूट पर वंदे भारत

नई दिल्ली। वंदे भारत ट्रेन किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं है। अब बीकानेर और जयपुर से दो नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत होने जा रही है। बीकानेर से दिल्ली और जयपुर से जोधपुर के बीच ये ट्रेनें चलेंगी, जिससे यात्रियों को वंदे भारत में सफर करने का मौका मिल जाएगा। खासतौर पर बीकानेर को पहली बार सीधी वंदे भारत सेवा से दिल्ली से जोड़ा जाएगा, जिससे सफर का समय घटकर मात्र 6 घंटे 20 मिनट रह जाएगा। रेलवे बोर्ड ने इस ट्रेन के लिए अस्थायी समय सारिणी भी जारी कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीकानेर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 5:55 बजे बीकानेर से रवाना होगी और दोपहर 12:15 बजे दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में यह शाम 4:30 बजे दिल्ली से चलेगी और रात 10:50 बजे बीकानेर पहुंचेगी।

जहां बन रहा था मोमोज, वहां फ्रिज में मिला कुत्ते का सिर

चंडीगढ़। पंजाब के मोहाली से सेहत को लेकर गहरी चिंता पैदा करने वाली एक खबर सामने आई है। यहां मटौर की एक फैक्ट्री में फ्रिज के अंदर कुत्ते का कटा हुआ सिर मिला है। इस फैक्ट्री में मोमोज बनाया जाता था और उसे कई जगह सप्लाई की जाती थी। फैक्ट्री के ही कुछ बर्तनों में मांस का टुकड़ा भी मिला है। बड़ी बात यह है कि कुत्ते का धड़ वहां नहीं मिला है। इससे इस बात की शंका घर कर रही है कि बर्तन में मिला मांस कुत्ते का बचा टुकड़ा हो सकता है। मांस और सिर को जब्त कर लिया गया है और जांच के लिए वेटरिनरी डिपार्टमेंट भेजा गया है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि बर्तन में मिला मांस का टुकड़ा और कुत्ते का सिर एक ही कुत्ते के शरीर का हिस्सा तो नहीं। इस फैक्ट्री में मोमोज और स्प्रिंग रोल बनाकर कई जगह सप्लाई किए जाते थे। निगम की टीम ने छापेमारी कर ये जब्ती की है और इस मामले का पर्दाफाश किया है। मांस के टुकड़े के अलावा मोमोज के साथ दी जाने वाली लाल चटनी के सैंपल भी जांच के लिए भेजे गए हैं।

छेड़छाड़ के दोषी बुजुर्ग को पंचायत ने दी जूते मारने की सजा

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में पंचायत ने एक महिला से छेड़छाड़ के आरोपी 60 वर्षीय व्यक्ति को जूतों से पीटने का आदेश सुनाया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना चरथावल क्षेत्र के महावलीपुर की है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक बुजुर्ग को दो बार जूते मारते हुए देखा सकता है। 'सजा' पाए व्यक्ति की पहचान तीरथ पाल के रूप में हुई है। तीरथपाल पर आरोप है कि उसने पिछले शनिवार को शौच के लिए निकली 30 वर्षीय एक महिला से छेड़छाड़ की। स्थानीय लोगों ने बताया कि शिकायत के बाद पंचायत की बैठक हुई, जिसमें तीरथ पाल को दोषी मानते हुए उसे दो बार जूते मारने की सजा सुनाई गई।

MushroomAD
Mushroom Soup Powder
हेल्थी बॉडी, कॉन्फिडेंस रेडी
लाखो ग्राहकों का विश्वास
MADE IN INDIA
भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला मशरूम उत्पाद
मशरुम के प्राकृतिक गुणों से भरपूर
• भूख व वजन बढ़ाने में सहायक
• दुबलेपन को दुर करने में सहायक
• प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक
• गैस तथा एसिडीटी के लिए भी लाभदायक
• उर्जावान बनाने व कॉन्फिडेंस बढ़ाने में सहायक
कमजोरी हटाने व नया खुन बनाने में सहायक
सभी मेडिकल्स में उपलब्ध. For More details Trade Enquiry 9373556677, 9325551111
राजनांदगाव : महेश एजन्सी-7000616262, विश्वनाथ फार्मा-9406265404
SS - ताराचंद चिखलांदीया - 8889669996, पंकज मेडीकोज, बिलासपूर -6261187686,

AYURVEDIC
KAYAM CHURNA
कायम चूर्ण
भावनगरवाले सेठ ब्रदर्सका
उत्कृष्ट आयुर्वेदिक
उत्पादन
UIN:GUJARAT/0002/2025

टैटू (गोदना) मिटाये
नई लेज़र तकनीक द्वारा
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
माता-पिता बनने का अनमोल अहसास
• स्त्री एवं पुरूष बांझपन की संपूर्ण जांच एवं इलाज
• नि:संतान दंपत्तियों हेतु आधुनिक पध्दति से उपचार
• अण्डाणु बनने की प्रक्रिया की जांच
• हार्मोनल समस्या का इलाज (PCOD)
• बढ़ती उम्र की वजह से नि:संतानता का इलाज
• फेलोपियन ट्यूब बंद का इलाज
• ब्लास्टोसिस्ट ट्रांसफर की सुविधा
• बार-बार गर्भपात की जांच एवं सफल इलाज
• गर्भ संस्कार पर आधारित इलाज
संपूर्ण जांच एवं इलाज के लिए विश्वसनीय डॉक्टरों की टीम
97551 62611
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

RAMKRISHNA CARE HOSPITALS
एक्यूट लिवर फेलियर का बेहतर इलाज
लक्षण:
• थकान लगना
• जी मचलाना
• भूख कम लगना
• शरीर में दाईं ओर बेचैनी लगना
• डायरिया
• त्वचा में पीलापन
• बुखार
• बेहोशी या बहुत सुस्ती वाली हालत
उपलब्ध सेवाएं
• अत्याधुनिक जांच तकनीक एवं उपकरण
• प्रशिक्षित और अनुभवी मेडिकल टीम
• मल्टीडिसिप्लिनरी इलाज पद्धति
• विश्वस्तरीय लिवर ट्रांसप्लांट सुविधा
श्रेष्ठ एवं विश्वसनीय
रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल
पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, रायपुर
इमरजेंसी हेल्पलाइन 0771 6165656
MAHESHWARI

Hero
घर लाइए देश की
NUMBER# ONE
मोटरसाइकिल्स
HF Deluxe
एक्स-शोरूम कीमत (सेल्फ स्टार्ट) ₹65,300*
Splendor+ XTEC 2.0
एक्स-शोरूम कीमत ₹83,751*
आधार कार्ड^ पर लोन व कैश EMI
₹60^ प्रतिदिन EMI
5% इंस्टेंट डिस्काउंट^ चुनिंदा कार्डों पर
HDFC BANK
pine labs PAY LATER
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. #As per combined sales volume of 100-110cc motorcycles for FY 24 by a single company. Data Source: SIAM's domestic sales data FY 2024. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. For more details, please visit your nearest authorised Hero outlet. The offer is applicable on purchase of HF series & Splendor+ series from authorised dealers of HeroMotocorp using any HDFC Credit Card on all Pine Labs POS terminals. The 5% cashback upto ₹5000/- is applicable on minimum transaction of ₹40,000. T&C apply. *Ex-showroom price of HF Deluxe Self non i3s drum brake & Splendor+ Xtec 2.0 variant in Raipur.
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply
टोल फ्री 1800 266 0018
अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो 9289922351, आरसन हीरो 9289922864, राजधानी हीरो 9289922414, राजनांदगांव: जय हीरो 9289922357, धमतरी: सत्योम हीरो 9289922525, कांकेर: राहुल हीरो 9289922834, महासमुंद: वत्स हीरे 9289922623. बलोदाबाजार: अग्रवाल हीरो 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो 9289922968, बेमेतरा: श्री सांई हीरो 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो 9289923064, दंतेवाड़ा: जय विजय हीरो 9289922990, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983, भाटापारा: कुशल हीरो 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्ग: उत्सव हीरो 9289923114, उत्सव हीरो: (स्टेशन रोड) 7000595300, एसोशिएट डीलर: रायपुर: संजय ऑटोव्हील 9289924245, 0771-4266555, पंडरिया: ललित सर्विसेज़ 8770383767, भनपुरी: ओम ऑटो एजेंसी: 6261535855, दोमुहानी: किरण मोटर्स 9754069392, लवन: गणपति ऑटो 9926011111/ 9340379300, पिथौरी: श्री राम मोटर्स: 8462900028/9340005833 गुरुर: श्री गुरुनान्क ऑटो, 8349484458 / 7224880123, बोड़ला: विक्की मोटर्स: 9755583102, पांडातराई: शक्ति ऑटोमोबाइल्स: 9179035073, अभनपुर: राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, कुरिया: अंकित ऑटो: 9425240565, नवागढ़: श्री मोटर्स 9165525555/9009866899 राजिम: गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स 9977280000, खरोरा: अग्रवाल मोटर्स 9424212141, सरायपाली: बंसल ऑटो 9425513611, डोंगरगढ़: युवराज मोटर्स 8085160380, तिल्दा: आरसन मोटर्स 9340335266, नगरी: हर्ष ऑटो 8109502100, पाटन: दिव्या ऑटो 9893492107, बागबाहरा: प्रियंका ऑटोकेयर 9131058752, कोण्डागांव: आहुजा ऑटोमोबाईल्स 9131794017/9993861888, नारायणपुर: गुरुनानक ऑटो 9425598290, केशकाल: साहिल ऑटो सेल्स 9893199247, झगरंडी: किरन ऑटोकेयर 9754069392, फरसगांव: राजा ऑटोमोबाईल्स 9425594144, बेरला: कान्हा मोटर्स 98931058752 /6260472025, कसडोल: बजरंग मोटर्स 9425511973, बालोद: जैन ऑटोकेयर 9425563502, लिमतरा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स 9301361155, गरियाबंद: छत्तीसगढ़ ऑटो केयर 8319358443, चरोदा: सत्यम ऑटोमोबाईल्स 9977155055, गुंदरदेही: एम.एम. ऑटो 9893542300/ 8720051135, जामुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी 9826386346, सिमाली: भारत मोटर्स 9993417123, फिंगेश्वर: अभिषेक ऑटो, 9977737000 / 9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुद: शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, भानुप्रतापपुर: संस्कार मोटर्स, 8085053343/7898813343, गोहरा पादर: गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, इरपिनार: अंशु ऑटो, 6261421161, डीलर एक्सटेंशन काउंटर: रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह) 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला) इंडियन हीरो 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉप: रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह) 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा) 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: संजय ऑटोमोबाईल्स 2226732/7474. Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: आरसन हीरो 9285052266, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983
VML_5798.2025HIN

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रम्हवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com